आम आदमी का अपना दैनिक अखबार

तरुण छत्तीसगढ़

E-mail:
tarunpressraipur@gmail.com
tarun_press@yahoo.co.in
Web:
www.tarunchhattisgarh.in
facebook.TarunChhattisgarh
phone: 0771-2543112

■ रायपुर,शनिवार 11 जुलाई 2026 ■ आषाढ़, कृष्ण पक्ष-12 ■ वर्ष -42 ■ अंक-104 ■ पृष्ठ 8 ■ डाक संस्करण 12 जुलाई 2026 ■ मूल्य-2.00 रुपये

पीएम मोदी की न्यूज़ीलैंड यात्रा में 10 समझौते

न्यूज़ीलैंड,11 जुलाई। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की आधिकारिक न्यूज़ीलैंड यात्रा के दौरान शनिवार को भारत और न्यूज़ीलैंड ने द्विपक्षीय संबंधों को रणनीतिक साझेदारी के स्तर तक पहुंचाते हुए रक्षा, व्यापार, समुद्री सुरक्षा, आपदा प्रबंधन, कृषि, पर्यटन, खेल, संस्कृति और वैज्ञानिक अनुसंधान समेत विभिन्न क्षेत्रों में 10 समझौतों पर हस्ताक्षर किए। दोनों देशों ने 'इंडिया-न्यूज़ीलैंड स्ट्रैटेजिक पार्टनरशिप एंड रोडमैप-2030' को भी अपनाया, जिसके तहत सहयोग को नई दिशा देने का संकल्प लिया गया।

दोनों देशों ने समुद्री सहयोग पर समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए। इसके तहत हिंद-प्रशांत क्षेत्र में संवाद, सूचना साझा करने, समन्वय और संयुक्त गतिविधियों को बढ़ावा दिया जाएगा। हाइड्रोग्राफी और नौवहन मानचित्रण पर भी समझौते हुए, जिनके तहत हाइड्रोग्राफिक डेटा साझा करने, संयुक्त नौवहन चार्ट तैयार करने और क्षमता निर्माण पर सहयोग किया जाएगा। इसके अलावा भारतीय नौसेना और न्यूज़ीलैंड डिफेंस फोर्स के बीच म्यूचुअल लॉजिस्टिक्स सपोर्ट अरेंजमेंट पर भी सहमति बनी। भारत और न्यूज़ीलैंड ने आतंकवाद से मुकाबले के लिए संयुक्त कार्य समूह गठित करने का फैसला किया। इसके तहत आतंकवाद विरोधी सहयोग, खुफिया जानकारी साझा करने और समन्वय को मजबूत किया जाएगा। वहीं, भारत की राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण और न्यूज़ीलैंड की नेशनल इमरजेंसी मैनेजमेंट एजेंसी के बीच हुए समझौते के तहत भूकंप, सुनामी, तटीय आपदाओं, नीति संवाद और क्षमता निर्माण पर मिलकर काम किया जाएगा।

कृषि, डेयरी और पर्यटन क्षेत्र में नई पहल-दोनों देशों ने पशुपालन और डेयरी क्षेत्र में तकनीकी सहयोग, ज्ञान के आदान-प्रदान और सर्वोत्तम कार्यप्रणालियों को साझा करने पर सहमति जताई। पर्यटन सहयोग समझौते के तहत दोनों देशों के बीच पर्यटकों की आवाजाही बढ़ाने और आर्थिक व सांस्कृतिक संबंधों को मजबूत करने पर भी जोर दिया गया।

खेल, संस्कृति और समुद्री विरासत संरक्षण पर समझौते-भारत और न्यूज़ीलैंड ने संयुक्त खेल कार्ययोजना को अपनाया। इसके तहत उच्च प्रदर्शन वाले खेल, खेल विज्ञान, खेल चिकित्सा और खिलाड़ियों के विकास के क्षेत्र में सहयोग बढ़ाया जाएगा। इसके अलावा सांस्कृतिक सहयोग और समुद्री विरासत संरक्षण के तहत गुजरात के लोथल स्थित नेशनल मैरीटाइम हेरिटेज कॉम्प्लेक्स और न्यूज़ीलैंड मैरीटाइम म्यूज़ियम के बीच सहयोग स्थापित करने पर सहमति बनी। दोनों देशों ने आधिकारिक रूप से रणनीतिक साझेदारी का दर्जा देते हुए रोडमैप-2030 अपनाया। इसके तहत अगले चार वर्षों में व्यापार, रक्षा, समुद्री सुरक्षा, पर्यटन, खेल, संस्कृति, कृषि प्रौद्योगिकी, जन-से-जन संपर्क और बहुपक्षीय सहयोग को नई दिशा दी जाएगी। हाल ही में संपन्न मुक्त व्यापार समझौते (FTA) के आधार पर वर्ष 2030 तक द्विपक्षीय व्यापार को बढ़ाकर 7 अरब न्यूज़ीलैंड डॉलर तक पहुंचाने का लक्ष्य भी तय किया गया। हिंद-प्रशांत क्षेत्र में सहयोग को मजबूत करने के लिए मैरीटाइम सिक्योरिटी डायलॉग शुरू करने पर सहमति बनी। न्यूज़ीलैंड ने इंडो-पैसिफिक ओशन्स इनिशिएटिव के तहत समुद्री सुरक्षा को प्राथमिकता देने और अवैध, अनियंत्रित एवं अनियमित मछली पकड़ने पर रोक लगाने के लिए सहयोग बढ़ाने की घोषणा की। वहीं, स्वच्छ ऊर्जा क्षेत्र में न्यूज़ीलैंड ने ग्लोबल बायोफ्यूल्स एलायंस में शामिल होने का ऐलान किया।

क्या अमेरिका से समझौते के तुरंत बाद ही परमाणु हथियार बना रहा था ईरान?

वाशिंगटन,11 जुलाई। अमेरिका और ईरान के बीच गहराते युद्ध के बीच एक बेहद चौंकाने वाली खबर सामने आई है। ताजा सैटेलाइट तस्वीरों ने यह आशंका पैदा कर दी है कि ईरान ने जून के आखिर में अमेरिका के साथ हुए 14-सूत्रीय 'सहमति पत्र' पर दस्तखत करने के चंद दिनों बाद ही उसका उल्लंघन करना शुरू कर दिया था। इस समझौते के तहत तेहरान ने भरोसा दिया था कि वह परमाणु हथियार बनाने की कोशिश नहीं करेगा। 'इंस्टीट्यूट फॉर साइंस एंड इंटरनेशनल सिक्योरिटी' के साथ मिलकर किए गए सैटेलाइट तस्वीरों के विश्लेषण से पता चलता है कि ईरान अपने संदिग्ध परमाणु ठिकानों को फिर से बना रहा है। यह खुलासा ऐसे समय में हुआ है, जब अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने इस युद्धविराम समझौते को "खत्म" घोषित कर चुके हैं और इस हफ्ते की शुरुआत में ईरान पर भीषण बमबारी के आदेश दिए थे। इन तस्वीरों के सामने आने के बाद अब यह बहस तेज हो गई है कि क्या मौजूदा सैन्य टकराव से पहले ही ईरान ने समझौते की पीठ में छुरा घोंप दिया था।

चतुर्भुजी मंदिर की बावड़ी में डूबने से दो बच्चों की मौत

धरसीवां, 11जुलाई। राजधानी रायपुर के धरसीवां के कुंबरगढ़ स्थित प्राचीन चतुर्भुजी मंदिर की प्राचीन बावड़ी में आज एक बड़ा हादसा हुआ है, यहां बावड़ी में डूबने से दो मासूम बच्चों की मौत हो गई। घटना से पूरे इलाके में शोक की लहर है। पुलिस ने शव को अपने कब्जे में लेकर उसे पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। जानकारी के मुताबिक, प्राचीन चतुर्भुजी मंदिर के परिसर में ही यह प्राचीन बावड़ी है। बच्चे इस परिसर में खेलने आते थे। रोजाना की तरह खेलने आए बच्चों में से साक्षी साहू पिता योगेश साहू उम्र 7 वर्ष और श्रवण धीवर पिता भूपेंद्र धीवर उम्र 4 वर्ष खेलते-खेलते अचानक बावड़ी के पानी में उतर गए। पानी 25 से 30 फीट गहरा होने की वजह से दोनों बच्चे डूब गए, जिसके कारण उनकी मौत हो गई। बताया जा रहा है कि प्राचीन काल में राजा कुंबरसिंह के समय उनकी रानी भी इसी बावड़ी में आया करती थी, लेकिन कभी यहां कोई घटना नहीं हुई। पहली बार हुई इस घटना के बाद कुंबरगढ़ में शोक की लहर है और बच्चों की सुरक्षा को लेकर अब बावड़ी के चारों तरफ जाली लगाने की जरूरत है। टी आई राजेंद्र दीवान का इस मामले में कहना है कि पंचनामा के बाद शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिए हैं। इस दुखद घटना के बाद भविष्य में ऐसी घटना न हों इसके लिए भी प्रयास किए जायेंगे।

आर्थिक स्वावलंबन की नई पहचान बन रही है महतारी वंदन योजना : मुख्यमंत्री साय

■ तरुण छत्तीसगढ़

रायपुर 11 जुलाई.मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने आज राजधानी रायपुर स्थित मुख्यमंत्री निवास कार्यालय से महतारी वंदन योजना की 29वीं किश्त जारी करते हुए प्रदेश की 66 लाख से अधिक माताओं-बहनों के बैंक खातों में प्रत्यक्ष लाभ अंतरण (डीबीटी) के माध्यम से 626.25 करोड़ रुपये की राशि अंतरित की। इस अवसर पर महिला एवं बाल विकास मंत्री श्रीमती लक्ष्मी राजवाड़े उपस्थित थीं। मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय ने प्रदेश की माताओं-बहनों को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि महतारी वंदन योजना महिलाओं के सम्मान, आत्मनिर्भरता और आर्थिक स्वावलंबन की नई पहचान बन चुकी है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार महिलाओं की आर्थिक भागीदारी बढ़ाने और उन्हें आत्मनिर्भर बनाने के संकल्प के साथ निरंतर कार्य कर रही है। उन्होंने कहा कि आज की किश्त के साथ योजना के अंतर्गत अब तक 29 किश्तों में कुल 18,805.83 करोड़ रुपये की राशि सीधे महिलाओं के बैंक खातों में अंतरित की जा चुकी है। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि यशस्वी प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देशभर में नारी शक्ति के सशक्तिकरण का जो व्यापक अभियान चल रहा है, छत्तीसगढ़ सरकार उसी संकल्प को पूरी प्रतिबद्धता के साथ धरातल पर उतार रही है। उन्होंने कहा कि प्रदेश के विभिन्न जिलों के प्रवास के दौरान माताएं और बहनें स्वयं उन्हें बताती हैं कि महतारी वंदन योजना से प्राप्त राशि ने उनके जीवन में सकारात्मक बदलाव लाया है। अनेक महिलाओं ने इस राशि से छोटे व्यवसाय शुरू किए हैं, कई ने सिलाई-कढ़ाई एवं स्वरोजगार अपनाया है, जबकि बड़ी संख्या में परिवारों ने बच्चों की शिक्षा, स्वास्थ्य और दैनिक आवश्यकताओं की पूर्ति में इसका उपयोग किया है। उन्होंने कहा कि महिलाओं के ये अनुभव इस योजना की वास्तविक सफलता और उसके दूरगामी सामाजिक प्रभाव के प्रमाण हैं। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि राज्य सरकार महतारी वंदन योजना के साथ-साथ 'लखपति दीदी' जैसी विभिन्न योजनाओं के माध्यम से भी महिलाओं की आय बढ़ाने, उन्हें आर्थिक रूप से सशक्त बनाने और आत्मनिर्भरता की दिशा में आगे बढ़ाने के लिए लगातार कार्य कर रही है। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि ई-केवाईसी की प्रक्रिया शीघ्र पूर्ण कर शत-प्रतिशत पात्र महिलाओं तक योजना का लाभ सुनिश्चित किया जाए। विशेष रूप से बस्तर संभाग में इस कार्य को प्राथमिकता के साथ पूरा करने के निर्देश भी दिए।

अकेली पड़ीं ममता बनर्जी, बागी गुट में जाने को तैयार बेहद करीबी नेता

कोलकाता,11 जुलाई। ममता बनर्जी के करीबी अनुब्रत मंडल जल्द रितब्रत बनर्जी के बागी गुट में शामिल हो सकते हैं। बागी विधायकों ने उनसे 30 बार बात होने का दावा किया है। गुट टीएमसी के सिंबल पर दावा ठोकने की तैयारी में है। पश्चिम बंगाल की राजनीति में चल रही उथल-पुथल के बीच एक बड़ी खबर सामने आ रही है। पूर्व मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के बेहद करीबी माने जाने वाले बीरभूम के कद्दावर नेता अनुब्रत मंडल अब रितब्रत बनर्जी के नेतृत्व वाले बागी गुट में शामिल हो सकते हैं। शुक्रवार को बागी गुट के विधायकों ने खुद इसके स्पष्ट संकेत दिए हैं। ईएम बाईपास स्थित एक निजी होटल में बागी गुट की राष्ट्रीय कार्य समिति की दो दिवसीय बैठक आयोजित की जा रही है। बैठक के पहले दिन पत्रकारों से बात करते हुए रितब्रत बनर्जी ने एक बड़ा दावा किया। उन्होंने कहा, "4 मई से मेरी अनुब्रत मंडल के साथ कम से कम 30 बार बातचीत हो चुकी है।" वहीं, एक अन्य बागी विधायक अक्रूज्जमान ने भी सस्पेंस बढ़ाते हुए कहा, "बस एक दिन और

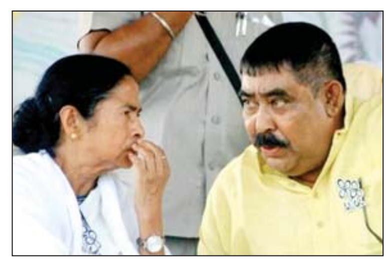

इंतजार कीजिए, सब कुछ साफ हो जाएगा।" दूसरी तरफ, जब इस बारे में खुद अनुब्रत मंडल से पूछा गया तो उन्होंने मीडिया के सवालों का जवाब देने से साफ इनकार कर दिया। ममता बनर्जी के पुराने और भरोसेमंद सहयोगी रहे अनुब्रत मंडल 4 मई को आए नतीजों के बाद से ही अपने राजनीतिक भविष्य को लेकर चुप्पी साधे हुए हैं। उनकी इस खामोशी के बीच बीरभूम के कई प्रमुख विधायक, जिनमें पूर्व मंत्री चंद्रनाथ सिन्हा और काजल शेख जैसे बड़े नाम शामिल हैं, पहले ही पाला बदलकर बागी गुट में शामिल हो चुके हैं। बता दें कि कथित गो-तस्करी मामले में अनुब्रत मंडल ने 25 महीने जेल में बिताए थे, जिसके बाद सितंबर 2024 में उन्हें जमानत पर रिहा कर दिया गया था। बागी गुट के सूत्रों का कहना है कि अनुब्रत मंडल शनिवार को आधिकारिक तौर पर रितब्रत कैंप का हिस्सा बन सकते हैं। चर्चा यह भी है कि गुट में शामिल होने के बाद उन्हें जिला अध्यक्ष पद की अहम जिम्मेदारी सौंपी जा सकती है। इन सियासी हलचलों के बीच, बागी गुट तृणमूल पार्टी के नाम और उसके चुनाव चिह्न (सिंबल) पर अपना दावा ठोकने की पूरी तैयारी कर रहा है।

16 साल बाद स्पेन की सेमीफाइनल में एंट्री

वाशिंगटन,11 जुलाई। फीफा फुटबॉल वर्ल्ड कप 2026 का रोमांच चरम पर है. फ्रांस के बाद 2010 की चैंपियन स्पेन ने इतिहास रचते हुए सेमीफाइनल में एंट्री मार ली है. लॉस एंजिल्स स्टेडियम में शुक्रवार रात खेले गए दूसरे क्वार्टर फाइनल के रोमांचक मुकबाले में स्पेन ने बेल्जियम को 2-1 से करारी शिकस्त दी. अब 14 जुलाई को फ्रांस के साथ भिड़ेगी. मैच के पहले हाफ में दोनों टीमों के बीच जबरदस्त मुकाबला देखने को मिला. शुरुआत से ही स्पेन ने आक्रामक खेल दिखाया और 30वें मिनट में बढ़त हासिल कर ली. युवा स्टार लैमिन यामल के शानदार रन के बाद पेड्रो पोरो ने बॉक्स में लो क्रॉस दिया. बेल्जियम के गोलकीपर थिबॉट कोर्टुआ ने पहले डैनी ओल्मो का शॉट शानदार तरीके से रोक दिया, लेकिन रिबाउंड पर फैबियन रुइज ने कोई गलती नहीं की और गेंद को गोलपोस्ट में पहुंचाकर स्पेन को 1-0 की बढ़त दिला दी. हालांकि बेल्जियम ने जल्द ही जवाब दिया. 41वें मिनट में टिमोथी कास्टेग्ने के सटीक क्रॉस पर चार्ल्स डी केटेलेयर ने बेहतरीन हेडर लगाकर स्कोर 1-1 से बराबर कर दिया. इस गोल के साथ स्पेन के गोलकीपर उनाई सिमोन की लगातार छह क्लीन शीट का सिलसिला भी टूट गया. वहीं, उनका वर्ल्ड कप में लगातार 650 मिनट तक बिना गोल खाए रहने का रिकॉर्ड भी समाप्त हो गया.

दूसरे हाफ की शुरुआत भी दोनों टीमों ने शानदार अंदाज में की, लेकिन 71वें मिनट में बेल्जियम को बड़ा झटका लगा. स्टार गोलकीपर थिबॉट कोर्टुआ चोटिल होकर मैदान से बाहर चले गए. यह वर्ल्ड कप में उनका 21वां मुकाबला था और इसके साथ ही वह वर्ल्ड कप इतिहास में सबसे ज्यादा मैच खेलने वाले गोलकीपरों की सूची में मैनुअल नोयर (23 मैच) के बाद दूसरे स्थान पर पहुंच गए. उनकी जगह सेने लैमेंस को मैदान पर उतारा गया. इससे पहले मुकाबले से ठीक पहले बेल्जियम के मिडफील्डर यूरी टिलेमान्स भी चोट के कारण बाहर हो गए थे, जिनकी जगह हैंस

मिठाई दुकान में आग का तांडव

तखतपुर,11 जुलाई। तखतपुर के प्रसिद्ध श्री गणेश कॉफी एंड स्वीट्स में भीषण आग लगने से लाखों रुपये का सामान जलकर राख हो गया. आग इतनी तेजी से फैली कि देखते ही देखते पूरे होटल को अपनी चपेट में ले लिया. स्थानीय लोगों ने अपने स्तर पर आग बुझाने का प्रयास किया, लेकिन लपटों पर काबू नहीं पाया जा सका. प्रारंभिक जांच में आग लगने की वजह शॉर्ट सर्किट मानी जा रही है. घटना का सबसे चिंताजनक पहलू यह रहा कि जब तक फायर ब्रिगेड की गाड़ी मौके पर पहुंची, तब तक आग सब कुछ तबाह कर चुकी थी.

राम मंदिर की हुंडियों से कितनी रकम उड़ी ?

अयोध्या,11 जुलाई। राम मंदिर की हुंडियों यानी दानपात्रों से चोरी की गई रकम का सटीक आंकड़ा जुटा पाना न सिर्फ मुश्किल है, बल्कि लगभग नामुमकिन है। राम मंदिर दान चोरी मामले के जानकार सूत्रों ने बताया है कि गिरफ्तार किए गए आठ आरोपियों में से कम से कम चार ऐसे हैं, जो काफी पहले से राम मंदिर में काम कर रहे थे। ये तब से वहां मौजूद थे, जब भारतीय स्टेट बैंक (SBI) द्वारा कैश मैनेजमेंट के लिए हायर की गई प्राइवेट एजेंसी 'सैनिक सिक्योरिटी सर्विसेज' की एंट्री भी नहीं हुई थी। जिन चार मुख्य आरोपियों ने दान के पैसों के गबन में सीधी भूमिका निभाई, उनमें अविनाश शुक्ला, अनुकल्प मिश्रा, लवकुश मिश्रा और करुणेश पांडे शामिल हैं। जब महाकुंभ 2025 के दौरान राम मंदिर की हुंडियों में अतिरिक्त पैसा आने लगा, तब एसबीआई

के पास काम के लिए तुरंत मैनपावर उपलब्ध नहीं थी। इसके बाद राम मंदिर ट्रस्ट के अधिकारियों ने उन वालंटियर्स की पहचान शुरू की, जिन्होंने अतीत में अहम कार्यक्रमों के दौरान अच्छा काम किया था। इसी दौरान इन चारों को कई अन्य वालंटियर्स के साथ काम पर रखा गया था। खबर के मुताबिक, आरोपी अनुकल्प मिश्रा मंदिर के शिखर पर ध्वजारोहण, पहली और दूसरी वर्षगांठ के समारोहों और दीपोत्सव जैसे प्रमुख आयोजनों में शामिल था। समय के साथ वह अहम बैठकों का नियमित चेहरा बन गया और उसने चंपत राय व अनिल मिश्रा का भरोसा जीत लिया। इसी का फायदा उठाकर अनुकल्प ने अपने जानकारों की पहचान ट्रस्ट के पदाधिकारियों से कराई। नकद गिनने का काम बांटे जाने से काफी पहले ही उसने इनकी नियुक्ति करवा दी थी। दशकों से भगवा संगठनों से जुड़े होने के चलते, ट्रस्ट के पदाधिकारियों ने भी एक अनुमान के आधार पर इन वालंटियर्स को नकदी गिनने की जिम्मेदारी सौंप दी थी।

दतिया में बवाल के बीच नरोत्तम मिश्रा ने तोड़ी चुप्पी

भोपाल,11 जुलाई। मध्य प्रदेश के पूर्व गृह मंत्री और बीजेपी नेता नरोत्तम मिश्रा के समर्थकों ने शुक्रवार और शनिवार को विरोध प्रदर्शन किया। यह विरोध सत्ताधारी पार्टी के उस फ़ैसले के ख़िलाफ़ था जिसमें दतिया विधानसभा उपचुनाव के लिए मिश्रा की जगह आशुतोष तिवारी को उम्मीदवार बनाने का निर्णय लिया गया था। मिश्रा ने 2023 में इसी सीट से चुनाव लड़ा था और हार गए थे। कांग्रेस नेता राजेंद्र भारती ने 2023 के विधानसभा चुनावों में मिश्रा को 7,500 से ज़्यादा वोटों से हराया था; मिश्रा उस समय राज्य के गृह मंत्री थे। दतिया में, राज्य के पूर्व गृह मंत्री नरोत्तम मिश्रा के समर्थकों ने पुलिस पर पथराव किया। वे इस बात का विरोध कर रहे थे कि बीजेपी ने उन्हें आगामी विधानसभा उपचुनाव के लिए टिकट नहीं दिया। इस घटना में लोगों के घायल होने की खबर है। कल रात उनके हज़ारों समर्थकों ने NH-44 को जाम कर दिया, जिससे गाड़ियों की लंबी कतारें लग गईं और ट्रैफ़िक पूरी तरह ठप हो गया। विवादों के बीच आज नरोत्तम मिश्रा डबरा में अपने आवास से निकले। पूरे बवाल पर चुप्पी तोड़ते हुए बीजेपी नेता नरोत्तम मिश्रा ने कहा कि यह पार्टी का फ़ैसला है। मैं पार्टी के सभी कार्यकर्ताओं से अपील करता हूँ - खासकर सोशल मीडिया पर कार्यकर्ताओं को पेट्रोल या केरोसिन डालते हुए वीडियो देखने के बाद - कि वे ऐसी हरकतें न करें। पार्टी के मंच पर विचार सही तरीके से रखे जाते हैं। उन्हें इस तरह से नहीं जताया जाता। सूत्रों के हवाले से बताया कि उपचुनाव के लिए तिवारी को उम्मीदवार बनाने के फ़ैसले से मिश्रा को बहुत निराशा हुई, क्योंकि उन्हें उम्मीद थी कि उन्हें ही उम्मीदवार चुना जाएगा और उन्होंने नॉमिनेशन फ़ॉर्म भी खरीद लिया था। प्रदर्शनकारियों ने लगभग 12 घंटे तक NH-44 को जाम रखा, जिसमें दतिया के पुलिस अधीक्षक और कई अन्य पुलिसकर्मी घायल हो गए.

शक्ति, मजबूती और अटल संकल्प...नौसेना में शामिल हुआ महाविनाशक INS महेंद्रगिरी

नई दिल्ली,11जुलाई। भारतीय नौसेना विशाखापत्तनम में स्टील्थ फ्रिगेट आईएनएस महेंद्रगिरि को कमीशन किया। यह जहाज़ प्रोजेक्ट 17ए नीलगिरि क्लास फ्रिगेट्स में छठा है और एक महीने से भी कम समय में कमीशन होने वाला चौथा नया नौसैनिक जहाज़ है। 21 जून को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने स्टील्थ फ्रिगेट आईएनएस दूनागिरी, सर्वे वेसल आईएनएस संशोधक और एएसडब्लू शैलो-वॉटर क्राफ्ट आईएनएस अग्रय को कमीशन किया था। ये शामिल किए गए जहाज़ नौसेना की ज़बरदस्त खरीद प्रक्रिया को दिखाते हैं, जिसमें औसतन हर 40 दिन में एक नया जहाज़ शामिल किया जा रहा है। पिछले साल एक दर्जन से ज़्यादा नौसैनिक जहाज़ शामिल किए गए थे और इस साल रिकॉर्ड 19 जहाज़ों को शामिल करने का लक्ष्य है। विदेश में बना आखिरी युद्धपोत, आईएनएस तमाल, पिछले साल रूस में कमीशन किया गया था। नौसेना का लक्ष्य 2035 तक 200 युद्धपोतों वाली नौसेना बनाना है, और ये सभी भारतीय शिपयार्ड में ही बनाए जाएंगे। 140 जहाजों वाली भारतीय नौसेना के लिए अभी 50 से ज़्यादा प्लेटफॉर्म बन रहे हैं। इनमें दो न्यूक्लियर-पावर्ड बैलिस्टिक मिसाइल सबमरीन, दो न्यूक्लियर-पावर्ड अटैक सबमरीन , पांच फ्लीट सपोर्ट शिप और एक दर्जन से ज़्यादा कार्वेट और सपोर्ट वेसल शामिल हैं। लेकिन कई जहाजों को शामिल करने की खुशी के बीच एक चिंता की बात भी है। कम से

कम 50 युद्धपोत अभी भी डिज़ाइन और मंज़ूरी के चरणों में अटके हुए हैं। इसका मतलब है कि नए प्लेटफॉर्म के लिए स्टील काटने (यानी निर्माण शुरू होने) में कुछ साल लगेंगे और उन्हें नौसेना में शामिल होने में कई और साल लग जाएंगे। प्रक्रिया में देरी समस्या का सिर्फ़ एक हिस्सा है। भले ही फ़ैसले लेने की रफ़्तार बढ़ाई जाए और बजट बढ़ाया जाए, फिर भी भारत के डिफेंस शिपबिल्डिंग सेक्टर में रुकावटों की वजह से समय पर डिलीवरी नहीं हो पाएगी। 90% से ज़्यादा युद्धपोत और पनडुब्बियां छह पीएसयू शिपयार्ड बनाते हैं - मज़गाँव डॉक्स लिमिटेड, गोवा शिपयार्ड लिमिटेड, गार्डन रीच शिपबिल्डर्स एंड इंजीनियर्स, कोचीन शिपयार्ड लिमिटेड और हिंदुस्तान शिपयार्ड लिमिटेड । इन शिपयार्ड में सिस्टम से जुड़ी समस्याओं को दशकों से हल नहीं किया गया है—सालों से इन शिपयार्ड को आधुनिक नहीं बनाया गया है, जिसके कारण निर्माण की गति धीमी रही है और लागत भी बढ़ गई है। समाजवादी भारत के समय की तरह ही, युद्धपोतों के निर्माण के लिए नामित शिपयार्ड आज भी उसी तरह काम कर रहे हैं, जिसका अर्थ है कि अनुबंध बिना किसी प्रतिस्पर्धा के दिए जाते हैं। प्रतिस्पर्धी बोली न होने के कारण, कीमतों का निर्धारण नहीं हो पाता और लागत में वृद्धि होना आम बात है। इन सभी लागतों का वहन सरकार करती है। शिपयार्ड आधुनिक हल ब्लॉक निर्माण विधि (एचबीसीएम) का उपयोग नहीं करते हैं, जिसमें जहाज को कई पूर्वनिर्मित मॉड्यूलर खंडों में बनाया जाता है, जिनका निर्माण, साज-सज्जा और रंगाई अंतिम संयोजन से पहले एक साथ की जाती है। मॉड्यूलर निर्माण से कमीशनिंग का समय काफी कम हो जाता है और लागत भी घटती है, लेकिन एक भी भारतीय रक्षा शिपयार्ड इस तकनीक का उपयोग नहीं करता है।

ग्राम पौड़ी की वर्षों पुरानी आबादी भूमि वक्फ विवाद से मुक्त होने का मार्ग प्रशस्त, ग्रामीणों में हर्ष की लहर

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

कवर्धा, 11 जुलाई। कबीरधाम जिले के सबसे बड़े ग्राम पौड़ी की वर्षों पुरानी आबादी भूमि से जुड़ी समस्या के समाधान की दिशा में ऐतिहासिक पहल होने से पूरे गांव में खुशी का माहौल है। ग्रामीणों ने प्रदेश के उपमुख्यमंत्री एवं कवर्धा विधायक विजय शर्मा एवं राजनांदगांव लोकसभा क्षेत्र के लोकप्रिय सांसद संतोष पांडे के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि उनके संवेदनशील नेतृत्व, सतत प्रयासों और सकारात्मक पहल से लंबे समय से लंबित इस विवाद के समाधान का मार्ग प्रशस्त हुआ है ।ग्रामीणों के अनुसार, जब छत्तीसगढ़ मध्य प्रदेश का हिस्सा था, तब ग्राम पौड़ी के खसरा क्रमांक 293/1 में मस्जिद हेतु लगभग 2,500 वर्ग फुट भूमि सुरक्षित दर्ज की गई थी। बाद के वर्षों में अभिलेखीय त्रुटियों एवं विवाद के कारण पूरे खसरा क्षेत्र, जो लगभग 7 एकड़ है, पर वक्फ बोर्ड का दावा दर्ज हो गया। इसके परिणामस्वरूप भूमि संबंधी अनेक प्रशासनिक कठिनाइयाँ उत्पन्न हो गईं। जबकि इस भूमि पर लगभग डेढ़ से दो सौ वर्षों से अनेक परिवार निवास कर रहे हैं और शासन द्वारा आबादी पट्टे भी प्रदान किए जा चुके हैं। इसके बावजूद ग्रामीणों को होम लोन, नामांतरण, निर्माण अनुमति तथा अन्य राजस्व संबंधी कार्यों में वर्षों तक कठिनाइयों का सामना करना पड़ा ग्रामीणों ने बताया कि तत्कालीन मंत्री मोहम्मद अकबर के कार्यकाल में खसरा क्रमांक 293/1 की लगभग 7 एकड़ भूमि को वक्फ बोर्ड में शामिल किए जाने के संबंध में एक इश्तिहार जारी किया गया था। इसके बाद पूरे गांव में चिंता और असंतोष का वातावरण बन गया। ग्रामीणों ने बड़ी संख्या में आपत्तियाँ एवं अभ्यावेदन प्रस्तुत करते हुए स्पष्ट किया कि यह भूमि वर्षों से आबादी भूमि है, जहाँ अनेक परिवार पीढ़ियों से निवास कर रहे हैं। लगातार विरोध और आपत्तियों के कारण यह मामला लंबे समय तक विवादित बना रहा। स्थिति में निर्णायक परिवर्तन तब आया जब उपमुख्यमंत्री श्री विजय शर्मा एवं सांसद श्री संतोष पांडे ने इस विषय को गंभीरता से लेते हुए वक्फ बोर्ड के अध्यक्ष डॉ. सलीम राज को ग्राम पोड़ी भेजकर वास्तविक स्थिति का परीक्षण कराया। डॉ. सलीम राज ने स्थल का निरीक्षण किया तथा राजस्व अधिकारियों, जनप्रतिनिधियों और ग्रामीणों से विस्तृत चर्चा कर वस्तुस्थिति की जानकारी प्राप्त की।निरीक्षण के उपरांत आयोजित सभा में उपस्थित मुस्लिम समाज के प्रतिनिधि एवं मुखिया ने पूरे घटनाक्रम पर खेद व्यक्त करते हुए ग्रामीणों से क्षमा याचना की तथा सामाजिक सौहार्द एवं आपसी भाईचारे को बनाए रखने की अपील की। ग्रामवासियों ने भी बड़े दिल का परिचय देते हुए इस सद्भावपूर्ण पहल का स्वागत किया ग्रामीणों ने कहा कि जिस प्रकार उपमुख्यमंत्री विजय शर्मा के नेतृत्व में प्रदेश में अनेक जटिल समस्याओं के समाधान की दिशा में प्रभावी कार्य हुए हैं, उसी प्रकार ग्राम पोड़ी की यह वर्षों पुरानी समस्या भी समाधान की ओर अग्रसर हुई है। ग्रामीणों ने उपमुख्यमंत्री श्री विजय शर्मा, सांसद श्री संतोष पांडे, वक्फ बोर्ड के अध्यक्ष डॉ. सलीम राज, भाजपा जिला अध्यक्ष राजेंद्र चंद्रवंशी उपाध्यक्ष जयराम साहू, जिला पंचायत सदस्य प्रतिनिधि मनीराम साहू, भाजपा महामंत्री अमित वर्मा,सहित इस पूरे अभियान में सहयोग देने वाले सभी जनप्रतिनिधियों, अधिकारियों एवं समाज के प्रबुद्धजनों के प्रति आभार व्यक्त किया इस पूरे अभियान में भाजपा जिला उपाध्यक्ष एवं माँ शीतला मंदिर समिति के अध्यक्ष जयराम साहू, ग्राम पोड़ी के वरिष्ठ सामाजिक कार्यकर्ता रामअवतार निषाद, भाजपा महामंत्री अमित वर्मा , रामबिलास चंद्रवंशी,तथा समस्त ग्रामवासियों का उल्लेखनीय सहयोग रहा। ग्रामवासियों ने इस जनहित के कार्य में सहयोग करने वाले प्रत्येक व्यक्ति के प्रति कृतज्ञता ज्ञापित की।ग्रामीणों ने शासन-प्रशासन से मांग की है कि आवश्यक राजस्व एवं विधिक प्रक्रियाएँ शीघ्र पूर्ण कर आबादी भूमि से संबंधित सभी शेष प्रतिबंध समाप्त किए जाएँ तथा वर्षों से निवासरत परिवारों के अधिकारों को विधिसम्मत रूप से सुरक्षित किया जाए, ताकि भविष्य में किसी भी नागरिक को अपनी पैतृक भूमि के संबंध में भय, असुरक्षा अथवा किसी प्रकार की प्रशासनिक कठिनाई का सामना न करना पड़े।ग्राम पौड़ी के नागरिकों ने विश्वास व्यक्त किया कि यह निर्णय केवल भूमि विवाद के समाधान तक सीमित नहीं है, बल्कि सामाजिक समरसता, न्याय, जनविश्वास और प्रशासन के प्रति लोगों के भरोसे को सुदृढ़ करने की दिशा में भी एक महत्वपूर्ण एवं ऐतिहासिक कदम सिद्ध होगा।

कांवर यात्रा महोत्सव की तैयारियां प्रारंभ

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

उतई, 11 जुलाई। बोल बम कांवर यात्रा समिति, पाटन द्वारा प्रतिवर्ष की भांति इस वर्ष भी भव्य एवं विशाल कांवर यात्रा महोत्सव का आयोजन किया जाएगा। इस धार्मिक आयोजन को लेकर तैयारियां प्रारंभ कर दी गई हैं। यात्रा को सुव्यवस्थित, भव्य एवं श्रद्धामय स्वरूप प्रदान करने के उद्देश्य से समिति की एक महत्वपूर्ण बैठक शनिवार, 11 जुलाई 2026 को दोप. 3ः00 बजे रेस्ट हाउस, पाटन में आयोजित की जाएगी।

समिति के संयोजक श्री जितेन्द्र वर्मा ने बताया कि कांवर यात्रा केवल एक धार्मिक आयोजन बस नहीं है यह सनातन संस्कृति, आस्था, अनुशासन, सेवा और सामाजिक समरसता का प्रतीक है। प्रत्येक वर्ष हजारों शिवभक्त ÷बोल बम÷ के जयघोष के साथ भगवान भोलेनाथ का जलाभिषेक करने के लिए कांवर यात्रा में सम्मिलित होते हैं। इसी परंपरा को आगे बढ़ाते हुए इस वर्ष भी यात्रा को पहले से अधिक भव्य और सुव्यवस्थित रूप देने की योजना बनाई जा रही है।

समिति के संयोजक वर्मा जी ने कहा कि बैठक में यात्रा के संपूर्ण आयोजन की रूपरेखा पर विस्तृत चर्चा की जाएगी। यात्रा मार्ग, सुरक्षा व्यवस्था, चिकित्सा सहायता, पेयजल एवं भोजन व्यवस्था, विश्राम स्थल, यातायात समन्वय, स्वच्छता, अनुशासन, प्रचार-प्रसार एवं अन्य आवश्यक व्यवस्थाओं को अंतिम रूप देने के लिए सभी पदाधिकारियों एवं शिवभक्तों के सुझाव लिए जाएंगे।समिति के संयोजक वर्मा ने पाटन क्षेत्र के सभी सामाजिक, धार्मिक एवं सांस्कृतिक संगठनों, युवा मंडलों, महिला समूहों, जनप्रतिनिधियों, व्यापारी बंधुओं, स्वयंसेवकों एवं भगवान शिव के सभी श्रद्धालुओं से आग्रह किया कि वे बैठक में अनिवार्य रूप से उपस्थित होकर अपने सुझाव दें एवं आयोजन को सफल बनाने में सक्रिय भूमिका निभाने का आह्वान किया।आगे उन्होंने कहा कि यह आयोजन किसी एक व्यक्ति या समिति का नहीं, बल्कि पूरे क्षेत्र की आस्था और सहभागिता का उत्सव है।

एक नजर

जवान के खिलाफ पत्नी ने शिकायत की

भिलाई, 11 जुलाई (तछसं.)। सेवानिवृत्त भारतीय सेना के जवान के खिलाफ उसकी पत्नी ने दहेज प्रताड़ना, घरेलू हिंसा, मारपीट, जान से मारने की धमकी आदि का आरोप लगाते हुए महिला थाना में शिकायत दर्ज कराई है। जवान की पत्नी ने अपने पति, सास, ननंद और सौतेले बेटे के खिलाफ घरेलू हिंसा सहित कई आरोप लगाए हैं महिला थाने पुलिस ने बताया कि पीड़िता निक्की पासवान 24 वर्ष का विवाह 21 अक्टूबर 2021 को सेक्टर - 6 स्थित आर्य समाज मंदिर में मूलचंद सरवा के साथ हुआ था। पति राजस्थान के नागौर जिले का निवासी है और भारतीय सेना से सेवानिवृत है दोनों का एक छोटा बेटा भी है। पुलिस ने बताया कि शुरुआत के 2 वर्ष तक सब कुछ सामान्य रहा लेकिन बेटे के जन्म के बाद पति, सास गीता बाई, ननंद ललिता और पति की पहली पत्नी के बेटे मनीष सरवा का व्यवहार बदल गया था महिला ने शिकायत मे बताया कि ससुराल पक्ष से दहेज में कुछ नहीं लाने की बात कहकर ताने देते रहते थे और मायके से नगदी रकम लाने का दबाव देते थे उसका पति चरित्रहीन होने का आरोप लगाकर प्रताड़ित करते रहता था। काउंसलिंग में भी वह नहीं पहुंचा और तलाक का नोटिस भेज दिया था उसका पति बच्चे और पीड़िता को अपने पास रखने से इनकार कर दिया था लगातार वह जान से मारने की धमकी भी देते रहता था पीड़िता ने आरोप लगाया कि उसका सौतेला बेटा भी उसके साथ छेड़छाड़ करता था, यह जानकारी अपने पति को देने के बाद भी वह कोई विरोध नहीं करता था ।

हत्या का प्रयास,दो युवक गिरफ्तार

भिलाई, 11 जुलाई (तछसं.)। भिलाई पुरानी रंजिश के चलते हत्या के प्रयास के मामले में पुलिस ने दो युवकों को गिरफ्तार किया है भिलाई नगर टीआई जितेन्द्र वर्मा ने बताया कि खुर्सीपार निवासी योगेश सूर्यवंशी सेक्टर-6 स्थित पेट्रोल पंप से बाइक पर पेट्रोल भराकर रिसाली डीपीएस चौक निकल रहा था इस दौरान बाइक से पीछे से आकर बेसबॉल डंडे से पीड़ित पर वार कर आरोपी मौके से फरार हो गए थे। घटना की शिकायत के बाद पुलिस ने फरार आरोपियों की खोजबीन की गई मुखबिर की सूचना पर पुलिस ने हरिश यादव, अमन मूर्ति को पकड़ा गया आरोपी फरार है ।

आपसी रंजिश के चलते हमला,दो गिरफ्तार

भिलाई, 11 जुलाई (तछसं.)। भिलाई

जामुल थाना क्षेत्र के रंजिश के चलते धारदार हथियार से हमला कर मारपीट करने वाले दो युवकों को पुलिस ने गिरफ्तार किया है जामुल टीआई रामेंद्र सिंह ने बताया कि शिवपुरी जामुल स्थित ग्राउंड में रंजिश को लेकर शिवपुरी जामुल निवासी शेष नारायण के साथ वार्ड 17 शिवपुरी निवासी गणेश सिन्हा, सोमेश राज साहू गाली गलौज कर मारपीट कर दिया पीड़ित से विवाद के दौरान सोमेश ने ब्लेड और गणेश ने हाथ में पहने कड़े से वार कर दिया घटना में पीड़ित के शरीर पर कई जगह चोट आई है शिकायत के बाद पुलिस ने दोनों युवकों को जामुल से गिरफ्तार किया गया। मामले में पुलिस की जांच जारी है

नशीले टेबलेट सहित युवक गिरफ्तार

भिलाई, 11 जुलाई (तछसं.)। भिलाई

नशीली टेबलेट के साथ पुलिस ने एक युवक को गिरफ्तार किया है आरोपी के पास से 150 पुलिस ने अल्फाजोलम, नगद रकम जब्त किया गया है मोहन नगर पुलिस ने बताया कि मुखबिर की सूचना पर धमधा रोड सब्जी मंडी से ग्रीन चौक निवासी राहुल गाडा को पकड़ा गया उसके पास से पुलिस 10 स्ट्रीप में 150 नग अल्फाजोलम टेबलेट, अनुमानित मूल्य 60 हजार रुपए और नगद 920 रुपए जब्त किया ।

भाजपा सैनिक प्रकोष्ठ की नई कार्यसमिति एवं मंडल संयोजकघोषित,तुलसी जिला संयोजक

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

भिलाई, 11 जुलाई। भाजपा सैनिक प्रकोष्ठ, जिला भिलाई की जिला कार्यसमिति एवं मंडल संयोजकों की घोषणा की गई है। घोषित कार्यकारिणी में बी. तुलसी राव को जिला संयोजक नियुक्त किया गया है। वहीं रमेश सिंह एवं आर.के. साहू को सहसंयोजक, जयराम शर्मा को कोषाध्यक्ष तथा लखन साहू को सह-कोषाध्यक्ष की जिम्मेदारी सौंपी गई है।

मीडिया प्रबंधन के लिए हेम प्रसाद, आमोद कुमार सिंह एवं पंकज कुमार साहू को मीडिया प्रभारी बनाया गया है, जबकि राजेश कुमार को सोशल मीडिया प्रभारी नियुक्त किया गया है। सत्यनारायण दास एवं नरेंद्र सिंह को सह मीडिया प्रभारी तथा बी. शेखर राव को कार्यालय प्रभारी बनाया गया है। पी.डी. राव एवं बिनेश्वर राव को सह कार्यालय प्रभारी का दायित्व सौंपा गया है। इसके साथ ही हरभजन सिंह, टी.एस. राजेश, सुरेश कुमार वर्मा, अमित सिंह, चंद्रभूषण सिंह, महेंद्र सिंह, डी.के. चौहान, एस.के. विश्वकर्मा, संजय साहू, केशव यादव, अनिल तिवारी, अजय राज, देवेंद्र देशमुख, अजय गुप्ता, गोकुल प्रसाद देवांगन, जी.बी. राव सहित अनेक वरिष्ठ एवं सक्रिय कार्यकर्ताओं को जिला कार्यकारिणी में शामिल किया गया है। प्रकोष्ठ द्वारा विभिन्न मंडलों के संयोजकों एवं सहसंयोजकों की भी घोषणा की गई है। खुर्सीपार मंडल में चन्द्रशेखर सिंह को संयोजक एवं सोनू कुमार परमार को सहसंयोजक नियुक्त किया गया है। इसी प्रकार पूर्व मंडल में संजय मिश्रा, पश्चिम मंडल में एम. ईश्वर राव, सुपेला मंडल में अनिल सिंह, वैशाली नगर मंडल में राजकुमार चौधरी, कैम्प मंडल में राजेश चौधरी, जामुल मंडल में देव कुमार सिंह, भिलाई-3 मंडल में अमरजीत सिंह, चरोदा मंडल में के.वी. राव, शीतला मंडल में शीतल साहू, जेवरा-सिरसा मंडल में बसंत बिसोई तथा कोहका मंडल में डोमनलाल साहू को मंडल संयोजक की जिम्मेदारी सौंपी गई है।

डॉ. खूबचंद बघेल, कृषक रत्न पुरस्कार हेतु आवेदन करने की अंतिम तिथि 31 जुलाई

दुर्ग, 11 जुलाई । छत्तीसगढ़ शासन द्वारा कृषि क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने वाले कृषकों का प्रोत्साहित करने एवं सम्मानित करने के उद्देश्य से प्रतिवर्ष डॉ. खूबचंद बघेल, कृषक रत्न पुरस्कार प्रदान किया जाता है। इस वर्ष 2026 का पुरस्कार वितरण राज्य स्थापना दिवस, 01 नवम्बर 2026 को आयोजित होने वाले मुख्य समारोह में किया जाएगा। इस संबंध में कृषकों से आवेदन आमंत्रित किए गए हैं, जिसकी अंतिम तिथि 31 जुलाई 2026 निर्धारित की गई है। संयुक्त संचालक कृषि से प्राप्त जानकारी अनुसार इच्छुक कृषक जो खेती में नवाचार, जैविक कृषि, उत्पादन में वृद्धि, कृषि यांत्रिकीकरण या जल संरक्षण जैसे क्षेत्रों में उल्लेखनीय योगदान दे रहे हैं।

भाजपा आर्थिक प्रकोष्ठ की नवीन कार्यकारिणी घोषित

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

भिलाई, 11 जुलाई। भारतीय जनता पार्टी के संगठनात्मक ढांचे को और अधिक सुदृढ़ बनाने की दिशा में भाजपा भिलाई जिला आर्थिक प्रकोष्ठ की नवीन कार्यकारिणी की घोषणा कर दी गई है। घोषित कार्यकारिणी के अनुसार प्रदीप खंडेलवाल एवं मुकेश अग्रवाल को सह-संयोजक की महत्वपूर्ण जिम्मेदारी सौंपी गई है। वहीं संगठनात्मक गतिविधियों के सुचारू संचालन एवं समन्वय के लिए नवीन वरन्दानी को जिला कार्यालय प्रभारी नियुक्त किया गया है। इन नियुक्तियों के साथ आर्थिक क्षेत्र के विभिन्न वर्गों को प्रतिनिधित्व प्रदान करते हुए 28 सदस्यीय जिला कार्यसमिति का भी गठन किया गया है। जिला संयोजक दिलीप अग्रवाल ने कहा कि नवीन कार्यकारिणी में अनुभवी एवं सक्रिय कार्यकर्ताओं को प्राथमिकता दी गई है, जिससे संगठन की कार्यप्रणाली को और अधिक गति मिल सके। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि नई टीम पार्टी की आर्थिक नीतियों को जन-जन तक पहुंचाने तथा संगठन के प्रति अपनी निष्ठा और समर्पण के साथ कार्य करेगी।

मुख्यमंत्री गृह सम्मान योजना के तहत पूर्ण आवास वाले 76 हितग्राहियों का सम्मान

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

भिलाई, 11 जुलाई। प्रधानमंत्री आवास योजना (शहरी) के बीएलसी घटक अंतर्गत अपना आवास पूर्ण कर चुके हितग्राहियों को मुख्यमंत्री गृह सम्मान योजना के तहत नगर निगम के सभागार कक्ष में आयोजित सम्मान समारोह में सम्मानित किया गया। इस अवसर पर पात्र हितग्राहियों को उनके नए आवास के लिए शुभकामनाएं देते हुए सम्मान प्रदान किया गया। आयुक्त राजीव कुमार पाण्डेय के निर्देशानुसार प्रधानमंत्री आवास योजना (शहरी) 2.0 के अंतर्गत 76 हितग्राहियों के लिए मुख्यमंत्री गृह प्रवेश सम्मान योजना कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में हितग्राहियों को उनके आवास निर्माण पूर्ण होने पर कार्य पूर्ण प्रमाण पत्र प्रदान किया गया। इस अवसर पर नेता प्रतिपक्ष भोजराज सिन्हा, सांसद प्रतिनिधि प्रमोद सिंह, एमआईसी सदस्य चंद्रशेखर गवई, उपायुक्त डी.के. कोसरिया, प्रधानमंत्री आवास योजना के नोडल अधिकारी अजीत कुमार तिग्गा, कार्यपालन अभियंता कुलदीप गुप्ता, पार्षद प्रदीप सेन, सहायक अभियंता नितेश मेश्राम, उप अभियंता दीपक देवांगन, सामाजिक विशेषज्ञ किरण चतुर्वेदी, इंजीनियर आदित्य ठाकुर, कुणाल सिंह, अभिषेक बजाज, वास्तुविद अविनाश जैन, मनीष यादव सहित सर्वेयर दल के सदस्य उपस्थित रहे। कार्यक्रम के उपरांत पर्यावरण संरक्षण एवं हरित भिलाई के संकल्प को आगे बढ़ाते हुए कोसा नाला स्थित बौद्ध भूमि परिसर में पौधरोपण भी किया गया।

यातायात व्यवस्था में सुधार एवं कारगर पहल से सड़क दुर्घटना में आई कमी

दुर्ग, 11 जुलाई । जिले में प्रति माह आयोजित जिला स्तरीय सड़क सुरक्षा समिति की बैठक में वाहन दुर्घटना की रोकथाम हेतु सौंपें गये दायित्वों एवं किये जा रहे उपायों की लगातार समीक्षा से विगत कुछ माह से सड़क दुर्घटनाओं में कमी आई है। इसका सुखद परिणाम जिले में वाहन दुर्घटना से होने वाली मृत्यु दर कम हुई है। आज जिला कार्यालय के सभाकक्ष में कलेक्टर अभिजीत सिंह की अध्यक्षता में जिला स्तरीय सड़क सुरक्षा समिति की बैठक आयोजित की गई। बैठक में वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक विजय अग्रवाल भी सम्मिलित हुए। कलेक्टर एवं एसएसपी ने संयुक्त रूप से बैठक की एजेंडावार विभागों को सौंपे गये दायित्वों की समीक्षा की और आवश्यक दिशा.निर्देश दिये। बैठक के प्रारंभ में विगत बैठक की पालन प्रतिवेदन में चर्चा की गई। जिसमें एनएचएआईए लोक निर्माण विभाग राष्ट्रीय राजमार्ग संभाग,लोक निर्माण विभाग भध्सए लोक निर्माण विभाग दुर्ग विण्ध्यांण्ए भिलाई इस्पात संयंत्रए नगर पालिक निगम दुर्गए नगर पालिक निगम भिलाई नगर पालिक निगम चरौदा भिलाई नगर पालिका कुम्हारीए आबकारी विभागए कार्यपालन अभियंता सीएसपीडीसीएल, जिला परिवहन विभागए राजस्व विभागए पीएमजीएसवायए रेलवे विभागए कार्यपालन अभियंता सेतु संभाग ;लोण्निण्विण् दुर्गद्ध के अधिकारियों ने स?क सुरक्षा एवं वाहन दुर्घटनाओं की रोकथाम हेतु विभाग को सौंपे गये दायित्वों के अद्यतन प्रगति एवं शासन को प्रस्तावित कार्यों के संबंध में अवगत कराया गया। जिला प्रशासन द्वारा स?क दुर्घटना की रोकथाम हेतु किये गये प्रयास के तहत विभागों द्वारा चिन्हित स्थानों पर हाई.मॉस्क लाईट क्रश बैरियर रम्बल स्ट्रीटए पास कटिंग प्रारंभ एवं बंद करनेए डिवाइडर कटिंग बंद करनेए डिवाइडर निर्माणए सांकेतिक बोर्ड लगानेए सर्विस लेन निर्माणए प्रकाश व्यवस्था रेडियम स्टीकर लगाने बोर्ड मार्किंगए मुख्य मार्ग से शराब दुकान हटानेए दुकानों में गॉड की तैनाती एवं वाहन पार्किंग की व्यवस्थाए अण्डरब्रिजों की सफाई व्यवस्था आदि बेहतर कार्य किये गये। अधिकारियों को सौंपे गये दायित्वों की कार्यवाही पूर्णता पश्चात् समिति को प्रतिवेदन प्रस्तुत करने के निर्देश दिये गये। नगर निगमए पुलिस और राजस्व विभाग के अधिकारियों को सड़कों से अतिक्रमण हटाने नियमित कार्यवाही करने निर्देशित किया गया। यातायात प्रभारी एएसपी ऋचा शर्मा ने पावर पाइंट प्रेजेंटेशन के माध्यम से चौक.चौराहों एवं सड़कों में आवश्यक सुधार हेतु अधिकारियों का ध्यान आकृष्ट किया।

कचहरी वार्ड में 24.98 लाख के नाली एवं पुलिया निर्माण कार्य का भूमिपूजन

दुर्ग, 11 जुलाई। नगर पालिक निगम सीमा क्षेत्र अंतर्गत वार्ड क्रमांक 39 कचहरी वार्ड में नागरिकों को बेहतर मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध कराने के उद्देश्य से आज आरसीसी नाली एवं पुलिया निर्माण कार्य का विधिवत भूमिपूजन किया गया। उक्त विकास कार्य की लागत राशि 24.98 लाख रुपये है।भूमिपूजन कार्यक्रम के अंतर्गत बुद्धेश्वर मंदिर से देवांगन दुकान तक, अमन खोटे के घर से लोकनाथ साहू के घर तक तथा रामाधार निर्मलकर के घर से अश्वनी चौधरी के घर तक आरसीसी नाली एवं पुलिया निर्माण कार्य कराया जाएगा। निर्माण कार्य पूर्ण होने से क्षेत्र में जल निकासी व्यवस्था बेहतर होगी तथा बारिश के दौरान होने वाली जलभराव की समस्या से नागरिकों को राहत मिलेगी। इस अवसर पर महापौर अलका बाघमार ने लोक कर्म प्रभारी देव नारायण चन्द्राकर एवं एमआईसी सदस्य शेखर चन्द्राकर, शिव नायक,ज्ञानेश्वर ताम्रकर, मनीष साहू, काशीराम कोसरे, शशि साहू,रंजीता पाटिल, सविता साहू, जितेंद्र ताम्रकर, सहायक अभियंता सुरेश केवलानी, उपअभियंता मोहित मरकाम सहित बड़ी संख्या में वार्ड नागरिक की उपस्थित में भूमिपूजन कर कहा कि नगर निगम द्वारा शहर के प्रत्येक वार्ड में आवश्यकतानुसार विकास कार्यों को प्राथमिकता के आधार पर कराया जा रहा है।

पावर प्लांट सुरक्षा पर तीन दिवसीय प्रशिक्षण

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

भिलाई, 11 जुलाई। सेल-भिलाई इस्पात संयंत्र में कार्यस्थल पर सुरक्षा संस्कृति को सुदृढ़ बनाने और परिचालन उत्कृष्टता को बढ़ावा देने के उद्देश्य से पावर प्लांट ऑपरेशन में सुरक्षा विषय पर तीन दिवसीय विशेष प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन मानव संसाधन विकास केंद्र में किया गया।

सुरक्षा अभियांत्रिकी विभाग द्वारा नेशनल सेफ्टी काउंसिल, मुंबई के सहयोग से आयोजित इस प्रशिक्षण में पावर एंड ब्लोइंग स्टेशन एवं संबंधित विभागों के 25 अधिकारियों और कर्मचारियों ने भाग लिया। उद्घाटन सत्र में मुख्य महाप्रबंधक देवदत्त सतपथी एवं महाप्रबंधक पी. कृष्णमोहन उपस्थित रहे। इस अवसर पर वक्ताओं ने हालिया अग्नि दुर्घटना के संदर्भ में सुरक्षा प्रशिक्षण की आवश्यकता पर बल देते हुए जोखिम पहचान, आपदा प्रबंधन और सुरक्षित कार्य प्रणालियों के पालन को आवश्यक बताया। प्रशिक्षण के तकनीकी सत्रों का संचालन नेशनल सेफ्टी काउंसिल, मुंबई के विशेषज्ञ पी.के. सिंह एवं बी.के. लुहा द्वारा किया गया। कार्यक्रम का समन्वय सुरक्षा अभियांत्रिकी विभाग के अरिजीत रॉय ने किया।

आयुक्त राजीव कुमार पांडेय के नेतृत्व में पीएम आवास योजना को मिली नई गति

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

भिलाई, 11 जुलाई। प्रशासनिक सेवा में किसी अधिकारी की सफलता केवल योजनाओं के क्रियान्वयन से नहीं मापी जाती, बल्कि इस बात से तय होती है कि उसके निर्णयों और कार्यशैली ने आम नागरिकों के जीवन में कितना सकारात्मक परिवर्तन किया। नगर निगम भिलाई में आयुक्त के रूप में अपने कार्यकाल के दौरान राजीव कुमार पाण्डेय ने प्रधानमंत्री आवास योजना (शहरी) के माध्यम से इसी परिवर्तनकारी प्रशासनिक नेतृत्व का परिचय दिया। प्रधानमंत्री आवास योजना केवल ईंट, सीमेंट और भवन निर्माण की योजना नहीं है, बल्कि यह उन हजारों परिवारों के सपनों, सुरक्षा और सम्मान से जुड़ी पहल है, जो वर्षों से अपने पक्के घर की प्रतीक्षा कर रहे थे। ऐसे महत्वपूर्ण प्रकल्प को गति देना केवल प्रशासनिक प्रक्रिया नहीं, बल्कि संवेदनशीलता, समर्पण और दृढ़ इच्छाशक्ति की मांग करता है। भिलाई में यह तीनों गुण आयुक्त के नेतृत्व में स्पष्ट रूप से दिखाई दिए। उनके कार्यकाल में योजना के प्रत्येक घटक, बीएलसी और एएचपी में उल्लेखनीय प्रगति दर्ज की गई। हजारों आवासों का निर्माण पूर्ण हुआ, बड़ी संख्या में हितग्राहियों को आवास आबंटित किए गए तथा अनेक परिवारों को उनके सपनों का आशियाना सौंपा गया। यह उपलब्धियां केवल आंकड़ों का संग्रह नहीं हैं, बल्कि उन परिवारों की मुस्कान और आत्मविश्वास का प्रतीक हैं, जिन्हें पहली बार अपने नाम का सुरक्षित और सम्मानजनक घर मिला। किसी भी बड़ी योजना की सफलता के पीछे निरंतर निगरानी और जवाबदेही की व्यवस्था होती है। आयुक्त ने नियमित समीक्षा बैठकों, निर्माण स्थलों के निरीक्षण और विभागीय समन्वय के माध्यम से यह सुनिश्चित किया कि कार्य निर्धारित समय-सीमा में आगे बढ़े। लंबित प्रकरणों के निराकरण से लेकर स्वीकृतियों, भुगतान, आवंटन और भौतिक आधिपत्य जैसे महत्वपूर्ण मामलों को प्राथमिकता के साथ पूरा कराया गया। उनकी कार्यशैली का एक महत्वपूर्ण पक्ष यह भी रहा कि वे योजनाओं को केवल फाइलों तक सीमित नहीं रहने देते थे। अनेक अवसरों पर देर रात तक कार्यालय में रहकर उन्होंने हितग्राहियों से जुड़े मामलों का समाधान सुनिश्चित किया। यह कार्यसंस्कृति प्रशासनिक उत्तरदायित्व के साथ-साथ जनसेवा के प्रति उनकी प्रतिबद्धता को भी दर्शाती है। 14 नवंबर 2024 से 8 जुलाई 2026 के बीच प्रधानमंत्री आवास योजना के अंतर्गत जो उपलब्धियां हासिल हुईं, वे भिलाई नगर निगम के इतिहास में एक महत्वपूर्ण अध्याय के रूप में दर्ज होंगी। बीएलसी और एएचपी दोनों घटकों में निर्माण, स्वीकृति, आवंटन और आधिपत्य के क्षेत्र में हुई प्रगति ने न केवल योजना के क्रियान्वयन को नई गति दी, बल्कि नगर में किफायती और सम्मानजनक आवास व्यवस्था को भी मजबूत आधार प्रदान किया। उनके स्थानांतरण के अवसर पर निगम परिवार उनके योगदान को स्मरण करते हुए कहा कि तब यह कहना अतिशयोक्ति नहीं होगी कि उनके नेतृत्व में प्रधानमंत्री आवास योजना एक प्रशासनिक परियोजना से आगे बढ़कर सामाजिक परिवर्तन का माध्यम बनी। हजारों परिवारों के जीवन में आए इस बदलाव की कहानी आने वाले वर्षों तक भिलाई के विकास की यात्रा में एक प्रेरणादायक उदाहरण के रूप में याद की जाएगी। सफल प्रशासन वही है जो आंकड़ों से आगे बढ़कर लोगों के जीवन को छू सके। भिलाई में प्रधानमंत्री आवास योजना के माध्यम से यह लक्ष्य काफी हद तक साकार हुआ और यही किसी भी जनोन्मुखी नेतृत्व की सबसे बड़ी उपलब्धि मानी जाती है।

एक नजर

खनिज विभाग ने चूना पत्थर का अवैध परिवहन करते 2 हाईवा वाहन जब्त किए

राजनांदगांव 11 जुलाई। (तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता)। कलेक्टर श्री जितेन्द्र यादव के निर्देशानुसार खनिज विभाग द्वारा जिले में खनिज का अवैध उत्खनन, भण्डारण एवं परिवहन करने वालों पर लगातार कार्रवाई की जा रही है। इसी कड़ी में खनिज विभाग की टीम द्वारा ग्राम करियाटोला, कोहका, मोहारा, ऑक्सीजोन, डुमरडीहकला, चवेली, सुकुलदैहान सहित अन्य क्षेत्रों का आकस्मिक निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान चूना पत्थर (गिट्टी) का अवैध परिवहन करने पर 2 हाईवा वाहनों को जप्त किया गया। इसके तहत योगेश देवांगन के स्वामित्व के हाईवा क्रमांक सीजी 08 एवी 7848से वाहन चालक वाल्मिकी साहू एवं कन्हैया लाल अग्रवाल के स्वामित्व के हाईवा क्रमांक एमएच 35 एजे 9437 से वाहन चालक विजय लांजेवार द्वारा चूना पत्थर (गिट्टी) का अवैध परिवहन करने पर कार्रवाई करते हुए जप्त कर थाना सुकुलदैहान को सुपुर्द किया गया। प्रकरणों में खान एवं खनिज (विकास एवं विनियमन) अधिनियम के तहत कार्रवाई की जा रही है। खनिजों के अवैध उत्खनन, परिवहन, भण्डारण की रोकथाम के लिए लगातार गस्त व निगरानी की जा रही है।

शांति भंग करने वाले व्यक्ति के विरूद्ध की गई प्रतिबंधात्मक कार्रवाई

राजनांदगांव 11 जुलाई। (तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता)। श्रीमान् पुलिस अधीक्षक महोदया सुश्री अंकिता शर्मा के निर्देशन, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक महोदय श्री कीर्तन राठौर के मार्गदर्शन एवं नगर पुलिस अधीक्षक श्रीमती वैशाली जैन के पर्यवेक्षण में क्षेत्र मे शांति व्यवस्था बनाये रखने हेतु चलाये जा रहे सतत अभियान के तारतम्य मे आज दिनांक को अनावेदक सुनील कुर्रे पिता गूही राम कुर्रे उम्र 44 वर्ष साकिन पुराना ढाबा थाना लालबाग जिला राजनांदगांव छत्तीसगढ़ के द्वारा अपने घर में अपनी पत्नी के साथ वाद विवाद कर शांती भंग करने एवं संज्ञेय अपराध घटित होने से रोकने हेतु अनावेदक को धारा 170 बीएनएसएस के तहत गिरफ्तार कर पृथक से धारा 126, 135(3) बीएनएसएस के तहत कार्यवाही कर इस्तगासा तैयार कर माननीय न्यायालय जिला राजनांदगांव पेश किया गया है।

सर्वसम्मति से श्रीकृष्ण गोशाला समिति के कार्यकारी अध्यक्ष बनाए गए अजय अग्रवाल

डोंगरगढ़ 11 जुलाई। (तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता)। श्रीकृष्ण गोशाला परिसर में 9 जुलाई की शाम 5 बजे एक विशेष बैठक का आयोजन किया गया। बैठक की अध्यक्षता गोशाला समिति के अध्यक्ष सिद्धगोपाल नरेड़ी ने की। बैठक में सर्वसम्मति से वर्तमान कार्यकारिणी का पुनर्गठन किया गया तथा नई कार्यकारिणी की घोषणा की गई। बैठक में गोशाला के सुचारु संचालन व्यवस्थाओं को और अधिक सुदृढ़ बनाने तथा गौसेवा से जुड़े कार्यों को प्रभावी ढंग से संचालित करने के उद्देश्य से नई कार्यकारिणी का गठन किया गया। इस दौरान सभी सदस्यों ने नवगठित समिति को पूर्ण सहयोग देने का संकल्प लिया। नई कार्यकारिणी में सिद्ध गोपाल नरेड़ी को अध्यक्ष, अजय अग्रवाल को कार्यकारी अध्यक्ष, राजेश अग्रवाल बबलू एवं आनंद अग्रवाल को उपाध्यक्ष, विशाल अग्रवाल को कोषाध्यक्ष, प्रणय अग्रवाल को मंत्री तथा गोवर्धन अग्रवाल सायकल को सहमंत्री की जिम्मेदारी सौंपी गई। कार्यकारिणी सदस्य के रूप में गौतम चोपड़ा, अभिषेक अग्रवाल, मनीष अग्रवाल, नवदीप अग्रवाल, अंकुर अग्रवाल, गणेश नरेड़ी, अनुराग अग्रवाल एवं मनमोहन अग्रवाल को शामिल किया गया। बैठक में उपस्थित सभी सदस्यों ने सर्वसम्मति से नवगठित समिति का समर्थन करते हुए विश्वास व्यक्त किया कि समिति अपने कार्यकाल के दौरान गौशाला के विकास, गौसेवा तथा व्यवस्थाओं को बेहतर बनाने के लिए समर्पित भाव से कार्य करेगी।

ब्लाक कांग्रेस की बैठक में संगठन,जनसंपर्क,जनहित के मुद्दों पर हुई चर्चा

सिमगा 11 जुलाई। ब्लॉक कांग्रेस कमेटी सिमगा की कार्यकारिणी बैठक में संगठन की मजबूती, आगामी राजनीतिक गतिविधियों, बूथ स्तर तक संगठन विस्तार, जनसंपर्क अभियान तथा जनहित के मुद्दों पर विस्तारपूर्वक चर्चा की गई। इस अवसर पर ब्लॉक कांग्रेस कमेटी के सभी नव-नियुक्त पदाधिकारियों को नियुक्ति पत्र वितरित कर संगठन के प्रति निष्ठा एवं सक्रियता के साथ कार्य करने का आह्वान किया गया।

बैठक के दौरान कॉलेज के विद्यार्थियों की विशेष उपस्थिति में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी द्वारा ह्रश्वश्वञ्ज परीक्षा पेपर लीक एवं देश की शिक्षा व्यवस्था से जुड़े मुद्दों पर दिए गए संबोधन का प्रोजेक्टर के माध्यम से सामूहिक प्रदर्शन किया गया। विद्यार्थियों एवं कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने संबोधन को गंभीरता से देखा और सुना। इस अवसर पर युवाओं के भविष्य, प्रतियोगी परीक्षाओं में पारदर्शिता तथा शिक्षा व्यवस्था में सुधार की आवश्यकता पर भी चर्चा की गई। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए जिला कांग्रेस अध्यक्ष सुश्री सुमित्रा धृतलहरे ने कहा कि देश के लाखों युवा वर्षों तक कठिन मेहनत कर प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी करते हैं, लेकिन पेपर लीक जैसी घटनाएं उनकी मेहनत और भविष्य के साथ अन्याय हैं। उन्होंने कहा कि राहुल गांधी ने NEET पेपर लीक के मुद्दे को मजबूती से उठाकर देशभर के विद्यार्थियों की आवाज को बुलंद किया है। कांग्रेस पार्टी युवाओं के हितों की रक्षा, पारदर्शी परीक्षा व्यवस्था और दोषियों पर कठोर कार्रवाई की मांग को लेकर निरंतर संघर्ष करती रहेगी। उन्होंने संगठन को गांव-गांव तक मजबूत करने का भी आह्वान किया।

प्रदेश कांग्रेस प्रतिनिधि श्री सुनील माहेश्वरी ने कहा कि राहुल गांधी लगातार युवाओं के अधिकारों और उनके भविष्य की लड़ाई लड़ रहे हैं। NEET पेपर लीक जैसी घटनाएं केवल परीक्षा की गड़बड़ी नहीं, बल्कि देश के युवाओं के सपनों पर आघात हैं। उन्होंने कहा कि कांग्रेस पार्टी शिक्षा व्यवस्था में पारदर्शिता और जवाबदेही सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध है तथा कार्यकर्ताओं से युवाओं के बीच जाकर उनकी आवाज बनने का आह्वान किया।

प्रदेश कांग्रेस सेवादल के अध्यक्ष श्री अरुण ताम्रकार ने कहा कि कांग्रेस कार्यकर्ताओं को अनुशासन, सेवा और संघर्ष की भावना के साथ संगठन को मजबूत बनाना होगा। समाज के प्रत्येक वर्ग के बीच जाकर जनसेवा करना ही कांग्रेस की पहचान है। ब्लॉक कांग्रेस प्रभारी श्री दीपक वर्मा ने संगठन की मजबूती पर बल देते हुए कहा कि प्रत्येक पदाधिकारी अपने दायित्वों का पूरी निष्ठा के साथ निर्वहन करें तथा बूथ स्तर तक संगठन को सशक्त बनाने के लिए निरंतर कार्य करें। ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष रिंकू भाटिया ने सभी अतिथियों एवं कार्यकर्ताओं का स्वागत करते हुए कहा कि संगठन की मजबूती ही कांग्रेस की सबसे बड़ी ताकत है। उन्होंने सभी नवनियुक्त पदाधिकारियों को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि वे जनता के बीच लगातार सक्रिय रहकर जनसमस्याओं को प्रमुखता से उठाएं तथा आगामी संगठनात्मक एवं जनआंदोलन संबंधी कार्यक्रमों को सफल बनाने के लिए पूरी प्रतिबद्धता के साथ कार्य करें।

इस अवसर पर वरिष्ठ कांग्रेसी नेता कुबेर यदु, नगर पालिका के पूर्व अध्यक्ष भागवत सोनकर, प्रदेश किसान कांग्रेस महामंत्री विवेक अग्रवाल, नेता मोहन गायकवाड़ एवं कांग्रेस नेत्री सुनीता यादव ने भी कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए संगठन की एकजुटता, जनसेवा और कांग्रेस की विचारधारा को घर-घर तक पहुंचाने का आह्वान किया। कार्यक्रम में जनपद पंचायत प्रतिनिधि गोलू साहू, मंडल अध्यक्ष अशोक देवांगन, भिखारी गहरे, श्यामलाल देवांगन, किसान नेता मो. अय्यूब, पार्षद परदेसी सोनकर, पूर्व पार्षद लखन देवांगन, पूर्व पार्षद राहुल शर्मा, पूर्व पार्षद कान्हा यदु, ब्लॉक महामंत्री अजीत भट्ट, जनपद पंचायत प्रतिनिधि विष्णु कोसले, ब्लॉक कांग्रेस उपाध्यक्ष दौलत बंजारे, पूर्व पार्षद शाहिदा बेगम, ब्लॉक सचिव ढेलू साहू, ब्लॉक सचिव मंजू शुक्ला, मो. यूनुस, विक्की मानिकपुरी, यश शर्मा, युवा कांग्रेस नेता हितेश साहू, विक्की पांडे, हेमलाल साहू, राजा तिवारी, कुंजराम साहू,पप्पू राजपूत, लल्लू पाटकर, नागेश साहू, हेमदास कोसले, धन सिंह साहू, मोहन यदु, दाऊ यदु, दाऊ राम यदु, नरेश ध्रुव, अश्वनी बारले, धन्नू साहू, अमन पांडे, लक्की लहरे, उत्तम जांगड़े, रवि सोनकर, रोशन साहू सहित बड़ी संख्या में कांग्रेसजन एवं कॉलेज के विद्यार्थी एवं पत्रकारगण उपस्थित रहे।

उत्कृष्ट खिलाड़ियों को सरकारी सेवा का अवसर

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के निर्णय का छत्तीसगढ़ ओलम्पिक एसोसिएशन ने किया स्वागत

रायपुर,11 जुलाई। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय से आज उनके निवास कार्यालय में छत्तीसगढ़ ओलम्पिक एसोसिएशन के महासचिव श्री विक्रम सिंह सिसोदिया के नेतृत्व में एसोसिएशन के पदाधिकारियों ने सौजन्य मुलाकात की। इस अवसर पर उन्होंने राज्य सरकार द्वारा उत्कृष्ट खिलाड़ियों के हित में लिए गए महत्वपूर्ण निर्णयों के लिए मुख्यमंत्री के प्रति आभार व्यक्त किया।

एसोसिएशन के पदाधिकारियों ने विशेष रूप से 20 विभिन्न खेलों के 156 खिलाड़ियों को उत्कृष्ट खिलाड़ी घोषित किए जाने तथा उन्हें शासकीय सेवा में लाभ का अवसर प्रदान करने के राज्य सरकार के निर्णय का स्वागत करते हुए कहा कि इससे खिलाड़ियों का मनोबल बढ़ेगा और प्रदेश में खेलों के प्रति युवाओं का रुझान और अधिक सशक्त होगा। उन्होंने इसे खेल प्रतिभाओं के सम्मान और उनके उज्ज्वल भविष्य की दिशा में एक ऐतिहासिक पहल बताया।

मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने कहा कि राज्य सरकार खिलाड़ियों को उनकी प्रतिभा और उपलब्धियों के अनुरूप बेहतर अवसर उपलब्ध कराने के लिए निरंतर कार्य कर रही है। हमारी सरकार का उद्देश्य ऐसा वातावरण तैयार करना है, जहां प्रतिभाशाली खिलाड़ियों को अपनी क्षमता का सर्वोत्तम प्रदर्शन करने के लिए आवश्यक प्रोत्साहन, संसाधन और सम्मान मिल सके। उन्होंने कहा कि उत्कृष्ट खिलाड़ियों को शासकीय सेवा में अवसर प्रदान करने का निर्णय युवाओं को खेलों के प्रति प्रेरित करेगा तथा प्रदेश में खेल संस्कृति को नई ऊर्जा देगा।

मुख्यमंत्री ने विश्वास व्यक्त किया कि राज्य के खिलाड़ी राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन कर छत्तीसगढ़ का गौरव निरंतर बढ़ाएंगे। उन्होंने कहा कि खेल केवल प्रतियोगिता का माध्यम नहीं, बल्कि अनुशासन, नेतृत्व, आत्मविश्वास और राष्ट्र निर्माण की भावना विकसित करने का सशक्त आधार हैं। इस अवसर पर छत्तीसगढ़ ओलम्पिक एसोसिएशन के पदाधिकारियों ने प्रदेश में खेल अधोसंरचना के विकास तथा खिलाड़ियों के हित में राज्य सरकार द्वारा किए जा रहे प्रयासों की भी सराहना की।

डबल इंजन सरकार के नेतृत्व में छत्तीसगढ़ में रेलवे अधोसंरचना अभूतपूर्व गति से हो रही सशक्त : सीएम साय

रायपुर, 11 जुलाई। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने रायपुर में 250 इलेक्ट्रिक लोकोमोटिव के लिए अतिरिक्त होमिंग सुविधाओं के निर्माण हेतु ?175 करोड़ की परियोजना को स्वीकृति प्रदान किए जाने पर प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी तथा केंद्रीय रेल मंत्री श्री अश्विनी वैष्णव के प्रति हार्दिक आभार व्यक्त किया है। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि डबल इंजन सरकार के नेतृत्व में छत्तीसगढ़ में रेलवे अधोसंरचना अभूतपूर्व गति से सशक्त हो रही है। केंद्र सरकार द्वारा स्वीकृत यह परियोजना राज्य के रेल नेटवर्क को और अधिक सक्षम एवं आधुनिक बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। मुख्यमंत्री ने कहा कि इस परियोजना से रायपुर में इलेक्ट्रिक लोकोमोटिव के रखरखाव की क्षमता में उल्लेखनीय वृद्धि होगी। साथ ही माल एवं यात्री परिवहन की दक्षता बढ़ेगी और रेलवे परिचालन को अधिक प्रभावी बनाने में सहायता मिलेगी। इससे भविष्य की आवश्यकताओं के अनुरूप रेलवे अधोसंरचना को भी मजबूती मिलेगी। मुख्यमंत्री श्री साय ने विश्वास व्यक्त किया कि यह परियोजना छत्तीसगढ़ को देश के प्रमुख रेल, औद्योगिक एवं लॉजिस्टिक्स हब के रूप में स्थापित करने की दिशा में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी तथा विकसित भारत 2047 के संकल्प के अनुरूप विकसित छत्तीसगढ़ के निर्माण को नई गति प्रदान करेगी।

वैष्णव महासभा के नवनिर्वाचित पदाधिकारियों का आडिटोरियम में शपथग्रहण 12 जुलाई को

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

राजनांदगांव11 जुलाई। छत्तीसगढ़ श्री वैष्णव महासभा के नवनिर्वाचित प्रदेश पदाधिकारियों का शपथ ग्रहण समारोह रविवार 12 जुलाई को ऑडिटोरियम में गरिमामय वातावरण में आयोजित किया जाएगा। इस अवसर पर प्रदेशभर से समाज के वरिष्ठजन, मातृशक्ति, युवा वर्ग एवं समाजबंधुओं की बड़ी संख्या में उपस्थिति रहेगी। समारोह में नवनिर्वाचित पदाधिकारी समाज की एकता, संगठन विस्तार और सामाजिक उत्थान के लिए समर्पित भाव से कार्य करने का संकल्प लेंगे।

राजनांदगांव में आयोजित होने जा रहा यह समारोह छत्तीसगढ़ श्री वैष्णव महासभा के लिए ऐतिहासिक और गौरवपूर्ण अवसर माना जा रहा है। कार्यक्रम में नवनिर्वाचित प्रदेश अध्यक्ष सुरेन्द्र दास वैष्णव, प्रदेश महासचिव महेन्द्र वैष्णव, प्रदेश कोषाध्यक्ष लालबन्धु वैष्णव सहित प्रदेश कार्यकारिणी के सभी पदाधिकारियों को विधिवत शपथ दिलाई जाएगी। समारोह के मुख्य अतिथि छत्तीसगढ़ विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह होंगे, जबकि कार्यक्रम की अध्यक्षता सांसद संतोष पाण्डेय करेंगे। विशिष्ट अतिथियों के रूप में महापौर मधुसूदन यादव, पूर्व सांसद अभिषेक सिंह, छत्तीसगढ़ पर्यटन मंडल की अध्यक्ष नीलू शर्मा, जिला पंचायत अध्यक्ष किरण वैष्णव तथा भाजपा जिला अध्यक्ष कोमल सिंह राजपूत सहित अनेक जनप्रतिनिधि एवं समाज के वरिष्ठ लोग उपस्थित रहेंगे। चुनाव संचालन समिति के अध्यक्ष हेमन्त वैष्णव ने बताया कि हाल ही में रायपुर स्थित दूधाधारी मठ में पूज्य महंत रामसुन्दर दास जी महाराज के सानिध्य में छत्तीसगढ़ श्री वैष्णव महासभा का प्रदेश स्तरीय चुनाव शांतिपूर्ण, पारदर्शी एवं लोकतांत्रिक वातावरण में संपन्न हुआ। चुनाव प्रक्रिया में समाज के लोगों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया और संगठन के प्रति अपनी प्रतिबद्धता का परिचय दिया। बड़ी संख्या में समाजबंधुओं की सहभागिता ने यह सिद्ध कर दिया कि समाज संगठनात्मक रूप से पहले से अधिक मजबूत और जागरूक हुआ है। उन्होंने कहा कि राजनांदगांव में आयोजित होने वाला शपथ ग्रहण समारोह केवल पदभार ग्रहण करने का कार्यक्रम नहीं बल्कि समाज की एकजुटता, सामाजिक समरसता और संगठनात्मक शक्ति का प्रतीक होगा। इस अवसर पर नवनिर्वाचित पदाधिकारी समाजहित के कार्यों को गति देने, युवाओं को संगठन से जोड़ने, मातृशक्ति की सहभागिता बढ़ाने तथा शिक्षा, संस्कार और सामाजिक उत्थान के क्षेत्र में सक्रिय भूमिका निभाने का संकल्प लेंगे। कार्यक्रम को भव्य एवं यादगार बनाने के लिए व्यापक तैयारियां की जा रही हैं। आयोजन समिति द्वारा प्रदेश के विभिन्न जिलों से आने वाले समाजबंधुओं के स्वागत एवं व्यवस्था के लिए विशेष प्रबंध किए गए हैं। समारोह में समाज के वरिष्ठ नागरिकों का सम्मान भी किया जाएगा तथा संगठन की भावी कार्ययोजना पर भी चर्चा होने की संभावना है। हेमन्त वैष्णव ने छत्तीसगढ़ श्री वैष्णव समाज के सभी स्वजनों, गणमान्य नागरिकों, जनप्रतिनिधियों तथा मीडिया प्रतिनिधियों से अधिक से अधिक संख्या में उपस्थित होकर आयोजन की गरिमा बढ़ाने और समाज की एकता के इस ऐतिहासिक आयोजन के साक्षी बनने की अपील की है।

गंदा पानी पिला रहा निगम,नए निगम आयुक्त को ज्ञापन

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

राजनांदगांव 11 जुलाई। शहर में पेयजल की गुणवत्ता को लेकर एक बार फिर सियासत गरमा गई है। नगर निगम के नेता प्रतिपक्ष संतोष पिल्ले के नेतृत्व में कांग्रेस पार्षदों ने शुक्रवार को नगर निगम के नवपदस्थ आयुक्त जी.आर. मरकाम को ज्ञापन सौंपकर मोहारा फिल्टर प्लांट की व्यवस्था पर गंभीर सवाल उठाए। कांग्रेस का आरोप है कि शोधन संयंत्र में पर्याप्त मात्रा में फिटकरी का उपयोग नहीं किए जाने के कारण शहरवासियों के घरों तक गंदा और मटमैला पानी पहुंच रहा है जिससे जलजनित बीमारियों का खतरा बढ़ गया है। प्रतिनिधिमंडल ने तत्काल व्यवस्था सुधारने की मांग करते हुए चेतावनी दी कि यदि शीघ्र कार्रवाई नहीं हुई तो निगम कार्यालय का घेराव किया जाएगा। उन्होंने ने कहा कि यह मामला सीधे शहर की जनता के स्वास्थ्य और जीवन से जुड़ा है। इसलिए महापौर को इस गंभीर विषय को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए तत्काल प्रभावी कार्रवाई करनी चाहिए ताकि भविष्य में इस तरह की लापरवाही की पुनरावृत्ति न हो और नागरिकों को स्वच्छ एवं सुरक्षित पेयजल उपलब्ध कराया जा सके। उन्होंने जिम्मेदार अधिकारियों की जवाबदेही तय करने की भी मांग की है।

श्री पिल्ले ने कहा कि लगातार बारिश के दौरान जल शोधन संयंत्र में पानी को स्वच्छ बनाने के लिए पर्याप्त मात्रा में फिटकरी, क्लोरीन गैस और ब्लीचिंग पाउडर का उपयोग किया जाना आवश्यक होता है लेकिन मोहारा फिल्टर प्लांट में इनकी पर्याप्त उपलब्धता नहीं होने से पानी का समुचित शोधन नहीं हो पा रहा है। इसका सीधा असर शहर के विभिन्न वार्डों में रहने वाले नागरिकों पर पड़ रहा है जहां लोगों को गंदा पानी पीने के लिए मजबूर होना पड़ रहा है। उन्होंने आरोप लगाया कि यह पहली बार नहीं है जब निगम प्रशासन की लापरवाही के कारण शहरवासियों को दूषित पानी मिला हो। पूर्व में भी ऐसी शिकायतें सामने आ चुकी हैं लेकिन प्रशासन ने स्थायी समाधान की दिशा में कोई ठोस कदम नहीं उठाया। बार-बार एक जैसी स्थिति उत्पन्न होना निगम की कार्यप्रणाली पर गंभीर प्रश्नचिह्न खड़ा करता है। श्री पिल्ले ने आयुक्त को सौंपे ज्ञापन में मांग की कि मोहारा फिल्टर प्लांट में तत्काल पर्याप्त मात्रा में फिटकरी, क्लोरीन गैस एवं ब्लीचिंग पाउडर उपलब्ध कराया जाए ताकि जल शोधन की प्रक्रिया प्रभावी ढंग से हो सके और नागरिकों को स्वच्छ एवं सुरक्षित पेयजल मिल सके। उन्होंने कहा कि बरसात के मौसम में दूषित पानी के कारण डायरिया, टाइफाइड, पीलिया सहित कई जलजनित बीमारियों का खतरा बढ़ जाता है इसलिए इस मामले में किसी भी प्रकार की लापरवाही गंभीर परिणाम ला सकती है। श्री पिल्ले ने कहा कि नगर निगम का पहला दायित्व नागरिकों को स्वच्छ पेयजल उपलब्ध कराना है। यदि निगम प्रशासन इस मूलभूत जिम्मेदारी का निर्वहन नहीं कर पा रहा है तो यह बेहद चिंताजनक है। उन्होंने नए आयुक्त जी.आर. मरकाम से अपेक्षा जताई कि वे इस मामले को गंभीरता से लेते हुए तत्काल आवश्यक निर्देश जारी करेंगे और फिल्टर प्लांट की व्यवस्था में सुधार सुनिश्चित करेंगे।

कृषि विश्वविद्यालय पहुंचे कृषि उत्पादन आयुक्त

रायपुर, 11 जुलाई। कृषि उत्पादन आयुक्त श्री सिद्धार्थ कोमल परदेशी ने शुक्रवार को इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय का दौरा कर विश्वविद्यालय की शिक्षण, अनुसंधान और विस्तार गतिविधियों का जायजा लिया। इस दौरान संचालक कृषि राहुल देव भी उनके साथ मौजूद रहे। इस दौरान उन्होंने अनुसंधान प्रयोगशालाओं, कृषि अनुसंधान परियोजनाओं, इन्क्यूबेशन सुविधाओं और विभिन्न अधोसंरचनाओं का निरीक्षण किया। विश्वविद्यालय द्वारा किसानों की आय बढ़ाने और कृषि विकास के लिए किए जा रहे कार्यों की सराहना करते हुए उन्होंने कहा कि राज्य सरकार कृषि विश्वविद्यालय के विकास के लिए हरसंभव मदद करेगी। कृषि उत्पादन आयुक्त ने विश्वविद्यालय के अनुसंधान प्रक्षेत्र में औषधीय एवं सगंध फसलों का अवलोकन किया। टिश्यू कल्चर लैब में केला, गन्ना और बांस के ऊतक संवर्धित पौधों के उत्पादन की जानकारी ली।

भूत-प्रेत का साया बताकर मासूम छात्रा से ठगी करने वाले ढोंगी तांत्रिक को कोर्ट ने सुनाई 3 वर्ष की सजा

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

सिमगा 11 जुलाई। जिला बलौदाबाजार-भाटापारा में अंधविश्वास फैलाने वाले और धोखाधड़ी करने वाले अपराधियों के खिलाफचलाए जा रहे अभियान के तहत सिमगा पुलिस को एक बड़ी विधिक सफलता मिली है। भूत-प्रेत का साया दूर करने और पूजा-पाठ के नाम पर एक कॉलेज छात्रा से ऑनलाइन ठगी करने वाले मध्य प्रदेश के शातिर आरोपी जयप्रकाश मिश्रा को माननीय न्यायालय ने जेल की सजा सुनाई है। इस पूरे मामले में विवेचना अधिकारी प्रधान आरक्षक ओंकार सिंह राजपूत द्वारा प्रस्तुत किए गए पुख्ता वैज्ञानिक और दस्तावेजी साक्ष्य आरोपी को सजा दिलाने में मील का पत्थर साबित हुए। क्या था अंधविश्वास और ठगी का यह मामलाः- प्रार्थी छात्रा (बीएससी थर्ड सेमेस्टर) निवासी सिमगा को आरोपी जयप्रकाश मिश्रा ने उसके मोबाइल नंबर पर कॉल किया। आरोपी ने पीड़िता को डराया कि उसके ऊपर भूत-प्रेत का साया है और यदि पूजा-पाठ नहीं कराया गया तो अनहोनी हो जाएगी। आरोपी ने अंधविश्वास का झांसा देकर अलग-अलग समय में पीड़िता से अपने क्यूआर कोड (त्तक्र ष्टश्स्रद्ग) पर कुल ?18,600/- की धोखाधड़ी कर ट्रांसफर करा लिए। पीड़िता की शिकायत पर थाना सिमगा में अपराध क्र. 490/2025 दर्ज कर मामला जांच में लिया गया था। प्रधान आरक्षक ओंकार राजपूत की मजबूत विवेचना- केस डायरी मिलते ही विवेचना अधिकारी प्रधान आरक्षक ओंकार सिंह राजपूत ने अत्यंत सूझबूझ और वैज्ञानिक पद्धति से जांच शुरू की। उन्होंने तत्काल घटना स्थल का निरीक्षण कर गवाहों के बयान दर्ज किए और घटना स्थल का नजरी नक्शा तैयार किया। आरोपी को सजा की दहलीज तक पहुंचाने के लिए प्रधान आरक्षक राजपूत ने बैंक ऑफ बड़ौदा, सिमगा से संपर्क कर पीड़िता के बैंक खाते का पूरा स्टेटमेंट और तकनीकी साक्ष्य जुटाए। ?इन अकाट्य सबूतों के आधार पर उन्होंने आरोपी को मध्य प्रदेश के शहडोल से गिरफ्तार किया और माननीय न्यायालय के समक्ष एक बेहद मजबूत अभियोग पत्र (चार्जशीट) पेश की। उनके द्वारा प्रस्तुत साक्ष्यों की मजबूती का ही परिणाम था कि अभियोजन पक्ष आरोपी के खिलाफ संदेह से परे अपराध साबित करने में पूरी तरह सफल रहा।

माननीय न्यायालय का कड़ा फैसला और सजाः- मामले की गंभीरता और पुख्ता गवाहों को दृष्टिगत रखते हुए माननीय न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी सिमगा, योगिता जांगड़े की अदालत ने आरोपी जयप्रकाश मिश्रा को दोषी करार देते हुए दिनांक 09.07.2026 को आदेश पारित कर निम्नलिखित सजा सुनाई हैः

1. धारा 318(4) BNS के तहतः 02 वर्ष का कारावास एवं 300/- का अर्थदंड (जुर्माना न पटाने पर 1 माह का अतिरिक्त कारावास)।
2. धारा 319(2) BNS के तहतः 01 वर्ष का कारावास एवं 200/- का अर्थदंड (जुर्माना न पटाने पर 1 माह का अतिरिक्त कारावास)।

यह दोनों सजाएं साथ-साथ चलेंगी। अंधविश्वास के नाम पर ठगी करने वाले इस अंतर्राज्यीय ठग को सजा दिलाने में सहायक लोक अभियोजन अधिकारी श्री मनीष कुमार केशर तथा थाना सिमगा के प्रधान आरक्षक ओंकार सिंह राजपूत की अत्यंत सराहनीय एवं उत्कृष्ट भूमिका रही है, जिनकी वरिष्ठ अधिकारियों द्वारा सराहना की गई है।

आयुक्त ने अपने पहले वार्ड विजिट में गोलबाजार तथा शहर के आंतरिक क्षेत्र में देखी सफाई व्यवस्था

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

राजनांदगांव 11 जुलाई। नवागत आयुक्त श्री जी.आर. मरकाम ने वार्ड विजिट की कडी में आज अपना पहला विजिट गोल बाजार, जय स्तम्भ चैक, सिनेमा लाईन, गंज चैक का निरीक्षण कर सफाई में और सुधार लाने, कुडा-कचरा तत्काल उठाने तथा बाजार मे सफाई पर विशेष ध्यान देने निर्देशित किए। आयुक्त श्री मरकाम ने गोलबाजार में पैदल घुम स्वास्थ्य अमला से कहा कि बाजार लगने से पूर्व सम्पूर्ण क्षेत्र की समुचित सफाई करे। उन्होंने जय स्तम्भ चैक के आस पास प्रतिदिन अच्छे से सफाई करने के निर्देश दिए। उन्होने ट्रांसफार्मर के पास अनावश्यक कपड़ा रखे एवं कुडा-करकट देख तत्काल साफ करने कहा। उन्होने कहा कि जय स्तम्भ चैक के आस पास पर्याप्त सफाई हो तथा किसी प्रकार का कुडा-करकट, सामन न रखा हो इसका विशेष ध्यान रखा जाए। उन्होंने सिनेमा लाईन, गंज लाईन, का पैदल भ्रमण कर कहा कि दुकाने खुलने के पूर्व सड़को व नालियो की सफाई कर कचरा उठाना सुनिश्चित करे। उन्होंने नाली के पास खाली भूमि में कचरा मलमा देख उन स्थानो की सफाई कर एक फिट दीवाल उठवाने के निर्देश दिए, ताकि मलमा न डले व गंदगी न फैले। इसके अलावा गंज चैक के नाला देख नाले की समुचित सफाई करने कहा,जिससे बारिश का पानी असानी से निकल सके। निरीक्षण की कडी में आयुक्त श्री मरकाम ने भरकापारा एसएलआरएम सेन्टर का निरीक्षण कर कचरा निपटान प्रक्रिया की सेन्टर प्रभारी से जानकारी ली। उन्होंने कहा कि कचरे का उचित निपटान समय सीमा में करे तथा सेन्टर में रखे कबाड समाग्री को संबंधित के पास तत्काल बेचने के निर्देश देकर सेन्टर में साफ सफाई रखने कहा।

तानाशाही की प्रवृत्ति हो तो ऐसा हो होता है

व्यवस्था कितनी ही लोकतांत्रिक हो लेकिन उसमें तानाशाही वृत्ति का नेता शीर्ष पर पहुंच जाए तो वह देश के लिए बुरा तो साबित होता है, विश्व के लिए बहुत बुरा साबित होता है, उसकी तानाशाही वृत्ति के कारण विश्व शांति प्रभावित होती है,दुनिया में सप्लाई चेन प्रभावित होती है,कई देशों की अर्थव्यवस्था पर बुरा असर पड़ता है,देशों में महंगाई बढ़ती है, लोगों की तकलीफ बढ़ जाती है ।सबसे बुरी बात तो यह होती है कि शांति की बातें तो सारे देश करते हैं लेकिन एक व्यक्ति की तानाशाही के कारण युध्द रुकते नहीं है, शांति बहाल होती नहीं है ।अमरीका के राष्ट्रपति ट्रंप ऐसे ही लोकतांत्रिक देश अमरीका के तानाशाही वृत्ति के राष्ट्रपति हैं। उनको दोबारा राष्ट्रपति चुनकर अमरीका के लोग ही पछता रहे होंगे,मान रहे होंगे कि हमसे बड़ी गलती हुई है ।कहीं न कहीं किसी न किसी से लड़ते रहना अमरीका के कई राष्ट्रपतियों का प्रिय शगल रहा है और यह काम भी वह विश्व में लोकतंत्र की स्थापना व विश्व शांति के नाम पर करते रहे हैं। अमरीकी राष्ट्रपतियों में सबसे ढुलमुल राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप है। वह अस्थिर चित्त के हैं, अपनी किसी बात पर टिकते नहीं है,कभी शांति की बात करते हैं,कभी खुद को विश्व शांति का रक्षक बताते हैं तो कभी अचानक युध्द शुरू कर देते हैं,फिर युध्दविराम की बात करते हैं, युध्दविराम हो जाता है और दुनिया राहत की सांस ले रही होती है सोचती है कि चलो एक युध्द के मोर्चे पर तो शांति हुई। अब दुनिया में ऊर्जा संकट तो नहीं रहेगा। स्थिति सामान्य होने की उम्मीद विश्व कर रहा होता तो अचानक खबर आती है कि अमरीका ने ईरान पर रात को फिर हमला कर दिया। अमरीका व ईरान के बीच युध्दविराम हुए अभी मात्र बीस दिन ही हुए हैं और ईरान पर हमला पहले अमरीका ने किया है और कारण यह बता रहा है कि ईरान ने होर्मूज में टैंकरों पर हमला किया और इसके लिए ईरान को सबक सिखाना जरूरी था ।यही नहीं ईरान के इस हमले से ट्रंप इतने ज्यादा खफा हो गए कि उन्होंने युध्द विराम खत्म करने का ऐलान तक कर दिया। यही नहीं ईरानी लोगों को बीमार मानसिकता का बताते हुए यह भी कह दिया कि उनके साथ बातचीत करना वक्त बरबाद करना है। इसके बाद हमेशा की तरह कहा मैंने तो क्षेत्र में शांति लाने की कोशिश की लेकिन अब ईरान कहर झेलेगा। इसी बीच अमरीका ने ईरान पर क्रूड आयल बेचने पर फिर से रोक लगा दी है ।अमरीका के ईरान के 80 ठिकानों पर हमले के जवाब में ईरान ने भी बहरीन व कुवैत में अमरीकी बेस पर 85 मिसाइल दागे ।अमरीकी हमले के बाद ईरान की तरफ से राष्ट्रपति पजेशकियान ने कहा है कि धोखा देना अमरीका की फितरत है ।ईरान अपना हक लेकर रहेगा साथ ही चेतावनी दी है कि यदि अमरीका फिर से हमला करता है तो ईरान होर्मूज को पूरी तरह बंद कर देगा। ईरान पर टैंकरों पर हमले और अमरीका के ईरान पर हमले से फिर होर्मूज में 350 जहाज व 6000 क्रू फंसे हुए है। कड़वी हकीकत यह है कि चाहे ईरान हो या अमरीका हो दोनों के फैसले देश की अंदरूनी राजनीति व हालत से प्रभावित होते रहे है और आगे भी प्रभावित होते रहेंगे। दोनों देशों के नेता इस युध्द में खुद को विजेता के तौर पर दिखाना चाहते हैं। ईरान किसी भी क्षेत्र में अमरीका की ताकत का मुकाबला नहीं कर सकता है. यह धारणा युध्द शुरू होने के पहले थी लेकिन अब जब महीनों दोनों देशों के बीच युध्द चल रहा है तो इससे तो यह धारणा बन गई है कि ईरान को अमरीका हरा नहीं पाया है, ईरान उसके हर हमले का जवाब दे रहा है। यानी एक तरह से ईरान अमरीका बातचीत की टेबल पर उसके साथ बराबरी से बात कर रहा है, वह अमरीका और विश्व को यह बताने में सफल रहा है कि युध्द ईरान की शर्तों पर खत्म होगा, शांति तब ही होगी जब ईरान की शर्ते मानी जाएगी। यही बात अमरीका को पसंद नहीं है, वह चाहता है कि अमरीका जो चाहता है वही ईरान को करना है। अमरीका जो दे रहा है, उतना ही लेकर ईरान को खुश होना चाहिए। अमराका खुद को बड़ा,विजेता व विश्वशांति के रक्षक के तौर पर दुनिया के सामने पेश करना चाहता है और ईरान उसे युध्द फिर शुरू करने वाला, युध्द विराम तोडऩे वाला, विश्व में अशांति का दोषी साबित करना चाहता है। ट्रंप ईरान को दबाना चाहते हैं, इसका परिणाम यह हुआ है कि वहां का जो कट्टर इस्लामी फ्रंट है वह दबते हुए नहीं दिखना चाहता है। वह तो अमरीका से किसी तरह का समझौता नहीं करना चाहता है, अमरीका ने हमला करके उसे कमान अपने हाथ लेने का मौका दे दिया है। इससे अब बातचीत भले होती रहे लेकिन ईरान अपनी शर्ते मानने पर ही अमरीका से कोई समझौता करेगा और अमरीका उसे दबाने का प्रयास करता रहेगा।

विश्व जनसंख्या दिवस

विकसित भारत की राह में जनसंख्या संतुलन का प्रश्न

ललित गर्ग

प्रतिवर्ष 11 जुलाई को विश्व जनसंख्या दिवस मनाया जाता है। वर्ष 2026 की थीम है- ''युवाओं की उम्मीदों और आकांक्षाओं को साकार करना- आज और भविष्य के लिए।'' यह विषय स्पष्ट संकेत देता है कि किसी भी राष्ट्र का भविष्य केवल उसकी जनसंख्या के आकार से नहीं, बल्कि उस जनसंख्या की गुणवत्ता, शिक्षा, स्वास्थ्य, कौशल और अवसरों से निर्धारित होता है। भारत विश्व का सबसे अधिक आबादी वाला देश है। यह स्थिति एक ओर विशाल मानव संसाधन का अवसर प्रस्तुत करती है, तो दूसरी ओर संसाधनों, रोजगार, शिक्षा, स्वास्थ्य, आवास और पर्यावरण पर अभूतपूर्व दबाव भी उत्पन्न करती है। इसलिए विश्व जनसंख्या दिवस भारत के लिए केवल औपचारिक आयोजन नहीं, बल्कि गंभीर आत्ममंथन का अवसर है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अनेक अवसरों पर छोटे परिवार के महत्व पर बल देते हुए कहा है कि जो परिवार स्वेच्छा से परिवार नियोजन अपनाते हैं, वे राष्ट्र-निर्माण में महत्वपूर्ण योगदान दे रहे हैं। उनका यह संदेश बताता है कि जनसंख्या संतुलन किसी एक समुदाय का नहीं, बल्कि पूरे देश के सतत विकास का विषय है। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के विभिन्न पदाधिकारियों ने भी समय-समय पर यह कहा है कि जनसंख्या नीति सभी नागरिकों पर समान रूप से लागू होनी चाहिए तथा इसका उद्देश्य किसी समुदाय को लक्ष्य बनाना नहीं, बल्कि राष्ट्रीय हित, संसाधनों के संतुलित उपयोग और सामाजिक समरसता को सुनिश्चित करना होना चाहिए।भारत आज वर्ष 2047 तक विकसित राष्ट्र बनने का लक्ष्य लेकर आगे बढ़ रहा है। ''सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास और सबका प्रयास'' का मंत्र तभी पूरी तरह साकार हो सकता है, जब विकास की गति और जनसंख्या वृद्धि के बीच संतुलन स्थापित हो। यदि जनसंख्या अनियंत्रित गति से बढ़ती रहे और संसाधनों का विस्तार उसी अनुपात में न हो, तो विकास की उपलब्धियां भी पर्याप्त सिद्ध नहीं होंगी। रोजगार के अवसर सीमित होंगे, कृषि योग्य भूमि सिकुड़ेगी, जल संकट गहराएगा, महानगरों पर दबाव बढ़ेगा और पर्यावरणीय असंतुलन गंभीर होता जाएगा। हालांकि यह भी उतना ही महत्वपूर्ण है कि जनसंख्या संबंधी विमर्श तथ्यों, संवैधानिक मूल्यों और सामाजिक सद्भाव पर आधारित हो। भारत का संविधान प्रत्येक नागरिक को समान अधिकार देता है और जनसंख्या नीति का उद्देश्य भी समान रूप से सभी नागरिकों पर लागू होने वाला, न्यायसंगत एवं पारदर्शी ढांचा होना चाहिए। परिवार नियोजन, महिलाओं की शिक्षा, स्वास्थ्य सेवाओं की उपलब्धता, विवाह की उपयुक्त आयु, आर्थिक सशक्तिकरण तथा जन-जागरूकता ऐसे उपाय हैं, जिनसे बिना किसी भेदभाव के जनसंख्या स्थिरीकरण की दिशा में प्रभावी परिणाम प्राप्त किए जा सकते हैं। विश्व के अनेक अनुभव बताते हैं कि जैसे-जैसे शिक्षा, विशेषकर महिला शिक्षा और आर्थिक विकास बढ़ता है, वैसे-वैसे प्रजनन दर स्वाभाविक रूप से घटती है।

भारत के सामने एक अन्य गंभीर चुनौती अवैध घुसपैठ की भी है। सीमावर्ती क्षेत्रों में यदि अवैध रूप से लोगों का प्रवेश होता है और वे बिना वैधानिक प्रक्रिया के देश में बस जाते हैं, तो इससे राष्ट्रीय सुरक्षा, संसाधनों के वितरण तथा जनसांख्यिकीय संतुलन पर प्रभाव पड़ सकता है। यह विषय जनसंख्या नियंत्रण से अलग, कानून व्यवस्था और सीमा सुरक्षा का प्रश्न है। अतः सीमा प्रबंधन को सुदृढ़ बनाना, अवैध प्रवासन पर प्रभावी नियंत्रण रखना तथा नागरिकता संबंधी कानूनों का निष्पक्ष पालन सुनिश्चित करना आवश्यक है। यह मुद्दा किसी धर्म या समुदाय के विरुद्ध नहीं, बल्कि कानून के शासन और राष्ट्रीय सुरक्षा से जुड़ा विषय है। भारत को यह भी समझना होगा कि केवल कठोर कानून बना देना पर्याप्त नहीं होगा। चीन ने अपने समय में एक-संतान नीति अपनाई, लेकिन बाद में बदलती परिस्थितियों के कारण उसे वापस लेना पड़ा। भारत की लोकतांत्रिक व्यवस्था चीन से भिन्न है। इसलिए भारत के लिए अधिक उपयुक्त मार्ग वह होगा जिसमें कानून के साथ-साथ सामाजिक जागरूकता, स्वैच्छिक सहभागिता, शिक्षा और सकारात्मक प्रोत्साहन को प्राथमिकता दी जाए। छोटे परिवारों को प्रोत्साहन, गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य सेवाओं का विस्तार, महिलाओं की आर्थिक भागीदारी और युवाओं के कौशल विकास पर विशेष ध्यान देना अधिक प्रभावी सिद्ध हो सकता है।

पिछले एक वर्ष के आंकड़े बताते हैं कि विश्व की जनसंख्या लगभग 8.19 अरब से बढ़कर 8.30 अरब हो गई है, अर्थात एक वर्ष में लगभग 6.9 करोड़ लोगों की वृद्धि हुई है, जो लगभग 0.83 प्रतिशत की वार्षिक वृद्धि दर को दर्शाती है। दूसरी ओर भारत की जनसंख्या 1.45 अरब से बढ़कर लगभग 1.47 अरब हो गई है, यानी एक वर्ष में लगभग 1.25 करोड़ लोग और जुड़ गए। भारत की जनसंख्या वृद्धि दर 0.87-0.89 प्रतिशत के बीच है, जो वैश्विक औसत से थोड़ी अधिक है। भारत विश्व की कुल आबादी का लगभग 17.8 प्रतिशत हिस्सा रखता है। इतनी विशाल जनसंख्या के कारण शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार, आवास, जल, ऊर्जा, कृषि भूमि और पर्यावरण पर दबाव लगातार बढ़ रहा है। यदि जनसंख्या वृद्धि और विकास के बीच संतुलन स्थापित नहीं किया गया, तो विकसित भारत का लक्ष्य अधिक चुनौतीपूर्ण हो जाएगा। इसलिए केवल आर्थिक विकास पर्याप्त नहीं है, बल्कि जनसंख्या स्थिरीकरण, मानव संसाधन विकास और संसाधनों के संतुलित नियोजन को भी समान प्राथमिकता देनी होगी।भारत में जनसंख्या का प्रश्न केवल सामाजिक या आर्थिक नहीं, बल्कि राजनीतिक विमर्श का भी विषय बन गया है। जातिगत जनगणना और विभिन्न जाति-समुदायों की जनसंख्या को लेकर राजनीतिक दल अक्सर अपने-अपने वोट बैंक को मजबूत करने की रणनीति अपनाते दिखाई देते हैं। अनेक विश्लेषकों का मानना है कि यदि जनसंख्या के आंकड़ों का उपयोग केवल राजनीतिक ध्रुवीकरण या चुनावी लाभ के लिए किया जाएगा, तो यह राष्ट्रीय एकता और समावेशी विकास की भावना के विपरीत होगा। इसके विपरीत, चीन ने अपनी परिस्थितियों के अनुरूप लंबे समय तक कठोर जनसंख्या नियंत्रण नीति अपनाकर जनसंख्या वृद्धि पर प्रभावी नियंत्रण स्थापित किया, यद्यपि बाद में बदलती जनसांख्यिकीय चुनौतियों के कारण उसने उस नीति में संशोधन भी किया। भारत की लोकतांत्रिक व्यवस्था अलग है, इसलिए यहां समाधान कठोर दमनात्मक उपायों के बजाय समान रूप से लागू होने वाली जनसंख्या नीति, महिला शिक्षा, स्वास्थ्य सेवाओं के विस्तार, परिवार नियोजन, जन-जागरूकता और कानून के निष्पक्ष अनुपालन में निहित है। जनसंख्या के प्रश्न को जाति, धर्म या वोट बैंक की राजनीति से ऊपर उठाकर राष्ट्रीय विकास, सामाजिक संतुलन और भविष्य की पीढ़ियों के हित के दृष्टिकोण से देखने की आवश्यकता है। विश्व जनसंख्या दिवस 2026 की थीम भी इसी दिशा में संकेत करती है कि यदि युवाओं को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, रोजगार, स्वास्थ्य और अवसर मिलेंगे, तो वे स्वयं जिम्मेदार नागरिक बनकर संतुलित परिवार और सतत विकास की दिशा में योगदान देंगे। भारत की लगभग आधी आबादी युवा है। यह जनसांख्यिकीय लाभांश तभी राष्ट्र की शक्ति बनेगा, जब यह शिक्षित, कुशल, स्वस्थ और आत्मनिर्भर होगा। अन्यथा यही विशाल युवा आबादी बेरोजगारी, असंतोष और सामाजिक चुनौतियों का कारण भी बन सकती है। आज आवश्यकता इस बात की है कि देश में एक व्यापक, वैज्ञानिक और सर्वसम्मत राष्ट्रीय जनसंख्या नीति पर गंभीर विचार किया जाए। ऐसी नीति में समानता, पारदर्शिता, संवैधानिक मूल्यों और राष्ट्रीय हित को सर्वोच्च प्राथमिकता मिले। इसके साथ ही जनसंख्या संबंधी किसी भी चर्चा में सामाजिक सौहार्द, तथ्यपरक विश्लेषण और जिम्मेदार सार्वजनिक विमर्श बनाए रखना भी उतना ही आवश्यक है। किसी भी प्रकार की अतिरंजना या विभाजनकारी दृष्टिकोण समाधान नहीं, बल्कि नई समस्याओं को जन्म दे सकता है। विश्व जनसंख्या दिवस हमें यह स्मरण कराता है कि विकसित भारत का सपना केवल आर्थिक विकास से पूरा नहीं होगा। इसके लिए जनसंख्या और संसाधनों के बीच संतुलन, मानव पूंजी में निवेश, महिलाओं का सशक्तिकरण, युवाओं को अवसर, प्रभावी सीमा प्रबंधन और दीर्घकालिक राष्ट्रीय नीति-इन सभी का समन्वित प्रयास आवश्यक है। यदि भारत समय रहते जनसंख्या संतुलन, मानव विकास और संसाधनों के न्यायसंगत उपयोग की दिशा में ठोस कदम उठाता है, तो वर्ष 2047 तक विकसित, समृद्ध, आत्मनिर्भर और सशक्त भारत का लक्ष्य अधिक यथार्थ रूप में साकार हो सकेगा। जनसंख्या केवल संख्या नहीं, बल्कि राष्ट्र की शक्ति है, बशर्ते वह शिक्षित, स्वस्थ, अनुशासित, उत्पादक और संतुलित हो। यही विश्व जनसंख्या दिवस का वास्तविक संदेश है।

सू- दोकू क्र.096

	6	3		8		1		4
8			3		4		7	
	4			5		8		
3		8			1		4	
	1			4		9		7
		4			2		1	
1				3		4		8
	8		2		9		3	
		9		1		2		5

नियम

1. कुल 81 वर्ग है,जिसमें 9वर्गो का एक खंड बनता है।
2. हर खाली वर्ग में 1से 9 के बीच का कोई एक अंक भर सकते है।
3. बाएं से दाएं और उपर से नीचे के प्रत्येक कालम,कतार और खंड में 1से9अंक में से किसी भी अंक का इस्तेमाल एक बार ही कर सकते है।

सू-दोकू क्र.095 का हल

6	7	9	2	4	5	3	1	8
2	1	8	3	7	6	9	5	4
7	6	4	5	2	8	1	3	9
3	8	1	6	9	7	2	4	5
9	2	5	4	1	3	8	6	7
8	3	7	9	6	4	5	2	1
5	4	2	8	3	1	7	9	6
1	9	6	7	5	2	4	8	3
4	5	3	1	8	9	6	7	2

शब्द सामर्थ्य -096

(भागवत साहू)

बाएं से दाएं

1. राजद प्रमुख 6. रखवाला, रक्षा करने वाला 7. दयालु, रहम करने वाला (उ.) 10. युग्म, जोड़ा, एक राशि, एक फिल्म अभिनेता 13. कैदखाना, जेल, हिरासत 15. जानकी, जनकनंदनी 17. व्यर्थ की बात, बकबक 18. नारी, स्त्री, महिला 21. विक्रय करना 22. वाणी, कथन, वादा 24. ताश में दस अंकों वाला पत्ता 25. नगर का, नागरिक, चतुर।

ऊपर से नीचे

1. बेफ्रिक, निश्चिंत, जिसे कोई परवाह न हो 2. मूर्ति 3. दोस्त, प्रेमी 4. कुशल, विशेषज्ञ 5. बगुला 8. झुका हुआ, झुकाया गया, नत 9. इधर-उधर, पास पड़ोस 11. किस्मत, तकदीर, भाग्य 14. बंदर, मर्कट, कपि 16. शक्तिशाली, बलवान 18. संतान, संतति 19. अस्तबल, घुड़साल 20. राजी करना, रूठे हुए को प्रसन्न करना 23. सरिता, नदिया, नद।

शब्द सामर्थ्य क्रमांक 095 का हल

मा	म	ला	■	सि	वा	य	■	कि
लि	■	चा	ह	त	■	म	म	ता
क	सू	र	■	म	ग	न	■	ब
■	र	■	■	■	द	■	■	■
क	मा	न	■	पा	र	स	■	स
मी	■	म	जा	ल	■	न	क	ली
ना	दा	न	■	ना	र	द	■	का
■	मि	■	■	■	तौं	■	■	■
सु	नी	ल	■	अ	धी	र	■	जी

सात पुश्तों के लिए काली कमाई जोड़ कर बैठे हैं भ्रष्टाचारी अधिकारी!

मनोज कुमार अग्रवाल

देश में भ्रष्टाचार लाइलाज बीमारी बन रहा है जिससे आम आदमी को रोजाना दो चार होना पड़ रहा है। अंतरराष्ट्रीय संस्था 'ट्रांसपेरेंसी इंटरनेशनल' द्वारा जारी भ्रष्टाचार धारणा सूचकांक 2025 के अनुसार, भारत 91वें स्थान पर है।इस सूची में 182 देशों को शामिल किया गया था, जिसमें भारत को 100 में से 39 अंक मिले हैं। 0 अंक का अर्थ 'अत्यधिक भ्रष्ट' और 100 अंक का अर्थ 'पूर्णतः पारदर्शी या ईमानदार' होता है। इस रिपोर्ट के अनुसार, भारत की स्थिति में पिछली रैंकिंग के मुकाबले पांच स्थानों का सुधार हुआ है।

आपको बता दें कि देश के सिस्टम से जुड़े भ्रष्टाचार में लिप्त अधिकारियों के पास भ्रष्टाचार व पद का दुरुपयोग कर जमा की गयी अकूत चल अचल संपत्ति का भंडार है। भारत में भ्रष्टाचारी अधिकारियों की धर-पकड़ और उनसे अवैध रूप से अर्जित की गई संपत्ति को जब्त (राजसात) करने के लिए बेहद कड़े कानूनी प्रावधान और सक्रिय जांच एजेंसियां काम कर रही हैं। हाल ही में जुलाई 2026 में उत्तर प्रदेश विजिलेंस और कर्नाटक लोकायुक्त द्वारा की गई बड़ी छापेमारी इस बात का जीवंत उदाहरण हैं, जहां भ्रष्ट अधिकारियों के गुप्त लॉकरों से करोड़ों रुपये नकद और किलो के हिसाब से सोना बरामद किया गया है। बता दें कि उत्तर प्रदेश सतर्कता विभाग (विजिलेंस टीम) ने जुलाई 2026 में आगरा के पूर्व सहायक संभागीय परिवहन अधिकारी ललित कुमार के खिलाफ आय से अधिक संपत्ति के मामले में एक बड़ी कार्रवाई की है. विजिलेंस टीम ने उनके लखनऊ स्थित अलीगंज आवास पर छापेमारी कर करीब "35 करोड़ की बेहिसाब संपत्ति का खुलासा किया है, जिसके बाद उनके खिलाफ भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम के तहत कानूनी जांच और कार्रवाई को तेज कर दिया गया है. उत्तर प्रदेश सतर्कता विभाग की छापेमारी में उनके घर के कोने-कोने से भारी मात्रा में घर के विभिन्न हिस्सों में पैकेटों में छिपाकर रखे गए "1.62 करोड़ नकद मिले.लगभग 13 किलोग्राम सोना और 9 किलोग्राम चांदी (बिस्किट, बार और आभूषण के रूप में) जब्त की गई, जिसकी कीमत करीब "20 करोड़ आंकी गई है. लखनऊ, नोएडा, बाराबंकी और रायबरेली में कई मकानों, भूखंडों (प्लॉट्स), फ्लैटों और कृषि भूमि से जुड़े दस्तावेज बरामद हुए हैं, जिनकी कीमत "13 करोड़ के आसपास है.बैंक खातों, म्यूचुअल फंड, फिक्स्ड डिपॉजिट और पोस्ट ऑफिस स्कीमों में "1 करोड़ से अधिक के निवेश के दस्तावेज मिले. इसके अलावा दो लग्जरी कारें इनोवा और आइ20 और एक रिवॉल्वर भी बरामद की गई है। "300 की घूस की शिकायत से खुला राज इस विशाल साम्राज्य का पर्दाफाश साल 2020 में हुई एक छोटी सी शिकायत से शुरू हुआ था। ललित कुमार जब कानपुर में तैनात थे, तब उन पर ड्राइविंग लाइसेंस बनवाने के लिए "300 की रिश्वत मांगने का आरोप लगा था। तत्कालीन परिवहन आयुक्त की अनुमति के बाद एंटी-करप्शन और विजिलेंस विभाग ने उनकी गोपनीय जांच शुरू की, जिससे उनकी आय से अधिक संपत्ति के इस बड़े मामले की परतें खुलती चली गईं. ललित कुमार अक्टूबर 2025 में आगरा से सेवानिवृत्त (रिटायर्ड) हुए थे.

इस से छह दिन पूर्व 4 जुलाई को अकोला अकोला में हाल ही में भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो ने किरण पुरुषोत्तम चौधरी सह-जिला निबंधक तथा मुद्रांक जिलाधिकारी के खिलाफ बड़ी कार्रवाई की। उनके खिलाफ "10,000 रिश्वत लेने का मामला दर्ज होने के बाद उनके जलगांव स्थित आवास पर छापेमारी की गई, जहां से "2.94 करोड़ से अधिक की अवैध संपत्ति बरामद हुई है। किरण पुरुषोत्तम चौधरी, तत्कालीन अतिरिक्त जिला रजिस्ट्रार और स्टाम्प ड्यूटी अधिकारी (श्रेणी-I), अकोला महारा एसीबी ने उन्हें 26 जून को "10,000 की रिश्वत लेते हुए पकड़ा था।बरामद की गई जलगांव स्थित घर पर छापेमारी कर "1.53 करोड़ से अधिक नकद "60 लाख के सोने के बिस्किट व आभूषण तथा अन्य कीमती धातुएं। लगभग "62 लाख की बेनामी संपत्ति के कागजात।लगभग "2.94 करोड़।यह जब्ती महाराष्ट्र के नासिक, अकोला और जलगांव की एसीबी टीमों द्वारा संयुक्त रूप से की गई है।

इसी सप्ताह तेलंगाना के हैदराबाद में भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो ने बड़ी कार्रवाई करते हुए पुलिस कंप्यूटर सर्विसेज में तैनात डिप्टी सुपरिंटेंडेंट ऑफ पुलिस संकीरेड्डी भीम रेड्डी को लगभग "300 करोड़ की अवैध बेनामी संपत्ति रखने के आरोप में गिरफ्तार किया है। एसीबी की टीम ने अधिकारी के तेलंगाना और कर्नाटक स्थित कुल 16 ठिकानों पर एक साथ छापेमारी की थी। शुरुआती जांच में करीब "300 करोड़ मूल्य की बेनामी संपत्ति के दस्तावेज मिले हैं। अधिकारी के ठिकानों से 2 किलोग्राम सोने के आभूषण और 20 किलोग्राम चांदी बरामद की गई है। छापेमारी के दौरान उनके घर से "3.60 लाख और एक अन्य ठिकाने से "40 लाख कैश मिला। रिश्तेदारों और बेनामियों के नाम पर 50 एकड़ से अधिक कृषि भूमि, व्यावसायिक भूखंड, कई लग्जरी फ्लैट और आलीशान विला के दस्तावेज जब्त किए गए हैं। उनके बैंक खातों में लगभग "19.91 लाख जमा पाए गए हैं। भ्रष्ट आचरण और आय से अधिक संपत्ति अर्जित करने के मामले में गिरफ्तारी के बाद एसीबी कोर्ट ने आरोपी डीएसपी भीम रेड्डी को 14 दिनों की न्यायिक हिरासत में चंचलगुड़ा केंद्रीय जेल भेज दिया है।

25 फरवरी 2026 तीस हजार की रिश्वत लेते हुए रंगे हाथों पकड़े गए खनन विभाग के उप निदेशक देवव्रत महांति की गिरफ्तारी के बाद विजिलेंस की छापेमारी में चौंकाने वाला खुलासा हुआ है।भुवनेश्वर स्थित उनके फ्लैट से 4 करोड़ रुपये से अधिक की नकदी बरामद की गई । इसके अलावा, महांति के कार्यालय की दराज और उनके पास से 1.20 लाख रुपये नकद भुवनेश्वर के पहाल क्षेत्र में लगभग 2400 वर्गफुट में बना एक भव्य दो मंजिला मकान, करीब 130 ग्राम सोना जब्त किया है।

उधर 9 जून 2026 भ्रष्टाचार के खिलाफ एक बड़ी कार्रवाई में, तेलंगाना एंटी-करप्शन ब्यूरो ने रोड्स एंड बिल्डिंग्स विभाग के इंजीनियर-इन-चीफ जे. मोहन नाइक और उनके रिश्तेदारों से जुड़ी कई प्रॉपर्टीज़ पर एक साथ छापे मारे. उन पर आय के ज्ञात स्रोतों से कहीं ज़्यादा संपत्ति जमा करने का आरोप है.

यह तलाशी हैदराबाद और राज्य के अन्य हिस्सों सहित लगभग 15 जगहों पर की गई. सूत्रों के मुताबिक, जांच के दौरान अधिकारियों को सोने के बिस्किट, गहने, चांदी की चीजें, कैश और प्रॉपर्टी से जुड़े कई दस्तावेज़ मिले हैं. शुरुआती अनुमानों के अनुसार, जांच के दायरे में आई कुल संपत्ति की मार्केट वैल्यू 100 करोड़ रुपए से ज़्यादा हो सकती है।

ये तो सिर्फ बानगी नमूना भर है देश भर में करीब एक सौ सरकारी कर्मचारी अधिकारीयों के कब्जे से आय से अधिक जुटाई गयी करोड़ों अरबों की संपति मिल रही है। एक एक अधिकारी ने सौ से तीन चार सौ करोड़ तक की अवैध संपत्ति जुटाने का काम किया है जिस से पता चल जाता है कि भ्रष्टाचार किस हद तक बढ़ गया है।

केन्द्र में भारतीय जनतापार्टी की सरकार केन्द्र और विभिन्न प्रदेशों में आयी,लोगों को उम्मीद लगी कि भ्रष्टाचार खत्म हो जाएगा। भ्रष्टाचार को लेकर जीरो टालरेंस का नारा रहा लेकिन स्थितियों में कोई विशेष अन्तर नहीं आया। इसके लिए सब कुछ डिजिटल आनलाइन करने की कवायद हुई वह चाहे टेंडर हो या अन्य जनउपयोगी सुविधाएं लेकिन राजस्व से लेकर कोई भी विभाग भ्रष्टाचार से मुक्त नहीं है। डबल इंजन की सरकार भी इससे मुक्त नहीं कर पायी है। दुनिया भर में भ्रष्टाचार के बारे जारी होने वाली ट्रांसपेरेंसी इंटरनेशनल की 182 देशों की रिपोर्ट में भारत 91 वें स्थान पर है। यह संस्था सरकार संस्थाओं और सार्वजनिक क्षेत्र में भ्रष्टाचार की स्थिति का आकलन करती है और उसके आधार पर रैंकिंग तय करती है ।यदि इस रैंक को न भी मानें तो भी आम आदमी से लेकर खास आदमी तक इससे प्रभावित है। भ्रष्टाचार का समाप्त करने की बातें सभी करते हैं लेकिन यह समाप्त होने के बजाय निरन्तर बढ़ता ही जा रहा है। सार्वजनिक जीवन में अब इसे उत्कोच, रिश्वत, घूस के बजाय सुविधाशुल्क और प्रथा के रूप में अपना काम निकालने के लिए लोग अपनाते हैं। सिर्फ जीरो टालरेंस का नारा देने से भ्रष्टाचार समाप्त नहीं हो सकता है। निचले स्तर से लेकर उच्चस्तर पर इसके लक्षण देखे जाते हैं। पिछले दिनों एक हाइकोर्ट जज के आवास के कमरे में आग लगने पर नोटों से भरे बोरों का देखा जाना और उस पर सटीक कारवाई नहीं किया जाने से पता चल जाता है कि भ्रष्टाचार के खिलाफ सरकार और यहां तक कि न्यायपालिका भी पर्याप्त गंभीर नहीं है। जाहिर है कि देश की उन्नति में भ्रष्टाचार एक बड़ी बाधा है सरकार को गंभीरता से सख्त कदम उठाने चाहिए और आम चुनाव का मुद्दा भी भ्रष्टाचार के खिलाफ जंग ही होना चाहिए क्योंकि पुलिस पटवारी से लेकर ऊंची न्याय की कुर्सियों तक भ्रष्टाचार की जड़ें देश को खोखला कर रहीं हैं और देश की तरक्की में बाधा उत्पन्न कर रहीं हैं।

व्यंग्य

उंगली कटी है कोई नाक नहीं

सुनील पांडे, रायपुर

जैसे भारतीय रेल कभी-कभी पटरी से उतर जाती है, वैसे ही पंडित जी के घर का भारी-भरकम लोहे का स्लाइडिंग गेट भी अपनी औकात... क्षमा करें, अपनी पटरी से उतर गया। उन्होंने बाहुबल दिखाने की सोची, उम्र का ध्यान नहीं रहा। गेट को वापस पटरी पर लाने हड़बड़ी में कोशिश की, ताकि दरवाजे पर यातायात सामान्य हो सके। मगर 'ओह गॉड!' अगले ही पल गेट तो पटरी पर आ गया, लेकिन पंडित जी के दाहिने हाथ की सबसे बड़ी उंगली उसकी चपेट में आकर आधी से ज्यादा कट गई। खून बूंद-बूंद टपकने लगा। प्राथमिक उपचार से पहले उन्होंने सोचा कि हाथ नल के नीचे धो लें, पर तुरंत डर लगा कि कहीं पानी के प्रेशर से कटी हुई उंगली वाशबेसिन के रास्ते सीधे गटर की यात्रा पर न निकल जाए। इस संकट काल में नानी याद आने की जगह, उंगली पर बने सारे मुहावरे-कहावत एक-एक कर दिमाग में मार्च-पास्ट करने लगे। सबसे पहले याद आया—'उंगली कटाकर शहीदों में नाम लिखाना'। फिर बहते रक्त को देखकर खुद को दिलासा दिया कि आज आदमी मंगल ग्रह में बस्ती बसा रहा है तो मेडिकल में कटी उंगली जोड़ना कौन सी बड़ी बात है। पहले के जमाने में लोग तलवार से उंगली काटकर रक्त-तिलक कर देते थे और टिटनेस का इंजेक्शन तक नहीं लगवाते थे। आज तो लोग तिलक के नाम पर गुलाल से ही संतोष कर लेते हैं। खैर, सांत्वना के बीच अचानक एक और अशिष्ट बात कौंधी कि 'आज के जमाने में लोग किसी की कटी उंगली पर पेशाब भी नहीं करते।' बस, इसी डर के मारे उन्होंने सीधे डॉक्टर के पास भागने में ही भलाई समझी। रक्त प्रवाह रोकने के लिए अपनी कटी उंगली ऊपर की तरफ उठाई और अस्पताल पहुंचे। रास्ते भर लोग उनकी उठी उंगली को ऐसे घूर रहे थे, मानो उन पर उठी हो। उन्हें क्या पता कि जब एक उंगली औरों की तरफ उठती है, तो बाकी चार खुद की तरफ मुड़ जाती हैं।

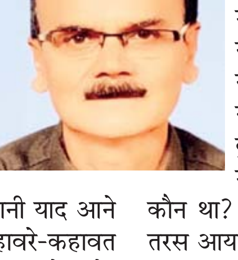

भाग्य प्रबल था, डॉक्टर साहब भगवान की तरह साक्षात मिल गए। पर नंबर आने तक मन में उनके कहावत-मुहावरे चलते रहे। उन्होंने खैर मनाई कि 'सब उंगलियाँ बराबर नहीं होतीं'—शायद इसीलिए इस 'मिडिल फिंगर' ने बड़ा भाई होने का फर्ज निभाया और खुद आगे बढ़कर बाकी चार को बचा लिया। अगर सब बराबर होतीं, तो आज पूरा हाथ खतरे में होता।

अंततः डॉक्टर से आंखें चार हुईं। वे उन्हें ऐसे देख रहे थे मानो कह रहे हों—"कहा था न, हर जगह उंगली नहीं करते!" खैर, कुछ ही देर में पंडित जी ऑपरेशन टेबल पर थे। चेहरे पर मास्क लगाए डॉक्टर साहब ने लोकल एनेस्थीसिया दिया और बिना दर्द के टांके लगा दिए। हालांकि, उस माहौल में भी पंडित जी का दिमाग इस सोच में उलझा था कि ये डॉक्टर अंत समय तक चेहरे पर मास्क क्यों लगाए रहते हैं? कहीं इसलिए तो नहीं कि अगर कुछ ऊंच-नीच हो जाए, तो मरीज बाद में शिनाख्त ही न कर पाए कि 'मुल्जिम' कौन था? तभी उन्हें पुराने जमाने के मरीजों पर तरस आया। जब एनेस्थीसिया नहीं रहा होगा, तब डॉक्टर चिल्लाते मरीज का मुंह दबाकर उसके जख्म को बोरे की तरह सिल देते रहे होंगे। खैर, जब काउंटर पर बिल दिया, तब जाकर पंडित जी को अहसास हुआ कि घाव और घटना वाकई 'बड़ी' थी। उन्हें भ्रम था कि उनके घर में मेडिकल का बजट शून्य है। टांके लगवाकर जब पंडित जी 'घायल सैनिक' की तरह घर लौटे, तो शुभचिंतकों का तांता लग गया। एक महाशय ने कहा—"इस उम्र में आपको ऐसी उछल-कूद शोभा नहीं देती।" उन्होंने भी तपाक से सर्जिकल स्ट्राइक की—"भाई साहब, सब ठीक है, उंगली ही तो कटी है, कोई नाक तो नहीं कटी! वैसे डॉक्टर साहब ने विशेष हिदायत दी है कि जितने ज्यादा लोग हाल-चाल पूछने और मिलने आएंगे, हीलिंग उतनी ही फास्ट होगी। सो, आते रहिएगा।" इस पूरे 'गेट-कांड' से पंडित जी के दिमाग में एक बात तो शीशे की तरह साफ हो गई कि आदमी को अपनी उम्र का और लोहे के वजन का पूरा लिहाज रखना चाहिए। ऐसे अंट-शंट स्टंट से बचना ही श्रेयस्कर है। सार यही है—जल्दी न करे इंसान तो गलती न हो, और हड़बड़ी न करे आदमी तो गड़बड़ी न हो।

स्वास्थ्य मंत्री ने सुपर स्पेशलिटी हॉस्पिटल में छत्तीसगढ़ की दूसरी कैथलैब यूनिट का किया लोकार्पण

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

जगदलपुर, 11 जुलाई। बस्तर की स्वास्थ्य सेवाओं में आज गुरुवार को एक महत्वपूर्ण अध्याय जुड़ गया, जब प्रदेश के स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल ने डिमरापाल में स्थापित कॉन्टिनेंटल सुपर स्पेशलिटी हॉस्पिटल में बस्तर संभाग की पहली और छत्तीसगढ़ की दूसरी अत्याधुनिक कैथलैब का लोकार्पण किया। उन्होंने कहा कि इस सुविधा के शुरू होने से अब बस्तर सहित पूरे प्रदेश के हृदय रोगियों को समय पर आधुनिक उपचार उपलब्ध होगा और गंभीर मरीजों को इलाज के लिए बड़े शहरों का रुख नहीं करना पड़ेगा।

लोकार्पण के बाद स्वास्थ्य मंत्री ने कैथलैब सहित अस्पताल के विभिन्न विभागों का निरीक्षण कर उपलब्ध चिकित्सा सुविधाओं का जायजा लिया। उन्होंने अस्पताल प्रबंधन द्वारा मरीजों को दी जा रही स्वास्थ्य सेवाओं की सराहना करते हुए कहा कि कॉन्टिनेंटल छत्तीसगढ़ सुपर स्पेशलिटी हॉस्पिटल बस्तर में स्वास्थ्य सेवाओं को नई दिशा दे रहा है। बस्तर में नक्सलवाद के खात्मे के सौ दिन के साथ-साथ जगदलपुर सुपर स्पेशलिस्ट हॉस्पिटल के भी सौ दिन पूरा होने की बधाई देते हुए उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में बस्तर की जनता को दिल की गंभीर बीमारियों के इलाज के लिए कैथ लैब के रूप में एक बहुत बड़ी सौगात मिली है, जो मेकाहारा के बाद छत्तीसगढ़ का दूसरा सबसे बड़ा सरकारी कैथ लैब संस्थान है। इसके साथ ही बस्तर की नैसर्गिक सुंदरता के बीच योग और प्राकृतिक चिकित्सा को बढ़ावा देने के लिए पीपीपी मोड पर एक समर्पित योग और नेचरोपैथी हॉस्पिटल भी लाया जा रहा है। चिकित्सा व्यवस्था में आए इस बड़े सुधार का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि महारानी अस्पताल में पिछले दो वर्षों के भीतर मरीजों के इलाज के आंकड़ों में डेढ़ गुना का रिकॉर्ड इजाफा हुआ है। मंत्री श्री जायसवाल ने बताया कि केंद्र सरकार ने आयुर्वेद आधारित उपचार प्रणाली को बढ़ावा देने के लिए देश में तीन केंद्र स्थापित करने की योजना बनाई है। इनमें से एक केंद्र बस्तर में स्थापित करने का प्रस्ताव केंद्र सरकार को भेजा गया है।

बस्तर में स्वास्थ्य के क्षेत्र में हुए बदलाव को देखने जल्द ही विश्व स्वास्थ्य संगठन और यूनिसेफ की विशेष टीमें बस्तर आ रही हैं। मुख्यमंत्री स्वस्थ बस्तर अभियान की कामयाबी के चलते आज बस्तर क्षेत्र के लगभग 99 प्रतिशत लोगों का डिजिटल हेल्थ रिकॉर्ड और चेकअप तैयार किया जा चुका है, जो स्वास्थ्य विभाग की एक बेहतरीन मिसाल है। इसके अलावा, कॉन्टिनेंटल ग्रुप हॉस्पिटल के साथ मिलकर स्थानीय युवाओं को रोजगार से जोड़ने का काम भी किया गया है, जिसके तहत अस्पताल के प्रबंधन और विभिन्न श्रेणियों में 70 प्रतिशत स्थानीय युवाओं को प्राथमिकता दी गई है। इस अवसर पर कॉन्टिनेंटल हॉस्पिटल्स के संस्थापक एवं चेयरमैन डॉ. गुरु एन. रेड्डी ने बताया कि कैथलैब (कार्डियक कैथेटराइजेशन लैब) एक अत्याधुनिक चिकित्सा इकाई है, जहां बिना बड़े ऑपरेशन के हृदय एवं रक्त वाहिकाओं से जुड़े रोगों की जांच और उपचार किया जाता है। यहां कोरोनरी एंजियोग्राफी, एंजियोप्लास्टी (स्टेंट प्रत्यारोपण), पेसमेकर प्रत्यारोपण सहित विभिन्न इंटरवेंशनल कार्डियोलॉजी प्रक्रियाएं आधुनिक तकनीक से की जा सकेंगी। उन्होंने बताया कि इस सुविधा के प्रारंभ होने से अब बस्तर संभाग के साथ-साथ पड़ोसी राज्य के मरीजों को भी स्थानीय स्तर पर सुपर स्पेशलिटी हृदय उपचार उपलब्ध होगा। इससे मरीजों का समय और खर्च दोनों बचेंगे तथा आपातकालीन स्थितियों में जीवनरक्षक उपचार शीघ्र मिल सकेगा। अस्पताल में आयुष्मान भारत योजना के तहत भी मरीजों को उपचार की सुविधा उपलब्ध कराई जा रही है।

एक नजर

जिले में अब तक 292.8 मिमी औसत वर्षा दर्ज, भैरमगढ़ में सबसे ज्यादा

बीजापुर,11 जुलाई। (तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता)। जिले में मानसून ने रफ्तार पकड़ ली है। कलेक्टर कार्यालय की भू-अभिलेख शाखा से प्राप्त जानकारी के अनुसार 1 जून से 10 जुलाई 2026 तक जिले में 292.8 मिमी औसत वर्षा दर्ज की गई है। आंकड़ों के अनुसार भैरमगढ़ तहसील में सबसे अधिक 401.2 मिमी वर्षा रिकॉर्ड की गई है। इसके बाद कुटरू में 385.7 मिमी, बीजापुर में 346.0 मिमी, गंगालूर में 263.0 मिमी, भोपालपटनम में 248.4 मिमी तथा उसूर में 112.7 मिमी वर्षा दर्ज की गई है। प्रशासन के अनुसार लगातार हो रही बारिश से जिले के जलस्रोतों में पानी की आवक बढ़ी है, जिससे किसानों को खरीफ फसलों की बुवाई में राहत मिलने की उम्मीद है। हालांकि, निचले इलाकों और ग्रामीण मार्गों पर जलभराव की स्थिति को देखते हुए लोगों को सावधानी बरतने की सलाह दी गई है।

4 जुआरी गिरफ्तार, पुलिस ने 3900 नकद व ताश की गड्डी जब्त की

कांकेर, 11 जुलाई। (तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता)। जिले की सिटी कोतवाली पुलिस ने आज शुक्रवार को सुभाष वार्ड स्थित चिकन मार्केट के पास सार्वजनिक स्थान पर 52 पत्ती ताश पर रुपये-पैसों का दांव लगाकर जुआ खेल रहे चार जुआरियों को गिरफ्तार कर उनके कब्जे से नकदी और जुआ खेलने में इस्तेमाल की जा रही सामग्री जब्त की है। पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार मुखबिर से मिली सूचना पर थाना प्रभारी के नेतृत्व में पुलिस टीम ने मौके पर घेराबंदी कर दबिश दी। पुलिस को देखते ही कुछ लोग मौके से फरार हो गए, जबकि सरजू यादव, विनोद कुमार साहू, रवि सारथी और शिवा सारथी को मौके से गिरफ्तार कर लिया गया। तलाशी के दौरान आरोपियों के कब्जे और जुआ फड़ से कुल 3,900 रुपये नगद, 52 पत्ती ताश और एक पुराना अखबार बरामद किया गया। पुलिस ने जब्त सामग्री को कब्जे में लेकर आरोपियों के खिलाफछत्तीसगढ़ जुआ (प्रतिषेध) अधिनियम की धारा 3(2) के तहत मामला दर्ज कर वैधानिक कार्रवाई की है। कांकेर पुलिस ने कहा है कि जिले में जुआ, सट्टा और अन्य अवैध गतिविधियों के खिलाफअभियान लगातार जारी रहेगा और ऐसे मामलों में सख्त कार्रवाई की जाएगी।

सुदूर वनांचल के चौक-चौराहे सोलर हाई मास्ट से होंगे रोशन

बीजापुर,11 जुलाई। (तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता)। जिले के सुदूर वनांचल क्षेत्रों एवं ग्रामों में मूलभूत सुविधाओं के विस्तार के तहत चौक-चौराहों, बाजारों तथा सार्वजनिक स्थलों पर सोलर हाई मास्ट स्थापित किए जा रहे हैं। विशेष रूप से नियद नेल्लानार ग्रामों में यह कार्य तेजी से किया जा रहा है, जिससे ग्रामीणों को रात्रि के समय सुरक्षित एवं पर्याप्त प्रकाश की सुविधा मिल सके। पूर्व में इन क्षेत्रों में प्रकाश व्यवस्था के अभाव के कारण ग्रामीणों को रात एवं बरसात के मौसम में आवागमन के दौरान सांप-बिच्छू जैसे जहरीले जीवों का खतरा बना रहता था। कई बार इससे जनहानि एवं अन्य नुकसान भी होता था। अब सोलर हाई मास्ट लगने से इन समस्याओं से काफी हद तक राहत मिलने लगी है और ग्रामीणों में सुरक्षा की भावना मजबूत हुई है। मिली जानकारी के अनुसार ग्राम कोण्डापल्ली में 9 मीटर ऊंचे स्टैंड-अलोन पोल पर 1200 वॉट क्षमता के सोलर मॉड्यूल तथा 30-30 वॉट क्षमता की छह एलईडी लाइटें स्थापित की जा रही हैं। इनसे पूरे क्षेत्र में उज्ज्वल सफेद रोशनी उपलब्ध होगी, जिससे रात के समय भी चौक-चौराहे और सार्वजनिक स्थान रोशन रहेंगे। सोलर हाई मास्ट डस्क-टू-डॉन तकनीक पर आधारित है, जो शाम ढलते ही स्वतः चालू हो जाता है और सुबह सूर्य का प्रकाश होने पर अपने आप बंद हो जाता है। इस प्रणाली के संचालन के लिए पारंपरिक विद्युत आपूर्ति की आवश्यकता नहीं होती, जिससे ग्राम पंचायत, नगर पंचायत एवं नगर पालिका पर बिजली बिल का कोई अतिरिक्त आर्थिक भार भी नहीं पड़ता। जिले में सोलर हाई मास्ट की स्थापना से ग्रामीण क्षेत्रों में सुरक्षा, सुविधा और ऊर्जा संरक्षण को बढ़ावा मिल रहा है। यह पहल वनांचल क्षेत्रों के लोगों के जीवन को अधिक सुरक्षित, सुविधाजनक और रोशन बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम साबित हो रही है।

बस्तर की मातृशक्ति आज समाज में परिवर्तन की सशक्त वाहक बनकर उभरी: केदार कश्यप

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

जगदलपुर, 11 जुलाई। स्थानीय पंडित श्यामा प्रसाद मुखर्जी सभागार में आज गुरुवार को आयोजित संभाग स्तरीय 'दीदी के गोठ' के बारहवां संस्करण कार्यक्रम आत्मनिर्भरता, महिला सशक्तिकरण और आजीविका संवर्धन का सशक्त मंच बनकर उभरा। बस्तर संभाग के विभिन्न जिलों से पहुंची हजारों महिलाओं की सहभागिता से सभागार उत्साह और ऊर्जा से सराबोर नजर आया। कार्यक्रम में 'लखपति दीदियों' की प्रेरणादायी सफलता की कहानियों ने महिलाओं में आत्मविश्वास और स्वावलंबन का नया संदेश दिया।

इस अवसर पर मुख्य अतिथि वन, जलवायु परिवर्तन, परिवहन, सहकारिता एवं संसदीय कार्य मंत्री केदार कश्यप ने कहा कि बस्तर की मातृशक्ति ने कठिन परिस्थितियों में भी अदम्य साहस का परिचय दिया है और आज वे समाज में परिवर्तन की सशक्त वाहक बनकर उभरी हैं। उन्होंने कहा कि शासन की विभिन्न योजनाओं का वास्तविक लाभ तभी संभव हुआ है, जब महिलाओं ने उन्हें अपनाकर आत्मनिर्भरता की दिशा में मजबूत कदम बढ़ाए हैं। उन्होंने वर्ष 2004 से महिलाओं को मुख्यधारा से जोड़ने के प्रयासों का उल्लेख करते हुए कहा कि आज बिहान, मध्याह्न भोजन और अन्य योजनाओं के माध्यम से बस्तर की महिलाएं आर्थिक और सामाजिक रूप से सशक्त हो रही हैं।

कार्यक्रम में बस्तर के सांसद महेश कश्यप ने कहा कि किसी भी समाज की प्रगति महिलाओं के सम्मान और सशक्तिकरण पर निर्भर करती है। उन्होंने स्व-सहायता समूहों की भूमिका, दीनदयाल अंत्योदय योजना, राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन (एनआरएलएम) और 'लखपति दीदी योजना' का उल्लेख करते हुए कहा कि आज देशभर में करोड़ों महिलाएं आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बनी हैं। उन्होंने कहा कि महतारी वंदन योजना, प्रधानमंत्री आवास योजना तथा महिलाओं को संपत्ति में प्राथमिकता जैसे निर्णय महिलाओं की सामाजिक और आर्थिक स्थिति को मजबूत करने वाले कदम हैं।

कार्यक्रम में चित्रकोट विधायक विनायक गोयल ने कहा कि आज बस्तर की महिलाएं केवल परिवार तक सीमित नहीं हैं, बल्कि मुर्गीपालन, बकरीपालन, मत्स्यपालन, सब्जी उत्पादन तथा अन्य स्वरोजगार गतिविधियों से जुड़कर अपने परिवार की आर्थिक व्यवस्था की रीढ़ बन रही हैं। उन्होंने कहा कि बीते वर्षों में महिलाओं का आत्मविश्वास बढ़ा है और अब वे अपनी समस्याओं के समाधान के लिए प्रशासन से सीधे संवाद कर रही हैं।

इस अवसर पर जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती वेदवती कश्यप ने भी महिलाओं की मेहनत और लगन की सराहना करते हुए उन्हें निरंतर आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया।

कार्यक्रम में चपका की श्रीमती नीतू झा, सुलेंगा की श्रीमती सुगनी कश्यप और इरपा की श्रीमती हेमबती नाग सहित कई सफल 'लखपति दीदियों' को सम्मानित किया गया। वहीं, कोंडागांव जिले की श्रीमती नम्रता पटेल ने अपनी प्रेरक यात्रा साझा करते हुए बताया कि बिहान योजना के तहत बैंक लिंकेज और 5 लाख रुपये के ऋण से उन्होंने अपने 'अमृत तुल्य' चाय एवं नाश्ता कैफे का विस्तार किया, जिससे उनकी प्रतिदिन की आय लगभग 5 हजार रुपये तक पहुंच गई।

कार्यक्रम के दौरान विभिन्न जिलों से आई महिलाओं ने शासन की योजनाओं से मिले लाभ और अपने अनुभव साझा किए। संवाद, सम्मान और प्रेरणा से परिपूर्ण यह आयोजन महिलाओं के आर्थिक सशक्तिकरण और आत्मनिर्भर बस्तर के संकल्प को नई मजबूती देने वाला साबित हुआ। इस अवसर पर कलेक्टर आकाश छिकारा, जिला पंचायत सीईओ प्रतीक जैन सहित अन्य गणमान्य जनप्रतिनिधि उपस्थित रहे। कार्यक्रम में लखपति दीदियों को प्रमाण पत्र, सहायता राशि का चेक वितरण भी किया गया ।

महिला सुरक्षा गार्डों की अनदेखी पर उठे सवाल

■ **किरंदुल में नई सुरक्षा गार्ड भर्ती में एक भी महिला को अवसर नहीं, समान अवसर और आरक्षण की मांग तेज**

मुख्य बिंदु

- नई भर्ती में महिलाओं को नहीं मिला प्रतिनिधित्व।
- 30-35 प्रतिशत महिला आरक्षण लागू करने की उठी मांग।
- शिक्षित एवं फिट बेरोजगार युवतियों को रोजगार से वंचित रखने का आरोप।
- जनप्रतिनिधियों से निष्पक्ष भर्ती नीति लागू करने की अपील।

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

किरंदुल 11 जुलाई। औद्योगिक नगर किरंदुल में हाल ही में एनएमडीसी/परियोजना क्षेत्र के लिए सुरक्षा गार्डों की नई भर्ती के बाद महिला रोजगार को लेकर गंभीर सवाल खड़े हो गए हैं। स्थानीय वरिष्ठ नागरिकों एवं विश्वसनीय सूत्रों का दावा है कि हाल में लगभग 70 से 100 नए सुरक्षा गार्डों की भर्ती की गई, लेकिन इनमें एक भी शिक्षित एवं फिट महिला अभ्यर्थी का चयन नहीं हुआ। इसको लेकर क्षेत्र में असंतोष और चर्चा का माहौल है।

स्थानीय लोगों का कहना है कि आज देश के बड़े शहरों से लेकर छोटे नगरों तक मॉल, अस्पताल, बैंक, पार्किंग स्थल, कॉलोनियों, कार्यालयों एवं औद्योगिक प्रतिष्ठानों में महिला सुरक्षा गार्ड सफलतापूर्वक अपनी सेवाएं दे रही हैं। वे दिन और सामान्य शिफ्ट में पूरी जिम्मेदारी एवं अनुशासन के साथ अपने कर्तव्यों का निर्वहन कर रही हैं।

जानकारों का मानना है कि क्षेत्र की अनेक शिक्षित एवं शारीरिक रूप से सक्षम युवतियां सुरक्षा गार्ड की जिम्मेदारी निभाने के लिए पूरी तरह योग्य हैं। उनका कहना है कि महिलाएं स्वास्थ्य के प्रति अधिक सजग रहती हैं तथा अनुशासन और ईमानदारी के साथ कार्य करने की क्षमता रखती हैं। ऐसे में उन्हें भर्ती प्रक्रिया से बाहर रखना उचित नहीं माना जा सकता।

सूत्रों के अनुसार, भर्ती प्रक्रिया में अधिकांश चयन दो श्रमिक संगठनों की अनुशंसा वाले युवाओं का हुआ, जबकि कुछ अभ्यर्थियों का चयन अधिकारियों की अनुशंसा पर होने की चर्चा है। हालांकि, इन दावों की स्वतंत्र रूप से आधिकारिक पुष्टि नहीं हो सकी है। स्थानीय नागरिकों का कहना है कि यदि महिलाओं के लिए समान अवसर और आरक्षण की बात केवल नीतियों तक सीमित रह जाए और व्यवहार में उन्हें रोजगार से वंचित रखा जाए, तो यह शिक्षित बेरोजगार महिलाओं के साथ न्याय नहीं होगा। क्षेत्र के सामाजिक संगठनों एवं जागरूक नागरिकों ने मांग की है कि भविष्य में होने वाली सुरक्षा गार्ड भर्ती में योग्यता एवं पारदर्शिता के आधार पर महिलाओं को भी पर्याप्त अवसर दिया जाए, ताकि वे भी आत्मनिर्भर बन सकें और औद्योगिक क्षेत्र की सुरक्षा व्यवस्था में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकें।

अंत में नागरिकों ने क्षेत्रीय विधायक, जनप्रतिनिधियों, परियोजना प्रबंधन तथा संबंधित अधिकारियों से आग्रह किया है कि वे इस विषय पर गंभीरता से विचार करें और आगामी भर्तियों में महिलाओं के लिए समुचित प्रतिनिधित्व एवं समान अवसर सुनिश्चित करें, जिससे क्षेत्र की शिक्षित बेरोजगार युवतियों को भी सम्मानजनक रोजगार मिल सके।

नई निविदाओं का विद्युत यांत्रिक ठेकेदार संघ ने किया बहिष्कार

जगदलपुर, 11 जुलाई। (तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता)। बस्तर के विद्युत यांत्रिक ठेकेदार संघ ने 2021 से लंबित भुगतानों के विरोध में कड़ा रुख अपनाया है। संघ ने विभाग की नई निविदाओं के बहिष्कार का निर्णय लिया है। संघ का कहना है कि पिछले कई वर्षों से विभाग ने ठेकेदारों के देय भुगतानों का निराकरण नहीं किया। कई बार मामला उठाया गया। भुगतान की मांग की गई। कोई कार्रवाई नहीं हुई। पदाधिकारियों ने कहा कि भुगतान में लगातार देरी से ठेकेदारों की आर्थिक स्थिति गंभीर हो गई है। मजदूरों की मजदूरी देना मुश्किल हो रहा है। निर्माण सामग्री आपूर्तिकर्ताओं का बकाया बढ़ रहा है। बैंक ऋण की किश्तें चुकाना कठिन हो रहा है। अन्य वित्तीय दायित्व भी पूरे नहीं हो पा रहे हैं। इसे लेकर ठेकेदारों में विभाग के प्रति नाराजगी है। संघ ने सर्वसम्मति से तय किया है कि जब तक वर्ष 2021 से लंबित सभी भुगतानों का पूर्ण निराकरण नहीं होता, तब तक जगदलपुर डिवीजन की ओर से जारी होने वाली सभी नई निविदाओं में कोई भी सदस्य भाग नहीं लेगा। संघ ने शासन से जल्द से जल्द लंबित राशि का भुगतान की मांग की है।

कोंड़ागांव में 13 से 18 जुलाई तक चलेगा नि:शुल्क एचपीवी विशेष टीकाकरण सप्ताह

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

कोंड़ागांव, 11 जुलाई। संचालक स्वास्थ्य सेवाएं, छत्तीसगढ़ के निर्देशानुसार तथा कलेक्टर नूपुर राशि पन्ना के मार्गदर्शन में जिले में 13 जुलाई से 18 जुलाई 2026 तक ह्यूमन पैपिलोमा वायरस (एचपीवी) विशेष टीकाकरण सप्ताह आयोजित किया जाएगा। यह अभियान महिलाओं में होने वाले सर्वाइकल कैंसर की रोकथाम के उद्देश्य से संचालित किया जा रहा है। अभियान का मुख्य उद्देश्य उन सभी पात्र बालिकाओं का शत-प्रतिशत टीकाकरण सुनिश्चित करना है, जो अब तक एचपीवी वैक्सीन से वंचित रह गई हैं। स्वास्थ्य विभाग से प्राप्त जानकारी के अनुसार राज्य में एचपीवी टीकाकरण अभियान के अंतर्गत कोण्डागांव जिले में लगभग 6,720 पात्र बालिकाओं के टीकाकरण का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। वर्तमान में अपेक्षाकृत कम बालिकाओं का टीकाकरण हो पाने के कारण शेष पात्र बालिकाओं तक वैक्सीन पहुंचाने के लिए विशेष टीकाकरण सप्ताह आयोजित किया जा रहा है। विशेष अभियान के दौरान जिले के सभी विकासखंडों में माइक्रोप्लान तैयार किए जाएंगे। स्वास्थ्य कार्यकर्ताओं को आवश्यक प्रशिक्षण प्रदान किया जाएगा तथा नियमित टीकाकरण सत्रों एवं स्वास्थ्य संस्थानों के माध्यम से पात्र बालिकाओं को टीका लगाया जाएगा। साथ ही प्रत्येक लाभार्थी का विवरण यू-विन पोर्टल पर रियल-टाइम दर्ज किया जाएगा, जिससे अभियान की प्रभावी निगरानी सुनिश्चित की जा सके। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. आर.के. चतुर्वेदी तथा जिला टीकाकरण अधिकारी डॉ. प्रतीक चौधरी ने अभिभावकों से अपील की है कि वे अपनी पात्र बेटियों को निकटतम स्वास्थ्य केंद्र अथवा निर्धारित टीकाकरण केंद्र में ले जाकर एचपीवी का निःशुल्क टीका अवश्य लगवाएं। उन्होंने बताया कि एचपीवी टीका सर्वाइकल कैंसर से बचाव का एक प्रभावी एवं सुरक्षित माध्यम है।स्वास्थ्य विभाग ने आमजन से इस विशेष टीकाकरण अभियान में सक्रिय सहयोग करने तथा पात्र बालिकाओं को समय पर टीकाकरण के लिए प्रेरित करने की अपील की है, ताकि जिले में सर्वाइकल कैंसर की रोकथाम की दिशा में प्रभावी कदम उठाया जा सके।

सेवा सेतु से अंकिता ओयम को मिला समय पर विवाह पंजीयन प्रमाणपत्र

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

बीजापुर, 11 जुलाई। शासन की जनहितकारी पहल 'सेवा सेतु' नागरिकों को शासकीय सेवाएं सरल, पारदर्शी और समयबद्ध तरीके से उपलब्ध कराने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है। डिजिटल व्यवस्था के माध्यम से अब लोगों को आवश्यक प्रमाण-पत्रों और अन्य शासकीय सेवाओं के लिए बार-बार कार्यालयों के चक्कर नहीं लगाने पड़ रहे हैं। सेवा सेतु केन्द्रों के जरिए विभिन्न सेवाएं तेजी से आमजन तक पहुंच रही हैं, जिससे शासन के प्रति नागरिकों का विश्वास लगातार मजबूत हो रहा है।

इसी क्रम में ग्राम भुसापुर, तहसील उसूर की हितग्राही अंकिता ओयम को सेवा सेतु केन्द्र के माध्यम से समयबद्ध प्रक्रिया में विवाह पंजीयन प्रमाण-पत्र प्रदान किया गया। तहसील कार्यालय उसूर स्थित सेवा सेतु केन्द्र में प्राप्त आवेदन (क्रमांक 2303012618000236) का त्वरित निराकरण करते हुए उन्हें प्रमाण-पत्र उपलब्ध कराया गया।

प्रमाण-पत्र का वितरण सेवा सेतु मैनेजर मंजुलता दुर्गम एवं शंकर मोडियम द्वारा किया गया। पूरी प्रक्रिया डिजिटल माध्यम से संपन्न होने के कारण हितग्राही को किसी प्रकार की अनावश्यक भागदौड़ नहीं करनी पड़ी। समय पर प्रमाण-पत्र मिलने से उन्होंने खुशी व्यक्त करते हुए शासन की इस अभिनव पहल की सराहना की।

अंकिता ओयम ने बताया कि पहले विवाह पंजीयन जैसे कार्यों के लिए विभिन्न कार्यालयों के कई चक्कर लगाने पड़ते थे, लेकिन सेवा सेतु केन्द्र के माध्यम से आवेदन प्रक्रिया बेहद सरल और सुविधाजनक रही। निर्धारित समय में प्रमाण-पत्र मिलने से उनके आवश्यक कार्य बिना किसी परेशानी के पूरे हो सके। उन्होंने कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों के लोगों के लिए सेवा सेतु केन्द्र एक अत्यंत उपयोगी और भरोसेमंद व्यवस्था बनकर उभरा है।

हितग्राही की प्रतिक्रिया

इस संबंध में अंकिता ओयम, ग्राम भुसापुर ने कहा कि सेवा सेतु केन्द्र के माध्यम से विवाह पंजीयन प्रमाण-पत्र प्राप्त करने की पूरी प्रक्रिया बेहद आसान और पारदर्शी रही। मुझे समय पर प्रमाण-पत्र मिला, जिससे मेरे आवश्यक कार्य बिना किसी परेशानी के पूरे हो सके। इसके लिए मैं शासन-प्रशासन एवं सेवा सेतु केन्द्र का हार्दिक आभार व्यक्त करती हूँ।

मानसूनी बारिश से चित्रकोट जलप्रपात की खूबसूरती देखने लायक है

जगदलपुर, 11 जुलाई। (तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता)। बस्तर का चित्रकोट जलप्रपात मानसून की बारिश के बाद फिर अपने खूबसूरत स्वरूप में नजर आने लगा है। मानसून सीजन की पहली ड्रोन तस्वीरों में जलप्रपात से 4 बड़ी धाराएं बहती दिख रही हैं। करीब दो-तीन महीने पहले गर्मी के कारण चित्रकोट लगभग सूख गया था। बस्तर में लगातार हो रही बारिश से इंद्रावती नदी का जलस्तर बढ़ गया है। इसका असर चित्रकोट जलप्रपात पर साफदिखाई दे रहा है। जलप्रपात का सुंदर नजारा देखने के लिए अब बड़ी संख्या में पर्यटक पहुंचने लगे हैं। बस्तर संभाग में पिछले कुछ दिनों से लगातार बारिश हो रही है। इससे इंद्रावती नदी का जलस्तर बढ़ा है। इसी नदी का पानी चित्रकोट जलप्रपात में गिरता है। पानी बढ़ने के साथ जलप्रपात की धाराएं भी चौड़ी और तेज हो गई हैं। अगर बारिश ऐसे ही जारी रही तो आने वाले दिनों में जलप्रपात और भी भव्य दिखाई देगा। मानसून शुरू होते ही चित्रकोट जलप्रपात की रौनक लौट आई है। बड़ी संख्या में पर्यटक यहां पहुंच रहे हैं। ड्रोन से दिख रही जलधाराएं और चारों ओर फैली हरियाली लोगों को खूब आकर्षित कर रही है। इससे स्थानीय पर्यटन कारोबारियों को भी राहत मिलने की उम्मीद है।

वन मंत्री ने स्कूल में पौधारोपण कर निःशुल्क पौधा वितरण वाहन को दिखाई हरी झंडी

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

कोंड़ागांव, 11 जुलाई । जिले में वन महोत्सव के अवसर पर आज शुक्रवार को वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्री केदार कश्यप ने आज गोलावंड स्थित एकलव्य आदर्श आवासीय विद्यालय परिसर में एक पेड़ मां के नाम अभियान के तहत पौधरोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया। इस अवसर पर उन्होंने हरित छत्तीसगढ़ के संकल्प को जन-जन तक पहुंचाने के उद्देश्य से निःशुल्क पौधा वितरण वाहन को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया।

वन मंत्री केदार कश्यप ने कहा कि एक पेड़ मां के नाम केवल पौधरोपण का अभियान नहीं, बल्कि प्रकृति, मातृत्व और आने वाली पीढ़ियों के प्रति हमारी जिम्मेदारी का प्रतीक है। प्रत्येक नागरिक यदि अपनी मां के सम्मान में एक पौधा लगाकर उसकी देखभाल का संकल्प ले, तो छत्तीसगढ़ को और अधिक हराभरा एवं पर्यावरण के प्रति संवेदनशील बनाया जा सकता है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार हरित छत्तीसगढ़ के निर्माण के लिए जनभागीदारी को सर्वोच्च प्राथमिकता दे रही है। इसी उद्देश्य से निःशुल्क पौधा वितरण वाहन के माध्यम से प्रदेश के अधिक से अधिक लोगों तक पौधे पहुंचाए जाएंगे, ताकि प्रत्येक परिवार पर्यावरण संरक्षण के इस अभियान से जुड़ सके।

केदार कश्यप ने विद्यार्थियों से भी अधिक से अधिक पौधे लगाने और उनकी नियमित देखभाल करने का आह्वान करते हुए कहा कि आज लगाया गया एक पौधा भविष्य की पीढ़ियों को स्वच्छ वातावरण, शुद्ध वायु और सुरक्षित जीवन प्रदान करेगा। उन्होंने सभी नागरिकों से पर्यावरण संरक्षण को जनआंदोलन बनाने की अपील करते हुए एक पेड़ मां के नाम अभियान में सक्रिय भागीदारी निभाने का आग्रह किया।

एक नजर

कोसमबुड़ा-सारागांव मार्ग पर क्षतिग्रस्त पुल का विधायक ने किया निरीक्षण,मरम्मत के दिए निर्देश

छुरा, 11 जुलाई (तछस.)। लगातार बारिश के बीच कोसमबुड़ा-सारागांव मार्ग पर क्षतिग्रस्त हुए पुल और बह चुकी एप्रोच रोड का शनिवार को राजिम विधायक रोहित साहू ने मौके पर पहुंचकर निरीक्षण किया। पुल की बदहाल स्थिति देखकर उन्होंने संबंधित विभाग के अधिकारियों से पूरी जानकारी ली और लापरवाही नहीं बरतने की सख्त हिदायत देते हुए जनता की सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता देने के निर्देश दिए।

निरीक्षण के दौरान विधायक ने पुल के दोनों ओर सुरक्षा इंतजामों का जायजा लिया और अधिकारियों से कहा कि जब तक स्थायी मरम्मत पूरी नहीं हो जाती, तब तक दुर्घटना रोकने के लिए मजबूत बैरिकेडिंग, चेतावनी बोर्ड, रात्रि में पर्याप्त प्रकाश व्यवस्था तथा निगरानी की पुख्ता व्यवस्था सुनिश्चित की जाए। उन्होंने स्पष्ट कहा कि किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी।विधायक रोहित साहू ने कहा कि यह मार्ग क्षेत्र के अनेक गांवों को जोड़ने वाला महत्वपूर्ण संपर्क मार्ग है। पुल क्षतिग्रस्त होने से ग्रामीणों, विद्यार्थियों, किसानों, व्यापारियों तथा मरीजों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। ऐसे में विभाग तत्काल वैकल्पिक आवागमन की व्यवस्था करे और पुल की मरम्मत का कार्य युद्धस्तर पर शुरू किया जाए। उन्होंने अधिकारियों को तकनीकी टीम से क्षति का विस्तृत मूल्यांकन कर शीघ्र प्रस्ताव तैयार करने तथा शासन स्तर पर आवश्यक स्वीकृतियां प्राप्त कर कार्य प्रारंभ करने के निर्देश दिए। साथ ही यह भी कहा कि भविष्य में ऐसी स्थिति दोबारा न बने, इसके लिए गुणवत्ता और तकनीकी मानकों का विशेष ध्यान रखा जाए।निरीक्षण के दौरान स्थानीय ग्रामीणों ने विधायक को पुल टूटने के बाद हो रही कठिनाइयों से अवगत कराया। ग्रामीणों ने बताया कि रोजमर्रा की आवाजाही, कृषि कार्य, स्कूल-कॉलेज आने-जाने और आवश्यक सेवाओं पर इसका गंभीर असर पड़ा है। विधायक ने उनकी समस्याएं सुनकर जल्द समाधान का भरोसा दिलाया। इस अवसर पर संबंधित विभाग के अधिकारी, जनप्रतिनिधि एवं बड़ी संख्या में ग्रामीण उपस्थित रहे। विधायक ने अधिकारियों से कहा कि कार्यों की नियमित मॉनिटरिंग करते हुए जल्द से जल्द मार्ग को सुरक्षित और सुचारु बनाया जाए, ताकि क्षेत्रवासियों को राहत मिल सके।

चार प्रकरण में सोलह लाख रुपए की आर्थिक सहायता राशि स्वीकृत

कांकेर, 11 जुलाई । कलेक्टर श्री निलेश कुमार महादेव क्षीरसागर द्वारा सर्प काटने, तालाब एवं डबरी में डूबने से मृत्यु होने के चार प्रकरणों में मृतकों के निकटतम आश्रितों के लिए चार-चार लाख रूपए की मान से 16 लाख रूपए की आर्थिक सहायता स्वीकृत की गई हैं।

बांदे तहसील के शांति नगर निवासी 71 वर्षीय सुधीर सरकार की सर्प काटने से मृत्यु होने के प्रकरण में उनकी पत्नी श्रीमती सेफाली सरकार के लिए चार लाख रूपए की आर्थिक सहायता राशि स्वीकृत की गई है।

1100 पेड़ मां के नाम लगाने का शुभारंभ नवीन प्राथमिक शाला से

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

खरसिया,11 जुलाई। 9 जुलाई को माँ के नाम 1100 पौधों का वृहद वृक्षारोपण कार्यक्रम का शुभारंभ नवीन प्राथमिक शाला मे खरसिया परिक्षेत्र के परिक्षेत्राधिकारी लीला पटेल के मुख्य आतिथ्य मे किया गया। विदित हो की नगर के प्रतिष्ठित एमआर परिवार द्वारा अपनी माता स्व. मणी देवी की स्मृति मे 1100 पौधों का वृक्षारोपण का संकल्प लिया गया। जिसके तहत एमआर परिवार द्वारा जन जागृती की अलख जगाने नवीन प्राथमिक शाला मे महती सभा का आयोजन किया गया। जिसमे प्रमुख रूप से खरसिया के सम्माननीय नागरिकगण, शिक्षक-शिक्षिका, छात्र-छात्राएं, लायंस क्लब खरसिया सिटी वन मण्डल के अधिकारी एवं भारत विकास मंच गायत्री परिवार की उपस्थिति सराहनीय रही।

एमआर परिवार के ऋषि अग्रवाल द्वारा सभी उपस्थितजनों का स्वागत एवं अभिनन्दन किया गया तथा कार्यक्रम की रुपरेखा पर प्रकाश डाला गया। श्री एन.पी. पांडे द्वारा पर्यावरण के लिए हरित क्रांति के महत्व को विस्तार पूर्वक प्रस्तुत किया गया। मुख्य अतिथि युवा रेंज अफसर श्रीमती लीला पटेल द्वारा पौधे एवं वृक्षों के लिए विस्तार से बताते हुए कहा की जहां हरियाली है वहां पर्यावरण सुरक्षित है। प्राचार्य गीता मैडम द्वारा घर की बागवानी मे पौधों की महत्ता पर प्रकाश डाला।एमआर परिवार के वरिष्ठ सदस्य श्री सुरेश अग्रवाल द्वारा सभा का आभार व्यक्त किया गया। राकेश गायत्री द्वारा सभा का संचालन किया गया। उपरोक्त कार्यक्रम में स्कूल संचालन समिति के अध्यक्ष दुर्गा प्रसाद गर्ग, प्राथमिक शाला संचालन समिति अध्यक्ष संजय गुप्ता, भारत विकास मंच के अध्यक्ष राजेश अग्रवाल, संजय गुप्ता(पत्रकार), लायंस क्लब के अध्यक्ष संजय अग्रवाल, रामनारायण सोनी, अनिल अग्रवाल, ओमप्रकाश गोयल, सरिता देवी, स्वेता अग्रवाल, कुजूर मैडम एवं नागरिकगण, शिक्षकगण तथा छात्र-छात्राएं बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।

नए शैक्षणिक सत्र में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा पर जिला प्रशासन का विशेष फोकस

रायगढ़, 11 जुलाई। जिले के शासकीय विद्यालयों में नए शैक्षणिक सत्र की शुरुआत के साथ शिक्षा की गुणवत्ता को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए जिला प्रशासन ने व्यापक कार्ययोजना तैयार की है। कलेक्टर श्री मयंक चतुर्वेदी ने शुक्रवार को शिक्षा विभाग की समीक्षा बैठक में कहा कि विद्यालयों का उद्देश्य केवल पठन-पाठन संचालित करना नहीं, बल्कि प्रत्येक विद्यार्थी तक गुणवत्तापूर्ण शिक्षा पहुंचाना और उसके सीखने के स्तर में निरंतर सुधार सुनिश्चित करना है। उन्होंने सभी विद्यालयों में शिक्षकों की नियमित उपस्थिति, समय पर कक्षाओं का संचालन, प्रभावी अध्यापन तथा विद्यार्थियों की शैक्षणिक प्रगति की सतत निगरानी सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि शिक्षा की गुणवत्ता से किसी भी प्रकार का समझौता स्वीकार नहीं किया जाएगा तथा लापरवाही बरतने वालों की जवाबदेही तय कर नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी।कलेक्टर ने कहा कि शासकीय विद्यालयों में पढ़ने वाले अधिकांश बच्चे ऐसे परिवारों से आते हैं।

नैनो डीएपी और नैनो यूरिया से घटी खेती की लागत और बढ़ा किसानों का मुनाफा

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

रायगढ़, 11 जुलाई। खरीफ सीजन में रासायनिक उर्वरकों के संतुलित उपयोग को बढ़ावा देने के लिए सहकारी समितियों के माध्यम से उपलब्ध कराए जा रहे नैनो डीएपी और नैनो यूरिया किसानों के लिए लाभकारी साबित हो रहे हैं। किसानों का कहना है कि इन उत्पादों के उपयोग से जहां उर्वरकों पर होने वाला खर्च कम हुआ है, वहीं फसल की गुणवत्ता और उत्पादन में भी सकारात्मक परिणाम देखने को मिले हैं।

ग्राम उसरौट के किसान नरेश कुमार पटेल ने अपने अनुभव साझा करते हुए बताया कि उन्होंने ग्रीष्मकालीन धान में नैनो डीएपी का प्रयोग किया।

इसके परिणामस्वरूप खेत में पारंपरिक मात्रा की तुलना में आधी डीएपी डालने के बावजूद धान में अधिक कंसे, मजबूत तने और बेहतर वृद्धि देखने को मिली। वहीं नैनो यूरिया के उपयोग से यूरिया पर होने वाला खर्च लगभग 50 प्रतिशत तक कम हो गया। उन्होंने कहा कि दोनों तरल उर्वरकों के उपयोग से खेती की लागत घटी है और किसानों का लाभ बढ़ा है। नरेश कुमार पटेल ने कहा कि इस वर्ष पारंपरिक उर्वरकों की कमी के बीच भी नैनो डीएपी और नैनो यूरिया की उपलब्धता सुनिश्चित किए जाने से किसानों को बड़ी राहत मिली है। इसके लिए उन्होंने राज्य सरकार तथा मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के प्रति आभार व्यक्त किया।बता दें कि सहकारी समितियों में इन उत्पादों की नियमित उपलब्धता तथा कर्मचारियों द्वारा समय-समय पर दी जा रही तकनीकी जानकारी किसानों के लिए काफी उपयोगी साबित हो रही है। किसानों को उत्पाद उपलब्ध होने की सूचना भी समय पर दी जाती है, जिससे उन्हें अनावश्यक परेशानी नहीं होती। नैनो डीएपी का उपयोग धान के बीज उपचार में किया जाता है। बुआई से लगभग आधा घंटा पहले प्रति किलोग्राम धान बीज में 5 मिलीलीटर नैनो डीएपी मिलाकर उपचारित करने के बाद बीज को सुखाकर बुवाई करने से बेहतर अंकुरण और पौधों की शुरुआती वृद्धि में लाभ मिलता है। इसी प्रकार नैनो यूरिया का उपयोग फसल की वृद्धि अवस्था में स्प्रे के माध्यम से किया जाता है। धान की फसल 20 से 22 दिन की होने पर एक एकड़ क्षेत्र में एक बोतल नैनो यूरिया का छिड़काव करने से पारंपरिक यूरिया की आवश्यकता कम हो जाती है। इससे एक एकड़ में यूरिया की खपत को लगभग 25 से 30 किलोग्राम तक सीमित किया जा सकता है, जिससे लागत में उल्लेखनीय कमी आती है।

एकलव्य आदर्श आवासीय विद्यालय भोरिंग के लिए आवेदन आमंत्रित

महासमुंद 11 जुलाई । एकलव्य आदर्श आवासीय विद्यालय, भोरिंग में शिक्षा सत्र 2026-27 के लिए सीबीएसई पाठ्यक्रम के अंतर्गत अंग्रेजी माध्यम की कक्षा 7वीं, 8वीं, 9वीं एवं 11वीं में लेटरल एंट्री के माध्यम से रिक्त सीटों पर प्रवेश दिया जाएगा। उच्च कार्यालय के निर्देशानुसार विद्यालय में उपलब्ध रिक्त सीटों की पूर्ति के लिए पात्र विद्यार्थियों से आवेदन आमंत्रित किए गए हैं।प्राचार्य एकलव्य आदर्श आवासीय विद्यालय भोरिंग ने बताया कि प्रवेश के इच्छुक विद्यार्थी 20 जुलाई 2026 तक प्रातः 10 बजे से सायं 4 बजे तक एकलव्य आदर्श आवासीय विद्यालय, भोरिंग में आवेदन पत्र जमा कर सकते हैं।

नगर निगम क्षेत्र के विभिन्न विकास कार्यों का कलेक्टर ने किया निरीक्षण

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

रायगढ़, 11 जुलाई। कलेक्टर श्री मयंक चतुर्वेदी ने आज नगर पालिक निगम रायगढ़ क्षेत्र अंतर्गत विभिन्न विकास कार्यों का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने शहर की यातायात व्यवस्था को अधिक सुगम और व्यवस्थित बनाने के उद्देश्य से केलो नदी के किनारे प्रस्तावित फोरलेन मार्ग के निर्माण स्थल का अवलोकन किया तथा संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान उन्होंने उर्दना चौक से लेकर संबलपुर राष्ट्रीय राजमार्ग तक एक वैकल्पिक और सुगम मार्ग विकसित करने के लिए नए सड़क निर्माण कार्य को प्राथमिकता के साथ आगे बढ़ाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि यह मार्ग शहर के भविष्य के यातायात प्रबंधन की दृष्टि से अत्यंत महत्वपूर्ण साबित होगा।

प्रस्तावित सड़क परियोजना के अंतर्गत एसईसीएल क्षेत्र से बोंदाटिकरा पुल, बोंदाटिकरा पुल से आकाशवाणी रोड होते हुए मेडिकल कॉलेज तक सड़क निर्माण कार्य शामिल किया गया है। कलेक्टर ने इस परियोजना के लिए आवश्यक स्वीकृतियां एवं भू-अर्जन की प्रक्रिया शीघ्र पूर्ण करने हेतु लोक निर्माण विभाग (पीडब्ल्यूडी) के अधिकारियों को निर्देशित किया। उन्होंने अधिकारियों से कहा कि परियोजना से जुड़े सभी प्रशासनिक और तकनीकी कार्यों को प्राथमिकता के आधार पर पूरा किया जाए ताकि निर्माण कार्य जल्द प्रारंभ होकर निर्धारित समय में पूर्ण किया जा सके।

प्रस्तावित मार्ग के निर्माण के बाद उर्दना मोड़ चौक से बड़े रामपुर, सर्किट हाउस, केलो नदी तट एवं मरीन ड्राइव होते हुए सीधे बोंदाटिकरा पुल तक पहुंचना आसान हो जाएगा। इसके साथ ही जशपुर रोड से आने वाले वाहन बिना शहर के भीतरी हिस्से में प्रवेश किए सीधे बिलासपुर-संबलपुर राष्ट्रीय राजमार्ग तथा आगे रायपुर मार्ग तक पहुंच सकेंगे। इस नई व्यवस्था से शहर के मुख्य मार्गों पर वाहनों का दबाव कम होगा तथा भारी वाहनों को भी वैकल्पिक मार्ग उपलब्ध हो सकेगा।

सीईओ जिला पंचायत ने कुर्रा के बिरहोर बस्ती के लोगों से योजनाओं और सुविधाओं की जानकारी ली

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

रायगढ़, 11 जुलाई। जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री अभिजीत बबन पठारे ने विकासखण्ड लैलूंगा के बिरहोर बस्ती कुर्रा का निरीक्षण किया। उन्होंने बिरहोर समुदाय के परिवारों से चर्चा कर उनकी सामाजिक एवं आर्थिक स्थिति, शासकीय योजनाओं के लाभ तथा मूलभूत सुविधाओं की उपलब्धता की जानकारी ली। निरीक्षण के दौरान उन्होंने कुर्रा के प्राथमिक एवं माध्यमिक विद्यालय तथा आंगनबाड़ी केन्द्र का भी निरीक्षण किया। विद्यालयों में विद्यार्थियों की उपस्थिति, शैक्षणिक गतिविधियों, मध्यान्ह भोजन व्यवस्था, स्वच्छता, पेयजल एवं अन्य आवश्यक सुविधाओं का जायजा लिया।

आंगनबाड़ी केन्द्र में बच्चों को प्रदान किए जा रहे पूरक पोषण आहार, टीकाकरण एवं अन्य सेवाओं की भी जानकारी ली। निरीक्षण के दौरान पाई गई कमियों को दूर करने तथा शिक्षा एवं पोषण सेवाओं की गुणवत्ता में सुधार लाने के लिए संबंधित अधिकारियों एवं कर्मचारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।सीईओ जिला पंचायत श्री पठारे ने ग्राम पंचायत पहाड़लुडेग पहुंचकर केलो नदी के उद्गम स्थल का भी अवलोकन किया। उन्होंने केलो उद्गम स्थल के संरक्षण, संवर्धन एवं पर्यटन की संभावनाओं को विकसित करने के संबंध में जिला स्तरीय समिति तथा केलो उद्गम संरक्षण समिति के सदस्यों के साथ विस्तृत चर्चा की। उन्होंने उद्गम स्थल के प्राकृतिक स्वरूप को संरक्षित रखते हुए वहां आवश्यक आधारभूत सुविधाओं के विकास, पर्यावरण संरक्षण तथा स्थानीय जनभागीदारी को बढ़ावा देने पर जोर दिया। साथ ही क्षेत्र को धार्मिक, सांस्कृतिक एवं पर्यटन की दृष्टि से विकसित करने के लिए संभावित कार्ययोजना पर विचार-विमर्श किया।जिला पंचायत सीईओ श्री पठारे ने कहा कि जनजातीय क्षेत्रों में शिक्षा, स्वास्थ्य एवं पोषण सेवाओं को और अधिक प्रभावी बनाना प्रशासन की प्राथमिकता है। इसके साथ ही जिले की प्राकृतिक एवं सांस्कृतिक धरोहरों के संरक्षण और संवर्धन के लिए समन्वित प्रयास किए जाएंगे। उन्होंने संबंधित विभागों को निर्धारित समय-सीमा में आवश्यक कार्यवाही सुनिश्चित करने तथा विकास कार्यों को गति देने के निर्देश दिए। इस अवसर पर डीडी पंचायत सहित विभागीय अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित रहे।

केलो नदी किनारे विकसित होगा नया फोरलेन कॉरिडोर, कलेक्टर ने किया स्थल निरीक्षण

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

रायगढ़, 11 जुलाई। कलेक्टर श्री मयंक चतुर्वेदी ने आज नगर पालिक निगम रायगढ़ क्षेत्र अंतर्गत विभिन्न विकास कार्यों का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने शहर की यातायात व्यवस्था को अधिक सुगम और व्यवस्थित बनाने के उद्देश्य से केलो नदी के किनारे प्रस्तावित फोरलेन मार्ग के निर्माण स्थल का अवलोकन किया तथा संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान उन्होंने उर्दना चौक से लेकर संबलपुर राष्ट्रीय राजमार्ग तक एक वैकल्पिक और सुगम मार्ग विकसित करने के लिए नए सड़क निर्माण कार्य को प्राथमिकता के साथ आगे बढ़ाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि यह मार्ग शहर के भविष्य के यातायात प्रबंधन की दृष्टि से अत्यंत महत्वपूर्ण साबित होगा।

प्रस्तावित सड़क परियोजना के अंतर्गत एसईसीएल क्षेत्र से बोंदाटिकरा पुल, बोंदाटिकरा पुल से आकाशवाणी रोड होते हुए मेडिकल कॉलेज तक सड़क निर्माण कार्य शामिल किया गया है। कलेक्टर ने इस परियोजना के लिए आवश्यक स्वीकृतियां एवं भू-अर्जन की प्रक्रिया शीघ्र पूर्ण करने हेतु लोक निर्माण विभाग (पीडब्ल्यूडी) के अधिकारियों को निर्देशित किया। उन्होंने अधिकारियों से कहा कि परियोजना से जुड़े सभी प्रशासनिक और तकनीकी कार्यों को प्राथमिकता के आधार पर पूरा किया जाए ताकि निर्माण कार्य जल्द प्रारंभ होकर निर्धारित समय में पूर्ण किया जा सके।

प्रस्तावित मार्ग के निर्माण के बाद उर्दना मोड़ चौक से बड़े रामपुर, सर्किट हाउस, केलो नदी तट एवं मरीन ड्राइव होते हुए सीधे बोंदाटिकरा पुल तक पहुंचना आसान हो जाएगा। इसके साथ ही जशपुर रोड से आने वाले वाहन बिना शहर के भीतरी हिस्से में प्रवेश किए सीधे बिलासपुर-संबलपुर राष्ट्रीय राजमार्ग तथा आगे रायपुर मार्ग तक पहुंच सकेंगे। इस नई व्यवस्था से शहर के मुख्य मार्गों पर वाहनों का दबाव कम होगा तथा भारी वाहनों को भी वैकल्पिक मार्ग उपलब्ध हो सकेगा। इससे आम नागरिकों को ट्रैफिक जाम से राहत मिलने के साथ-साथ यात्रा समय में भी कमी आएगी।

इंटरनल रिंग रोड से शहर के ट्रैफिक दबाव में आएगी कमी

प्रस्तावित इंटरनल रिंग रोड के विकसित होने से शहर के यातायात दबाव में लगभग 40 प्रतिशत तक कमी लाई जा सकती है। यह परियोजना भविष्य में रायगढ़ शहर के नियोजित शहरी विकास और बेहतर यातायात प्रबंधन की दिशा में महत्वपूर्ण कदम साबित होगी। प्रस्तावित चार मरीन ड्राइव परियोजनाओं में से तीन पर वर्तमान में कार्य प्रगति पर है, जबकि शेष 2.3 किलोमीटर लंबाई के मरीन ड्राइव मार्ग के निर्माण के लिए कलेक्टर ने पीडब्ल्यूडी को आवश्यक कार्रवाई करने के निर्देश दिए हैं। इस परियोजना के लिए राज्य शासन से पीडब्ल्यूडी को सैद्धांतिक सहमति भी प्राप्त हो चुकी है।

सीधे बैंक खातों में पहुंच रही राशि,ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मिलेगा बल

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

रायगढ़, 11 जुलाई। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय की मंशा एवं वन मंत्री श्री केदार कश्यप की पहल से वर्ष 2023 के तेन्दूपत्ता संग्रहण सीजन के लिए प्रोत्साहन पारिश्रमिक (बोनस) राशि का वितरण प्रारंभ कर दिया गया है। राज्य स्तरीय सहकारिता सप्ताह एवं अंतर्राष्ट्रीय सहकारिता दिवस के अवसर पर 3 जुलाई 2026 से बोनस वितरण की प्रक्रिया शुरू हुई है। इसके तहत जिला यूनियन धरमजयगढ़ अंतर्गत तेन्दूपत्ता संग्राहकों को कुल 17 करोड़ 43 लाख रुपये की राशि ऑनलाइन माध्यम से सीधे उनके बैंक खातों में अंतरित की जा रही है। इस पहल का उद्देश्य तेन्दूपत्ता संग्राहकों को आर्थिक संबल प्रदान करना है, जिससे वे कृषि कार्य, बच्चों की शिक्षा, स्वास्थ्य और अन्य पारिवारिक आवश्यकताओं की पूर्ति बेहतर ढंग से कर सकें।

वनमंडलाधिकारी एवं पदेन प्रबंध संचालक जिला वनोपज सहकारी यूनियन मर्यादित धरमजयगढ़ ने जानकारी देते हुए बताया कि जिला यूनियन धरमजयगढ़ के अंतर्गत 58 समितियों में बोनस वितरण किया जा रहा है, जिसमें अधिकतम दर प्राथमिक वनोपज सहकारी समिति बोरो में

4710.58 रूपये प्रति मानक बोरा दर प्राप्त हुई है। इसके बाद प्राथमिक समिति रायमेर को 4616.76 रूपये प्रति मानक बोरा का प्रोत्साहन पारिश्रमिक मिला है। जिला यूनियन धरमजयगढ़ के अंतर्गत 59 प्राथमिक वनोपज सहकारी समितियों के माध्यम से वर्ष 2023 सीजन में 70945.485 मानक बोरा संग्रहण हुआ था, इसके एवज में 46,840 हितग्राहियों को कुल 17 करोड़ 43 लाख रूपये का बोनस वितरण किया जा रहा है। इससे इन समितियों से जुड़े संग्राहकों में विशेष उत्साह का वातावरण देखा जा रहा है। सहायता सुनिश्चित हुई है तथा हितग्राहियों को समय पर राशि प्राप्त हो रही है। तेन्दूपत्ता संग्राहकों का कहना है कि बोनस राशि से उन्हें खेती-किसानी, बच्चों की पढ़ाई और घरेलू आवश्यकताओं को पूरा करने में मदद मिलेगी। समय पर मिली इस आर्थिक सहायता से ग्रामीण अर्थव्यवस्था को भी मजबूती मिलेगी तथा संग्राहकों के चेहरों पर खुशी और संतोष साफ दिखाई दे रहा है।

जिला स्तरीय बाढ़ नियंत्रण कक्ष संचालन स्थल में परिवर्तन

रायगढ़, 11 जुलाई। आगामी मानसून के दौरान संभावित प्राकृतिक आपदाओं से प्रभावी ढंग से निपटने तथा राहत एवं बचाव कार्यों के बेहतर समन्वय के उद्देश्य से जिला प्रशासन ने जिला स्तरीय बाढ़ नियंत्रण कक्ष के संचालन स्थल में परिवर्तन किया है। कलेक्टर एवं अध्यक्ष, जिला आपदा प्रबंधन प्राधिकरण रायगढ़ के आदेशानुसार अब जिला स्तरीय बाढ़ नियंत्रण कक्ष जिला कार्यालय रायगढ़ के कक्ष क्रमांक-42 से संचालित होगा। पूर्व में यह नियंत्रण कक्ष जिला कार्यालय के कक्ष क्रमांक-10 में स्थापित किया गया था। कार्यालयीन कार्यों के सुचारु संचालन को ध्यान में रखते हुए इसे अब कक्ष क्रमांक-42 में स्थानांतरित किया गया है। यह व्यवस्था आगामी आदेश तक प्रभावी रहेगी।मानसून के दौरान बाढ़, जलभराव, अतिवृष्टि, पेड़ गिरने, जन-धन की हानि अथवा अन्य प्राकृतिक आपदाओं से संबंधित किसी भी सूचना या सहायता के लिए नागरिक जिला स्तरीय बाढ़ नियंत्रण कक्ष के हेल्पलाइनध्टोल फ्री नंबर 07762-223750 पर तत्काल संपर्क कर सकते हैं।

जिले में 248.3 मि.मी.औसत वर्षा दर्ज

रायगढ़, 11 जुलाई। रायगढ़ जिले में 10 जुलाई तक 248.3 मि.मी.औसत वर्षा दर्ज की गई है। बीते 24 घंटे में जिले में 10.7 मिली मीटर औसत वर्षा हुई है। भू-अभिलेख शाखा से प्राप्त जानकारी के अनुसार 1 जून 2026 से अब तक जिले के रायगढ़ तहसील में 361.6 मिली मीटर, पुसौर में 236, खरसिया में 214.7, घरघोड़ा में 152.3, तमनार में 342.4, लैलूंगा में 241.6, मुकडेगा में 171.8, धरमजयगढ़ में 162, छाल में 224.9 एवं कापू में 375.5 मिली मीटर वर्षा दर्ज की गई है।

गरियाबंद में प्रतिभा खोज प्रतियोगिता पोस्टर का विमोचन,31 जुलाई तक छात्र ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

छुरा, 11 जुलाई। छत्तीसगढ़ प्रदेश कुर्मी क्षत्रिय समाज युवा प्रकोष्ठ के तत्वावधान में आगामी 9 अगस्त 2026 को राज्य स्तरीय वृहद सामान्य ज्ञान परीक्षा छत्रपति शिवाजी महाराज प्रतिभा खोज प्रतियोगिता-2026 का आयोजन किया जा रहा है। इस परीक्षा के प्रचार-प्रसार और तैयारियों की रूपरेखा तय करने के लिए गरियाबंद विश्राम गृह में एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई, जिसमें प्रतियोगिता के आधिकारिक पोस्टर का विमोचन गरिमामय उपस्थिति में संपन्न हुआ। इस परीक्षा का मुख्य उद्देश्य समाज के युवाओं और प्रतिभावान छात्रों को प्रतियोगी परीक्षाओं के प्रति जागरूक करना और उन्हें भविष्य के लिए एक बेहतर और मजबूत प्लेटफॉर्म प्रदान करना है। प्रदेश स्तरीय इस परीक्षा में शामिल होने के लिए ऑनलाइन पंजीयन की प्रक्रिया शुरू हो चुकी है। इच्छुक छात्र-छात्राएं 31 जुलाई 2026 तक

अपना ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन सुनिश्चित कर सकते हैं। यह परीक्षा 9 अगस्त को छत्तीसगढ़ के सभी जिलों में एक साथ आयोजित की जाएगी जिससे कुर्मी समाज के युवाओं को अपनी प्रतिभा दिखाने का अवसर मिलेगा। इसके रजिस्ट्रेशन के लिए गूगल फॉर्म की सुविधा जारी की गई है जिसका रजिस्ट्रेशन शुल्क 50 रुपए निर्धारित है।

पोस्टर विमोचन के इस विशेष अवसर पर छ.ग. प्रदेश कुर्मी क्षत्रिय समाज युवा प्रकोष्ठ के प्रदेश अध्यक्ष श्री योगेश्वर देशमुख विशेष रूप से गरियाबंद पहुंचे। बैठक और विमोचन कार्यक्रम में जिले के प्रमुख सामाजिक पदाधिकारियों ने हिस्सा लिया जिनमें मुख्य रूप से कुर्मी समाज जिला गरियाबंद के जिलाध्यक्ष पुरंदर वर्मा,मनवा कुर्मी क्षत्रिय समाज नगर इकाई गरियाबंद के अध्यक्ष गुलाब सिंह वर्मा,चंद्रनाहु कुर्मी समाज दुल्ला उपक्षेत्र छुरा के अध्यक्ष लोकेश चंद्राकर,जिला महामंत्री कुर्मी समाज जिला गरियाबंद भानुप्रताप भारद्वाज, जिला उपाध्यक्ष कुर्मी समाज जिला गरियाबंद पोषण वर्मा आदि शामिल रहे। प्रतियोगिता के आयोजन की जानकारी प्रदान करते हुए युवा प्रकोष्ठ प्रदेशअध्यक्ष योगेश्वर देशमुख ने कहा कि वर्तमान दौर कड़ी प्रतिस्पर्धा का है। ऐसे में हमारे युवाओं को समय रहते प्रशासनिक और अन्य प्रतियोगी परीक्षाओं के पैटर्न से अवगत कराना बेहद जरूरी है। छत्रपति शिवाजी महाराज प्रतिभा खोज प्रतियोगिता इसी दिशा में बढ़ाया गया एक सशक्त कदम है। कुर्मी समाज के जिलाध्यक्ष पुरंदर वर्मा ने कहा कि यह प्रतियोगिता छात्रों के सामान्य ज्ञान को परखेगी और उनके भीतर छिपे आत्मविश्वास को भी जगाएगी। समाज के युवाओं को प्रशासनिक सेवाओं और उच्च पदों तक पहुंचाने के लिए यह एक बेहतर बुनियाद साबित होगी।

प्रतियोगिता में हुई है आकर्षक पुरस्कार की घोषणा

प्रतियोगिता परीक्षा में प्रथम स्थान प्राप्त करने वाले अभ्यर्थी को 21 हजार रुपए के पुरस्कार की घोषणा कुर्मी समाज के प्रदेशअध्यक्ष व दुर्ग लोकसभा के सांसद विजय बघेल द्वारा की गई है,द्वितीय पुरस्कार 17 हजार रुपए जिला सहकारी बैंक दुर्ग के अध्यक्ष प्रीतपाल बेलचंदन द्वारा, तृतीय पुरस्कार 15 हजार रुपए दुर्ग ग्रामीण विधायक ललित चंद्राकर के द्वारा घोषित की गई है। प्रतियोगिता में चतुर्थ ,पंचम और सांत्वना पुरस्कार भी प्रदान किए जाएंगे। कार्यक्रम में उपस्थित सभी सामाजिक पदाधिकारियों ने कुर्मी समाज के सभी प्रतिभावान युवाओं से अपील की है कि वे इस स्वर्णिम अवसर का लाभ उठाएं और 31 जुलाई से पहले अपना ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन करवाकर 9 अगस्त को होने वाली इस परीक्षा में बढ़-चढ़कर हिस्सा लें।

एक नजर

लापरवाह कारचालक की गलती के कारण मंदबुद्धि बालक की मौत

डोंगरगढ़ 11 जुलाई।(तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता)। कार वाहन चालक की लापरवाही के चलते शहर के 15 वर्षीय बालक की असमय मृत्यु हो गई। प्राप्त जानकारी के अनुसार घटना शुक्रवार रात 8:00 बजे की बताई जा रही है। शहर के अंडर ब्रिज मार्ग पर खड़े बुधवारी पारा निवासी मंदबुद्धि बालक शाहरुख पिता नवीन खान उर्फ गोलू , वाहन चालक की लापरवाही के चलते मौत के काल में समा गया। वहीं कार चालक मौके से फरार बताया जा रहा है।घटना की जानकारी पुलिस को दी गई है। पुलिस द्वारा विवेचना जारी है।

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने पामगढ़ क्षेत्र को दी बड़ी सौगात

रायपुर, 11 जुलाई। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में प्रदेश में सड़क अधोसंरचना को मजबूत बनाने और ग्रामीण क्षेत्रों में बेहतर आवागमन सुनिश्चित करने की दिशा में लगातार कार्य किए जा रहे हैं। इसी क्रम में जांजगीर-चांपा जिले के पामगढ़ विकासखंड अंतर्गत पामगढ़दूलाहौद मार्ग स्थित डोंगाकोहरौद बस्ती तक सड़क निर्माण कार्य के लिए 605.09 लाख रुपये की प्रशासकीय स्वीकृति प्रदान की गई है। इस स्वीकृति के तहत 4.337 किलोमीटर लंबी सड़क का निर्माण कराया जाएगा। यह मार्ग लंबे समय से क्षेत्रवासियों की प्रमुख मांग रहा है। सड़क निर्माण से डोंगाकोहरौद बस्ती सहित आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों के लोगों को वर्षभर सुरक्षित, सुगम और बेहतर आवागमन की सुविधा उपलब्ध होगी। नई सड़क बनने से ग्रामीणों को शिक्षा, स्वास्थ्य, कृषि उपज के परिवहन तथा अन्य आवश्यक सेवाओं तक पहुंच आसान होगी। साथ ही क्षेत्र के सामाजिक एवं आर्थिक विकास को भी नई गति मिलेगी। राज्य सरकार ग्रामीण संपर्क मार्गों के सुदृढ़ीकरण के माध्यम से प्रदेश के दूरस्थ क्षेत्रों को बेहतर सड़क नेटवर्क से जोड़ने के लिए प्रतिबद्ध है।

31 वां महामंत्र नवकार जाप कल

रायपुर 11 जुलाई। नवकार जाप ग्रुप द्वारा प्रत्येक माह के द्वितीय रविवार को प्रातः 9 से 9:48 बजे तक सकल जैन समाज के साथ जैन धर्म के शाश्वत महामंत्र नवकार के जाप का आयोजन किया जाता है। जानकारी देते हुए वीरेंद्र डागा ने बताया कि इसी क्रम में 12 जुलाई को 31 वें नवकार जाप का आयोजन अरिहंत हाईट्स वेलफेयर सोसायटी के साथ अरिहंत भवन, भैरव सोसायटी, रायपुर में किया जा रहा है। नवकार जाप ग्रुप ने सभी से सपरिवार इस आध्यात्मिक अनुष्ठान में सहभागिता हेतु निवेदन किया है।

पेंशनरों के 11 प्रमुख मुद्दों पर मुख्य सचिव से विस्तृत चर्चा

रायपुर11 जुलाई। भारतीय राज्य पेंशनर्स महासंघ, छत्तीसगढ़ प्रदेश के प्रतिनिधिमंडल ने आज मंत्रालय, महानदी भवन में मुख्य सचिव, छत्तीसगढ़ शासन से सौजन्य भेंट कर पेंशनरों एवं पारिवारिक पेंशनरों से जुड़े 11 महत्वपूर्ण लंबित विषयों पर लगभग एक घंटे तक विस्तृत चर्चा की। इस दौरान महासंघ द्वारा प्रत्येक विषय पर पृथक-पृथक ज्ञापन प्रस्तुत कर आवश्यक कार्यवाही की मांग की गई।

महासंघ द्वारा जिन प्रमुख विषयों को मुख्य सचिव के समक्ष रखा गया, उनमें मध्यप्रदेश राज्य पुनर्गठन अधिनियम, 2000 की धारा 49(6) को हटाने हेतु छत्तीसगढ़ विधानसभा में शासकीय संकल्प पारित करने, पेंशनर कल्याण मंडल के पुनर्गठन एवं नियमित संचालन, पेंशनर कल्याण निधि नियमों का पुनरीक्षण

कर सहायता राशि में वृद्धि, केंद्र सरकार के अनुरूप 01 जनवरी 2026 से देय 2 प्रतिशत महंगाई राहत (डी.आर.) की स्वीकृति एवं एरियर सहित भुगतान, तथा न मांगङ्क्न जांच प्रमाणपत्र के नाम पर पेंशन रोके जाने की प्रवृत्ति पर रोक जैसे महत्वपूर्ण विषय शामिल थे। इसके अतिरिक्त महासंघ ने राज्य के पेंशनरों एवं पारिवारिक पेंशनरों को प्रस्तावित कैशलेस चिकित्सा योजना में शामिल करने, 80 वर्ष एवं उससे अधिक आयु के वरिष्ठ नागरिकों को एक सहायक सहित निःशुल्क बस यात्रा संबंधी शासन आदेश का प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित करने, सभी संभाग एवं जिलों में पृथक पेंशन कार्यालय स्थापित करने, सेवानिवृत्ति के दिन ही समस्त वैध देयकों का भुगतान सुनिश्चित करने, ई-पेंशन कार्ड जारी कर उन्हें ई-कोष लाइट एप में अपलोड करने, तथा उच्च न्यायालय के विभिन्न निर्णयों के अनुरूप पात्र पेंशनरों को लाभ एवं लंबित एरियर का भुगतान करने की मांग भी प्रमुखता से उठाई। महासंघ के प्रांताध्यक्ष वीरेन्द्र नामदेव ने मुख्य सचिव को अवगत कराया कि ये सभी विषय लंबे समय से लंबित हैं तथा इनके निराकरण से लाखों पेंशनरों एवं पारिवारिक पेंशनरों को प्रत्यक्ष लाभ मिलेगा। उन्होंने कहा कि पेंशनर समाज अपने वैधानिक अधिकारों एवं सम्मानजनक जीवन से जुड़े इन मुद्दों के समाधान की अपेक्षा शासन से लंबे समय से कर रहा है। मुख्य सचिव ने प्रतिनिधिमंडल द्वारा प्रस्तुत सभी ज्ञापनों का गंभीरतापूर्वक अवलोकन किया तथा संबंधित विभागों के माध्यम से आवश्यक परीक्षण एवं त्वरित कार्यवाही कराने का आश्वासन दिया। उन्होंने पेंशनरों के हित से जुड़े महत्वपूर्ण विषयों को व्यवस्थित रूप से शासन के समक्ष प्रस्तुत करने के लिए भारतीय राज्य पेंशनर्स महासंघ के प्रतिनिधिमंडल की सराहना करते हुए धन्यवाद भी ज्ञापित किया।महासंघ ने मुख्य सचिव के सकारात्मक एवं संवेदनशील दृष्टिकोण का स्वागत करते हुए आशा व्यक्त की है कि प्रस्तुत सभी विषयों पर शीघ्र निर्णय लेकर पेंशनरों को राहत प्रदान की जाएगी।मुख्य सचिव से भेंट करने वाले प्रतिनिधिमंडल में प्रांताध्यक्ष वीरेन्द्र नामदेव, कार्यकारी प्रांताध्यक्ष जे. पी. मिश्रा, प्रदेश महामंत्री अनिल गोल्हानी, संभागीय अध्यक्ष शैलेन्द्र कुमार सिन्हा तथा दैनिक वेतनभोगी पेंशनर्स कल्याण प्रकोष्ठ के संयोजक अनिल पाठक प्रमुख रूप से शामिल थे।

डोंगरगढ़ के खिलाड़ियों को मिले आधुनिक खेल सुविधाएं
विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह से प्रतिनिधिमंडल की मांग

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

डोंगरगढ़ 11 जुलाई। धार्मिक एवं ऐतिहासिक नगरी डोंगरगढ़ आज केवल मां बम्लेश्वरी की पावन नगरी के रूप में ही नहीं, बल्कि खेल प्रतिभाओं की उभरती हुई भूमि के रूप में भी अपनी विशेष पहचान बना रही है। नगर के युवा खिलाड़ी पिछले कुछ वर्षों से लगातार विभिन्न खेल प्रतियोगिताओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए जिला, संभाग, राज्य एवं राष्ट्रीय स्तर पर पदक अर्जित कर रहे हैं। अपनी मेहनत, अनुशासन और लगन के दम पर उन्होंने डोंगरगढ़ तथा पूरे छत्तीसगढ़ का गौरव बढ़ाया है। इसके बावजूद नगर में आधुनिक खेल अधोसंरचना, प्रशिक्षण केंद्र, इंडोर एवं आउटडोर खेल परिसर, रनिंग ट्रैक, जिम, खेल उपकरण तथा प्रशिक्षकों जैसी मूलभूत सुविधाओं का अभाव खिलाड़ियों के सामने सबसे बड़ी चुनौती बना हुआ है।

इन्हीं महत्वपूर्ण मांगों को लेकर नगर पालिका अध्यक्ष रमन डोंगरे के नेतृत्व में डोंगरगढ़ का एक प्रतिनिधिमंडल पूर्व मुख्यमंत्री एवं वर्तमान छत्तीसगढ़ विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह से सौजन्य मुलाकात करने पहुंचा। प्रतिनिधिमंडल ने उन्हें नगर की खेल गतिविधियों, खिलाड़ियों की उपलब्धियों तथा खेल सुविधाओं की वर्तमान स्थिति से विस्तारपूर्वक अवगत कराया।

प्रतिनिधिमंडल ने बताया कि डोंगरगढ़ के खिलाड़ी एथलेटिक्स, कराटे जिजिसु कबड्डी, खो-खो, वॉलीबॉल, क्रिकेट, फुटबॉल सहित अनेक खेलों में लगातार बेहतर प्रदर्शन कर रहे हैं। कई खिलाड़ियों ने

राज्य एवं राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिताओं में भाग लेकर पदक और सम्मान प्राप्त किए हैं। सीमित संसाधनों के बावजूद खिलाड़ियों का प्रदर्शन यह साबित करता है कि यदि उन्हें आधुनिक सुविधाएं और बेहतर प्रशिक्षण उपलब्ध कराया जाए तो वे अंतरराष्ट्रीय स्तर तक अपनी पहचान बना सकते हैं।

प्रतिनिधिमंडल ने डॉ. रमन सिंह से आग्रह किया कि डोंगरगढ़ में एक आधुनिक खेल परिसर, बहुउद्देशीय इंडोर स्टेडियम, सुसज्जित खेल मैदान, रनिंग ट्रैक, खिलाड़ियों के लिए प्रशिक्षण केंद्र, नियमित प्रशिक्षकों की नियुक्ति तथा आवश्यक खेल सामग्री उपलब्ध कराने की दिशा में पहल की जाए। उन्होंने कहा कि वर्तमान में अनेक खिलाड़ियों को बेहतर प्रशिक्षण के लिए दूसरे शहरों का रुख करना पड़ता है, जिससे समय और आर्थिक संसाधनों दोनों पर अतिरिक्त बोझ पड़ता है। यदि ये सुविधाएं डोंगरगढ़ में विकसित हो जाएं तो क्षेत्र के हजारों युवाओं को अपने ही नगर में गुणवत्तापूर्ण प्रशिक्षण मिल सकेगा और खेल संस्कृति को नई दिशा मिलेगी।

डॉ. रमन सिंह ने प्रतिनिधिमंडल की बातों को गंभीरता से सुनते हुए कहा कि डोंगरगढ़ में खेल प्रतिभाओं की उपलब्धियां पूरे क्षेत्र के लिए गर्व का विषय हैं। उन्होंने माना कि खिलाड़ियों को बेहतर अधोसंरचना उपलब्ध कराना आवश्यक है ताकि उनकी प्रतिभा को उचित मंच मिल सके। उन्होंने आश्वासन दिया कि खेल सुविधाओं के विकास के संबंध में संबंधित विभाग से शीघ्र पत्राचार किया जाएगा तथा आवश्यकता पड़ने पर इस विषय को विधानसभा में भी प्रमुखता से उठाया जाएगा। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि सरकार खिलाड़ियों के हित में सकारात्मक निर्णय लेने का प्रयास करेगी।

मुलाकात के दौरान डोंगरगढ़ राजपूत समाज के प्रतिनिधियों ने समाज भवन निर्माण हेतु आर्थिक सहयोग की मांग भी रखी। समाज के पदाधिकारियों ने बताया कि सामाजिक, सांस्कृतिक, शैक्षणिक एवं सामुदायिक कार्यक्रमों के संचालन के लिए लंबे समय से एक व्यवस्थित समाज भवन की आवश्यकता महसूस की जा रही है। इस मांग पर सकारात्मक रुख अपनाते हुए डॉ. रमन सिंह ने समाज भवन निर्माण के लिए 15 लाख रुपये की सहायता राशि उपलब्ध कराने का आश्वासन दिया। इस घोषणा के बाद प्रतिनिधिमंडल एवं समाज के सदस्यों ने प्रसन्नता व्यक्त करते हुए उनका आभार जताया।

प्रतिनिधिमंडल ने कहा कि डोंगरगढ़ में खेल सुविधाओं का विकास केवल खिलाड़ियों के लिए ही नहीं, बल्कि पूरे क्षेत्र के युवाओं के भविष्य के लिए महत्वपूर्ण होगा। बेहतर खेल अधोसंरचना तैयार होने से अधिक से अधिक युवा खेलों की ओर आकर्षित होंगे, नशामुक्ति एवं स्वस्थ जीवनशैली को बढ़ावा मिलेगा तथा राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय स्तर पर डोंगरगढ़ की पहचान और मजबूत होगी। मुलाकात के दौरान नगर पालिका अध्यक्ष रमन डोंगरे, नगर पालिका उपाध्यक्ष उमामहेश वर्मा, सभापति अमित जैन, जिला खेल संघ अध्यक्ष विवेक मोनू भंडारी, खेल शिक्षक राणा अजय सिंह तथा डोंगरगढ़ राजपूत समाज के पदाधिकारी एवं सदस्य उपस्थित रहे। सभी ने विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह के प्रति आभार व्यक्त करते हुए विश्वास जताया कि उनके सकारात्मक प्रयासों से डोंगरगढ़ में खेल अधोसंरचना के विकास को नई गति मिलेगी और आने वाले समय में यहां के खिलाड़ियों को बेहतर अवसर उपलब्ध होंगे।

नो पार्किंग क्षेत्र में खड़े वाहनों पर यातायात पुलिस ने की कार्रवाई

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

राजनांदगांव 11 जुलाई। पुलिस द्वारा शहर की यातायात व्यवस्था को सुचारु, सुरक्षित एवं व्यवस्थित बनाए रखने के उद्देश्य से शहर के प्रमुख सर्विस रोड एवं व्यस्त बाजार क्षेत्रों में नो पार्किंग जोन में खड़े वाहनों के विरुद्ध विशेष अभियान चलाकर प्रभावी कार्यवाही की गई। यह कार्यवाही पुलिस अधीक्षक राजनांदगांव सुश्री अंकिता शर्मा के निर्देशन, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक श्री कीर्तन राठौर के मार्गदर्शन तथा यातायात प्रभारी निरीक्षक नवरत्न कश्यप के नेतृत्व में की गई। विशेष अभियान के दौरान शहर के विभिन्न सर्विस रोड एवं बाजार क्षेत्रों में नो पार्किंग क्षेत्र में खड़े पाए गए वाहनों के विरुद्ध मोटरयान अधिनियम के प्रावधानों के तहत चालानी कार्यवाही की गई। वाहन चालकों को सड़क पर अनावश्यक रूप से वाहन खड़ा न करने, निर्धारित पार्किंग स्थल का उपयोग करने तथा यातायात नियमों का पालन करने की समझाइश भी दी गई। विगत दो दिनों के दौरान यातायात नियमों का उल्लंघन करने वाले 143 वाहन चालकों के विरुद्ध चालानी कार्यवाही करते हुए ?59,000 (उनसठ हजार रुपये) का समन शुल्क वसूल किया गया।

यातायात पुलिस द्वारा शहर के समस्त व्यापारियों से अपील की गई है कि वे अपने प्रतिष्ठानों हेतु माल की लोडिंग एवं अनलोडिंग निर्धारित समय के अनुसार ही कराएं, जिससे बाजार क्षेत्र में अनावश्यक यातायात बाधित न हो। साथ ही सभी दुकानदारों एवं नागरिकों से अनुरोध किया गया है कि अपने तथा अपने ग्राहकों के वाहन केवल व्हाइट पार्किंग पट्टी (निर्धारित पार्किंग क्षेत्र) के भीतर ही खड़े कराएं, जिससे आमजन को आवागमन में किसी प्रकार की असुविधा न हो। यातायात पुलिस ने आम नागरिकों से अपील की है कि वे अपने वाहन केवल निर्धारित पार्किंग स्थलों पर ही खड़े करें तथा नो पार्किंग क्षेत्र में वाहन खड़ा कर यातायात व्यवस्था में बाधा उत्पन्न न करें। नियमों का उल्लंघन करने वाले वाहन चालकों के विरुद्ध भविष्य में भी इसी प्रकार सख्त एवं निरंतर कार्यवाही जारी रहेगी।

जोहार छत्तीसगढ़ पार्टी, छत्तीसगढ़िया क्रान्ति सेना के जबर बइठका,सैकड़ों लोग जुड़िन

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

सिमगा 11 जुलाई।गांव म 9 जुलाई 2026 ला जोहार छत्तीसगढ़ पार्टी अऊ छत्तीसगढ़िया क्रान्ति सेना के जबर बइठका आयोजित करे गीस। बइठका म गांव के सैकड़ों महिला, पुरुष अऊ युवा मन उत्साह के संग पार्टी के सदस्यता पर्ची भरके संगठन ले जुड़िन। जागरूकता अभियान के चलते गांव म पार्टी प्रति भरोसा अऊ उत्साह के माहौल देखे ल मिलिस। बइठका के दौरान गांववासी मन अपन क्षेत्र के मूलभूत समस्या मन ल जिला पदाधिकारी मन के सामने रखिन। खासकर बलौदाबाजार ले सिमगा तक के मुख्य सड़क के जर्जर हालत ऊपर चिंता जतावत संगठन ल ज्ञापन सौंपे गीस। ग्रामीण मन कहिन कि सड़क म भारी-भरकम गड्ढा अऊ खोचका होय के कारण रोजाना आम जनता, स्कूली छात्र-छात्रा अऊ वाहन चालक मन दुर्घटना के शिकार होवत हें। एला ले क्षेत्र म भारी नाराजगी अऊ आक्रोश देखे ल मिलत हे। संगठन के पदाधिकारी मन चेतावनी देत कहिन कि अगर शासन-प्रशासन जल्द बलौदाबाजारङ्कसिमगा मुख्य सड़क के मरम्मत नई करवाही, त जोहार छत्तीसगढ़ पार्टी अऊ छत्तीसगढ़िया क्रान्ति सेना जनहित म उग्र आंदोलन करे बर बाध्य होही, जेकर पूरा जिम्मेदारी शासन-प्रशासन के रही। बइठका म सुहेला ब्लॉक अध्यक्ष पुरुषोत्तम साहू, लेखराम वर्मा, संतू यादव, विनोद वर्मा, मुकेश वर्मा, परस पाल, मूलचंद वर्मा सहित संगठन के महिला अऊ पुरुष पदाधिकारी मन बड़ी संख्या म उपस्थित रहिन।

प्रधानमंत्री सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना से यशवंत साहू बने बिजली के उत्पादक और उपभोक्ता

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

राजनांदगांव 11 जुलाई। प्रधानमंत्री सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना आम नागरिकों को स्वच्छ ऊर्जा से जोड़ते हुए आर्थिक रूप से सशक्त बना रही है। इस योजना का लाभ लेकर राजनांदगांव शहर के बसंतपुर वार्ड क्रमांक 46 निवासी श्री यशवंत साहू आज न केवल अपने बिजली खर्च से मुक्त हो गए हैं, बल्कि भविष्य में अतिरिक्त बिजली बेचकर आय अर्जित करने की दिशा में भी आगे बढ़ रहे हैं। श्री यशवंत साहू ने बताया कि उनके पड़ोस में लगे सोलर रूफटॉप को देखकर उन्हें भी योजना की जानकारी मिली और उन्होंने प्रधानमंत्री सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना के तहत अपने घर की छत पर माह जनवरी 2026 में 3 किलोवाट क्षमता का सोलर रूफटॉप संयंत्र स्थापित कराया। उन्होंने बताया कि सोलर संयंत्र की स्थापना पर लगभग 1 लाख 80 हजार रूपए की लागत आई। इसमें केंद्र सरकार से 78 हजार रूपए तथा राज्य सरकार से 30 हजार रूपए कुल 1 लाख 8 हजार रूपए की सब्सिडी प्राप्त हुई। इस प्रकार उन्हें स्वयं केवल लगभग 72 हजार रूपए का व्यय करना पड़ा। उन्होंने बताया कि स्थापना के लिए किसी प्रकार का ऋण नहीं लिया, बल्कि अपनी जमा बचत राशि का उपयोग किया है।

श्री यशवंत साहू ने बताया कि सोलर संयंत्र लगने से पहले उनके घर का मासिक बिजली बिल 1500 से 1800 रूपए तक आता था और गर्मी के मौसम में 2200 रूपए तक बिजली बिल आता था। सोलर संयंत्र स्थापित होने के बाद से अब तक उनका बिजली बिल शून्य हो गया है। इससे प्रतिवर्ष लगभग 15 हजार रूपए से अधिक की बचत होगी। उन्होंने कहा कि कुछ ही वर्षों में उनकी स्वयं की लागत भी पूरी हो जाएगी। इसके बाद अतिरिक्त उत्पादित बिजली ग्रिड में भेजने पर उन्हें उसका भुगतान भी मिलेगा। उन्होंने खुशी जताते हुए कहा कि पहले वे केवल बिजली के उपभोक्ता थे, लेकिन अब बिजली के उत्पादक और उपभोक्ता दोनों बन गए हैं। श्री साहू ने बताया कि ग्राम हल्दी में उनकी साइकिल की दुकान है तथा वे कृषि कार्य भी करते हैं। सोलर योजना से बिजली बिल में होने वाली बचत का उपयोग वे अपने बच्चों की पढ़ाई-लिखाई और व्यवसाय के विकास में कर रहे हैं। श्री यशवंत साहू ने प्रधानमंत्री सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना के लिए केंद्र एवं राज्य सरकार के प्रति धन्यवाद ज्ञापित किया है। उन्होंने बताया कि उनकी सफलता से प्रेरित होकर उनके पड़ोसी एवं मित्र ने भी अपने घर में सोलर रूफटॉप संयंत्र स्थापित कराया है। इसके अलावा आसपास के लोग भी उनके घर आकर योजना की जानकारी लेते हैं और सोलर संयंत्र लगाने में रूचि दिखा रहे हैं। उन्होंने कहा कि पीएम सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना आर्थिक बचत के साथ-साथ स्वच्छ ऊर्जा को बढ़ावा देने वाली एक जनहितकारी पहल है।

पुनर्वास सहायता मिलने पर धीरेन्द्र साहू ने शासन-प्रशासन का जताया आभार

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

डोंगरगढ़ 11 जुलाई। वर्षों से नक्सल प्रभावित परिवारों के पुनर्वास और उनके अधिकारों की मांग को लगातार उठाने वाले धीरेन्द्र साहू के प्रयासों को उस समय बड़ी सफलता मिली, जब 15 नक्सल प्रभावित परिवारों के लिए 60 लाख रुपये की पुनर्वास सहायता स्वीकृत हुई। सहायता मिलने पर उन्होंने विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह, मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय, उपमुख्यमंत्री एवं गृहमंत्री विजय शर्मा के प्रति हार्दिक आभार व्यक्त किया। धीरेन्द्र साहू ने कहा कि शासन की संवेदनशील सोच और जिला प्रशासन की सक्रिय पहल से वर्षों से उपेक्षित परिवारों को सम्मान और नई उम्मीद मिली है। उन्होंने राजनांदगांव जिला प्रशासन, पुलिस प्रशासन, कलेक्टर तथा पुनर्वास

समिति का भी धन्यवाद देते हुए कहा कि सभी के समन्वित प्रयासों से यह महत्वपूर्ण निर्णय संभव हो सका। उन्होंने कहा कि नक्सल प्रभावित परिवारों की समस्याओं को शासन तक पहुंचाने के लिए उन्होंने लगातार संघर्ष किया, विभिन्न स्तरों पर मांग उठाई और पीड़ितों की आवाज बनने का प्रयास किया। इस सकारात्मक पहल से प्रभावित परिवारों का सरकार पर विश्वास और मजबूत होगा तथा वे सम्मानपूर्वक मुख्यधारा से जुड़ सकेंगे। धीरेन्द्र साहू ने इस विषय को प्रमुखता से उठाने वाले मीडिया बंधुओं का भी विशेष आभार व्यक्त करते हुए कहा कि मीडिया की सकारात्मक भूमिका ने पीड़ित परिवारों की आवाज शासन और प्रशासन तक प्रभावी ढंग से पहुंचाई, जिससे पुनर्वास प्रक्रिया को गति मिली। उन्होंने विश्वास जताया कि शासन, प्रशासन और के सामूहिक प्रयासों से नक्सल प्रभावित परिवारों के जीवन में सकारात्मक परिवर्तन का यह सिलसिला आगे भी जारी रहेगा।

एक पेड़ माँ के नाम अभियान में पौधे लगाकर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया

रायपुर 11 जुलाई। राज्य शासन के निर्देशानुसार संचालित 'एक पेड़ माँ के नाम' अभियान के अंतर्गत पौधरोपण कार्यक्रम का आयोजन परिसर रामपुर में किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य पर्यावरण संरक्षण, हरित आवरण में वृद्धि तथा प्रत्येक नागरिक को अपनी माता के सम्मान में एक पौधा रोपित करने हेतु प्रेरित करना है। कार्यक्रम में श्री प्रशांत कोडापे, सभापति वन स्थाई समिति जनपद पंचायत डोंगरगढ़, श्री मनोज खाण्डे मंडल भाजपा अध्यक्ष लाल बहादुर नगर, श्री वेदराम ताम्रकर वरीष्ठ भाजपा पदाधिकारी एवं श्री देवेन्द्र यादव रिपोर्टर, सोशल मिडिया संयोजक जिला राजनांदगांव सहित अन्य जनप्रतिनिधियों की गरिमामयी उपस्थिति रही। कार्यक्रम में वन विभाग की ओर से वन परिक्षेत्र अधिकारी दक्षिण बोरतलाव श्री अनुराग वर्मा (वनक्षेत्रपाल), परिक्षेत्र के अधिनस्त समस्त परिक्षेत्र सहायक श्री राजेन्द्र श्रीवास्तव (उ0व0क्षे0) प.स.अण्डी, श्री ढेलूराम कंवर, (उ0व0क्षे0) प.स. बोरतलाव, श्री रोशन मोहम्मद खान (वनपाल), प.स. फत्तेगंज, श्री दामोदर कोसरकर (वनपाल) प.स. चारभांठा तथा परिसर रक्षक श्री हामीद कुरैशी वनपाल, श्री फागुआराम यादव वनपाल, श्रीमति गायत्री वर्मा वनरक्षक, श्री हरीश ठाकुर वनरक्षक, कु. ममता वनरक्षक, एवं भृत्य तथा सुरक्षा श्रमिक/ वन

चौकीदार उपस्थित रहे। इस अवसर पर उपस्थित जनप्रतिनिधियों एवं अधिकारियों द्वारा पौधरोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया गया तथा आमजन से अधिक से अधिक पौधे लगाकर उनके संरक्षण एवं संवर्धन का संकल्प लेने का आह्वान किया गया। सभी उपस्थितजनों ने पौधों की नियमित देखभाल एवं संरक्षण का भी संकल्प लिया। वन विभाग द्वारा बताया गया कि 'एक पेड़ माँ के नाम' अभियान का उद्देश्य पर्यावरण संरक्षण, जैव विविधता का संवर्धन तथा जनसामान्य में वृक्षारोपण के प्रति जागरूकता बढ़ाना है। अभियान के अंतर्गत व्यापक स्तर पर पौधारोपण एवं पौधों के संरक्षण की गतिविधियाँ निरंतर संचालित की जाएंगी। कार्यक्रम का सफल आयोजन वन विभाग के मार्गदर्शन में संपन्न हुआ तथा उपस्थित सभी जनप्रतिनिधियों, अधिकारियों, कर्मचारियों एवं नागरिकों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता निभाई।

व्यवहार न्यायालय परिसर छुईखदान में पौधे लगाए

राजनांदगांव 11 जुलाई। श्री विजय कुमार होता जिला विधिक सेवा प्राधिकरण/ प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश राजनांदगांव के निर्देशानुसार तालुका विधिक सेवा समिति/ न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी छुईखदान, श्री ईशान व्यास *द्वारा न्यायालय परिसर छुईखदान , में वृक्षारोपण किया गया जिसमें न्यायालय परिसर में फलदार वृक्ष तथा छावदार वृक्षारोपण किया गया श्री ईशान व्यास द्वारा बताया गया कि वृक्ष न केवल हमारे प्राण वायु आक्सीजन प्रदान करते हैं बल्कि धरती के तापमान को नियंत्रित करने मिट्टी की उर्वरता बनाए रखने और जैव विविधता को बढ़ाने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं आज जब पर्यावरणीय असंतुलन से मानव जीवन संकट में हैं ऐसे में वृक्षारोपण जैसे छोटे प्रयास भी बड़े परिवर्तन ला सकते हैं। उक्त शिविर में न्यायिक कर्मचारीगण अधिवक्ता संघ के अध्यक्ष श्री रज्जू महोबिया, सचिव श्री सौरभ श्रीवास्तव एवं अन्य अधिवक्तागण तथा पीएलव्ही श्री सनील कुमार उपस्थित रहे।

नवागत आयुक्त जीआर मरकाम ने कार्यालय का निरीक्षण कर अधिकारी,कर्मचारी से मिले

राजनांदगांव 11 जुलाई। नवागत आयुक्त श्री जी.आर.मरकाम आज नगर निगम के सभी विभागों मे जाकर अधिकारियों व कर्मचारियों से रूबरू हो उनके कार्यो के संबंध में जानकारी लेकर जनता से जुडे कार्य प्राथमिकता से करने के साथ साथ फाईलो का उचित संधारण करने तथा सभी विभागीय कार्य ई-आफिस के माध्यम से करने के निर्देश दिये। आयुक्त श्री मरकाम ने डाटा सेन्टर, लेखा शाखा, अभिलेख शाखा, स्थापना शाखा, लोककर्म, भवन अनुज्ञा, प्रधानमंत्री आवास योजना, आवक जावक, राशन कार्ड, निराश्रित पेंशन, स्वास्थ्य एवं राजस्व कार्यालय के अलावा सभी विभागों में जाकर अधिकारियों व कर्मचारियों से रूबरू हो उनके कार्यो के संबंध में जानकारी लिये। उन्होंने डाटा सेन्टर में कार्यरत कर्मचारियो से डिमाण्ड एवं अन्य एंट्री के बारे में जानकारी ली। वही उन्होंने लेखा शाखा में फाईल एवं केश पंजी देख पंजी संधारण के संबंध में जानकारी लिये तथा स्थापना शाखा में सर्विस बुक देख पेंशन प्रकरणों की जानकारी ली।

शपथ-पत्र

मैं सुमेश्वरी ध्रुव उम्र 21 साल पिता स्व. ईश्वर ध्रुव जाति गोंड़ निवासी हर्रापारा देवपुर पो. देवपुर तहसील नगरी विकासखण्ड नगरी जिला धमतरी छ.ग. की निवासी हूं।

मैं सुमेश्वरी ध्रुव पिता स्व. ईश्वर ध्रुव जाति गोंड़ निवासी हर्रापारा देवपुर पो. राजपुर जिला धमतरी छ.ग. की स्थायी निवासी हूं।

मैं अपना नाम सोमेश्वरी (SOMESHWARI) से सुमेश्वरी ध्रुव (SUMESHWARI DHRUW) करवाना चाहती हूं। जो शालेय रिकार्ड/अंकसूची में अंकित है।

आधार कार्ड क्रमांक 6035 3244 3267 में मेरा नाम सोमेश्वरी (SOMESHWARI) अंकित है जो त्रुटिपूर्ण है ।

आधार कार्ड 6035 3244 3267 में अंकित त्रुटिपूर्ण सोमेश्वरी (SOMESHWARI) को सुधार करवाकर उनके स्थान पर सही नाम सुमेश्वरी ध्रुव (SUMESHWARI DHRUW) दर्ज व अंकित करवाना चाहती हूं। जिस पर किसी को कोई आपत्ति नहीं है पूर्ण सहमति है नाम सुधार उपरांत किसी भी प्रकार से गैर कानूनी कार्य नहीं करूंगी। अतः मैं यह शपथ पत्र अपने पूरे होशो हवास में रहकर हस्ताक्षर कर रही हूं तथा सक्षम अधिकारी के समक्ष प्रस्तुत कर रही हूं।

आधार कार्ड में अंकित नाम सुधार करने एवं सही नाम सुमेश्वरी ध्रुव (SUMESHWARI DHRUW) दर्ज व अंकित करने हेतु राजपत्र में प्रकाशन बाबत् यह शपथ पत्र निष्पादित कर रही हूं।

शपथकर्ता
सुमेश्वरी ध्रुव

आसमान में काले बादल छाने के बाद भी बारिश नहीं, रायपुर में गर्मी से लोग परेशान

रायपुर, 11 जुलाई। छत्तीसगढ़ में मानसून की रफ्तार पर ब्रेक लग गया है. दो दिन की बरिश में रायपुर को जमकर भिगोने के बाद मौसम ने करवट ले ली है. इससे लोग गर्मी और उमस से परेशान हैं. अब बंगाल की खाड़ी में सिस्टम बनने का इंतजार है. इस बीच अगले चार दिनों तक प्रदेश के कई हिस्सों में मध्यम बारिश जारी रहने की संभावना जताई गई है. मौसम विभाग के आंकड़ों के मुताबिक, प्रदेश में शुक्रवार को अधिकांश जगहों पर हल्की से मध्यम बारिश हुई. इस दौरान दुर्ग में सबसे ज्यादा तापमान 34.4 डिग्री सेल्सियस और राजनांदगांव में न्यूनतम तापमान 23 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया है.

मौसम विभाग ने जानकारी दी कि मध्य उत्तरप्रदेश के उत्तरी हिस्सों में बना निम्न दबाव का क्षेत्र उसी क्षेत्र में बना हुआ है तथा इससे जुड़ा चक्रवाती परिसंचरण समुद्र तल से 9.5 किमी की ऊंचाई तक फैला हुआ है. इसके अगले 24 घंटों के दौरान धीरे-धीरे कमजोर होने की संभावना है. समुद्र तल पर मानसून द्रोणिका गंगानगर, रोहतक, मध्य उत्तरप्रदेश के उत्तरी हिस्सों में बना कम दबाव वाले क्षेत्र के केंद्र, गोरखपुर, मुजफ्फरपुर और वहां से पूर्व-दक्षिण-पश्चिम की ओर मिजोरम तक स्थित है. मौसम विभाग ने रायपुर शहर और आसपास के लिए शनिवार का स्थानीय पूर्वानुमान जारी किया है. आज आसमान में बादल छाए रह सकते हैं. वहीं बादल के गरजने और चमकने के साथ बारिश होने की संभावना जताई गई है. अधिकतम तापमान 33 डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम तापमान 27 डिग्री सेल्सियस के करीब रहने की आसार हैं

मौसम विभाग के आंकड़ों के अनुसार रघुनाथ नगर, कुसमी, बड़ेबचेली 5-5 सेंटीमीटर, कापू, दर्री, लैलूंगा, शंकरगढ़, कोरबा, बैकुंठपुर, प्रेमनगर, मुंगेली में 3-3, करतला, छिंदगढ़, बीजापुर, मरीं बंगला देवरी, अर्जुन्दा, बिलाईगढ़, अकलतरा, बिलासपुर, कुमारदा, मैनपाट, मदार्पाल, अड़भार, खड़गवा, दुर्गकोंदल, सारागांव में 2-2 सेंटीमीटर, कोटाडोल, गंगालूर, सूरजपुर, जांजगीर, गीदम, भटगांव, दंतेवाड़ा, अंबिकापुर, जगदलपुर, भानुप्रतापपुर, भैरमगढ़, मैनपुर, सरिया, सामरी, राजपुर, बगीचा, डौंडीलोहारा, मनोरा, पेंड्रा, बोराई, बेलरगांव, भोपालपटनम, केल्हारी, पाली, चांपा, जनकपुर भरतपुर, बारसूर एक-एक सेंटीमीटर बारिश दर्ज की गई है. छत्तीसगढ़ में आज कुछ जगहों पर हल्की से मध्यम बारिश होने की संभावना जताई गई है. वहीं एक-दो स्थानों पर बादल के गरजने-चमकने के साथ वज्रपात हो सकती है. अगले दो दिनों के बाद इसी तरह की गतिविधियां जारी रह सकती है।

कई जिलों में यलो अलर्ट

मौसम विभाग ने शनिवार सुबह कई जिलों में बारिश को लेकर यलो अलर्ट जारी किया है. सुकमा, बीजापुर, दक्षिण बस्तर दंतेवाड़ा, बस्तर, नारायणपुर, कोंडागांव, उत्तर बस्तर कांकेर, धमतरी, गरियाबंद, कोरबा, जशपुर, गौरेला-पेंड्रा मरवाही, सुरगुजा, सूरजपुर, कोरिया और बलरामपुर में बारिश के अलावा बादल गरने, बिजली गिरने और तेज हवाएं चलने की संभावना जताई है.

इन जिलों में हुई सबसे ज्यादा बारिश

प्रदेश में रघुनाथनगर, कुसमी और बड़ेबचेली में सर्वाधिक 50 मिमी वर्षा दर्ज की गई। सरोना में 40 मिलीमीटर तथा कोरबा, बैकुंठपुर, लैलूंगा, शंकरगढ़, मुंगेली और प्रेमनगर सहित कई क्षेत्रों में 30 मिमी बारिश हुई। बिलासपुर में 190 मिमी, पेण्ड्रारोड में 80 मिमी, अंबिकापुर में 130 मिमी और जगदलपुर में 130 मिमी वर्षा दर्ज की गई।

आज से फिर सक्रिय होगा मानसून

मौसम विभाग के अनुसार अगले 24 घंटे में प्रदेश के कुछ स्थानों पर हल्की से मध्यम बारिश की संभावना है। एक-दो स्थानों पर गरज-चमक के साथ वज्रपात हो सकता है। दो दिन बाद फिर मानसून के सक्रिय होने के संकेत हैं। रायपुर में 11 जुलाई को अधिकतम तापमान 33 डिग्री और न्यूनतम 27 डिग्री सेल्सियस रहने का अनुमान है। मौसम वैज्ञानिकों ने खराब मौसम के दौरान खुले स्थानों और पेड़ों के नीचे खड़े होने से बचने की सलाह दी है।

तीन दिन का ब्रेक होगा खत्म

प्रदेश में मानसून की रफ्तार फिलहाल धीमी पड़ गई है। लगातार बारिश के बाद बारिश ने तीन दिन का ब्रेक ले लिया है, जिससे राजधानी समेत कई जिलों में उमस बढ़ गई है। मौसम विभाग ने आज से फिर बारिश के आसार जताए हैं। सुकमा, बीजापुर, दक्षिण बस्तर दंतेवाडा, बस्तर, नारायणपुर, कोंडागांव, उत्तर बस्तर कांकेर, धमतरी, गररयाबंद, कोरबा, जशपुर, गौरेला-पेंड्रा-मरवाही, सरगुजा, सूरजपुर, कोरिया, बलरामपुर में आगामी कुछ घंटों में मेघगर्जन, आकाशीय बिजली, अचानक तेज हवा व बारिश का अलर्ट जारी किया है। राजधानी में शुक्रवार को सुबह से बादलों की आवाजाही बनी रही, लेकिन वर्षा दर्ज नहीं की गई। अधिकतम तापमान 34 डिग्री और न्यूनतम 25.9 डिग्री सेल्सियस रहा। सुबह 78 और शाम को 56 प्रतिशत आर्द्रता दर्ज की गई। पांच किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से हवा चली। मौसम विभाग का अनुमान है कि शनिवार को आसमान सामान्यतः मेघमय रहेगा और गरज-चमक के साथ बारिश हो सकती है।

एक नजर

उप मुख्यमंत्री अरुण साव ने बच्चों को तिलक लगाकर कराया शाला प्रवेश

रायपुर, 11 जुलाई। शिक्षा के प्रति जागरूकता बढ़ाने और बच्चों में स्कूल के प्रति उत्साह जगाने के उद्देश्य से आज बेमेतरा जिले के बेरला में जिला स्तरीय शाला प्रवेश उत्सव का आयोजन किया गया। बेरला के मंडी प्रांगण में आयोजित कार्यक्रम में उप मुख्यमंत्री अरुण साव मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। उन्होंने विद्यार्थियों का तिलक लगाकर और मिठाई खिलाकर स्नेहपूर्वक शाला प्रवेश कराया। उन्होंने सभी बच्चों के उज्ज्वल भविष्य की कामना की। उप मुख्यमंत्री साव ने बच्चों को शाला प्रवेश कराकर उनका स्वागत किया। उन्होंने कक्षा पहली सहित विभिन्न कक्षाओं में प्रवेश लेने वाले विद्यार्थियों के माथे पर तिलक लगाया और उन्हें पुस्तकें, स्टेशनरी व शाला गणवेश वितरित किया। उन्होंने इस दौरान बच्चों के साथ स्नेहपूर्वक फोटो भी खिंचवाई और उनसे बातचीत की। अरुण साव ने शाला प्रवेशोत्सव में बच्चों को संबोधित करते हुए कहा कि आप ही भावी भारत का भविष्य हैं। देश को आगे ले जाने की जिम्मेदारी आने वाले समय में आपके कंधों पर होगी। इसलिए मन लगाकर पढ़ाई करें।अनुशासन में रहें और बड़े सपने देखें। उन्होंने अभिभावकों से भी अपील की कि वे अपने बच्चों को नियमित रूप से स्कूल भेजें और शिक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता दें।

राम मंदिर चंदा चोरी, आस्था के नाम पर राजनीति, चढ़ावे के नाम पर लूट : कांग्रेस

रायपुर, 11 जुलाई। कांग्रेस कार्यसमिति एआईसीसी सदस्य कमलेश्वर पटेल ने कहा, मर्यादा पुरुषोत्तम भगवान राम करोड़ों भारतीयों की आस्था, संस्कृति और नैतिक चेतना के प्रतीक हैं। देश के कोने-कोने से गरीब, किसान, मजदूर, महिलाएं और श्रद्धालु अपनी मेहनत की कमाई, अपने गहने, अपनी बचत और अपनी श्रद्धा लेकर राम मंदिर निर्माण के लिए आगे आए। भाजपा, आरएसएस, विश्व हिंदू परिषद और संघ परिवार के संगठनों ने लगभग तीन दशकों तक भगवान राम के नाम पर राजनीति की, देश के गरीब व मध्यम वर्ग से राम के नाम पर चंदा एकत्र किया और इसी आंदोलन के आधार पर सत्ता प्राप्त की। प्रदेश कांग्रेस मुख्यालय राजीव भवन रायपुर में एक पत्रकार वार्ता में कहा, आज वही करोड़ों रामभक्त यह पूछने को मजबूर हैं कि भगवान राम के नाम पर जुटाया गया चंदा और चढ़ावा आखिर किसके संरक्षण में लूटा गया? यह केवल आर्थिक घोटाला नहीं है। यह करोड़ों श्रद्धालुओं की आस्था, विश्वास और भावनाओं के साथ किया गया घोर विश्वासघात है। जब ट्रस्ट का गठन प्रधानमंत्री की देखरेख में हुआ, तो इस घोटाले की जवाबदेही कौन लेगा? अगर सब कुछ ठीक था, तो चंपत राय और अनिल मिश्रा के इस्तीफे क्यों हुए? अगर कुछ गलत नहीं हुआ, तो सुप्रीम कोर्ट की निगरानी में स्वतंत्र जांच से डर किस बात का है? श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के तत्कालीन महासचिव चंपत राय और ट्रस्टी अनिल मिश्रा के इस्तीफे स्वीकार किए जा चुके हैं। यह स्वयं इस बात का संकेत है कि मामला सामान्य प्रशासनिक त्रुटि का नहीं, बल्कि एक बड़े घोटाले का है।

राज्य स्तरीय स्वतंत्रता दिवस समारोह के लिए प्रशासन अलर्ट

तैयारियों को लेकर सीएस ने ली हाई लेवल बैठक

रायपुर, 11 जुलाई। छत्तीसगढ़ में 79वें स्वतंत्रता दिवस का राज्य स्तरीय समारोह इस वर्ष भी पूरे गौरव, गरिमा और राष्ट्रभक्ति के वातावरण में मनाया जाएगा। आयोजन को भव्य और सुव्यवस्थित बनाने के लिए शुक्रवार को मंत्रालय महानदी भवन में मुख्य सचिव विकासशील की अध्यक्षता में उच्चस्तरीय समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में स्वतंत्रता दिवस समारोह से जुड़ी सभी तैयारियों की विस्तार से समीक्षा करते हुए विभिन्न विभागों को समयबद्ध तरीके से जिम्मेदारियां सौंपने के निर्देश दिए गए।

बैठक में बताया गया कि 15 अगस्त की सुबह 9 बजे राजधानी रायपुर के पुलिस परेड ग्राउंड में राज्य स्तरीय मुख्य समारोह आयोजित किया जाएगा। समारोह में आकर्षक परेड, राष्ट्रीय ध्वजारोहण, सलामी, सांस्कृतिक प्रस्तुतियां और विभिन्न शासकीय कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए सुरक्षा, यातायात, मंच व्यवस्था, साफ सफाई और सांस्कृतिक आयोजनों सहित सभी व्यवस्थाओं का विस्तृत खाका तैयार किया गया है।

परेड और सुरक्षा व्यवस्था होगी चाक-चौबंद

राज्य स्तरीय समारोह की सबसे प्रमुख आकर्षण भव्य परेड होगी। परेड में भाग लेने वाली विभिन्न टुकड़ियों के चयन, अभ्यास (रिहर्सल) और आवश्यक व्यवस्थाओं की जिम्मेदारी पुलिस उप महानिरीक्षक, छत्तीसगढ़ सशस्त्र बल को सौंपी गई है, जो पुलिस महानिदेशक के मार्गदर्शन में सभी तैयारियां सुनिश्चित करेंगे।

वहीं समारोह के दौरान सुरक्षा, यातायात, पार्किंग और ट्रैफिक प्रबंधन की पूरी जिम्मेदारी पुलिस महानिरीक्षक, रायपुर को दी गई है, ताकि आम नागरिकों और अतिथियों को किसी प्रकार की असुविधा का सामना न करना पड़े।

मंच, पंडाल व बैठक व्यवस्था पर रहेगा विशेष ध्यान

समारोह स्थल पर साफ-सफाई, मंच निर्माण, पंडाल, अतिथियों एवं आमंत्रित लोगों के बैठने की व्यवस्था सहित अन्य नागरिक सुविधाओं की जिम्मेदारी आयुक्त, नगर पालिक निगम रायपुर को सौंपी गई है। अधिकारियों को निर्देश दिए गए हैं कि आयोजन स्थल की सभी व्यवस्थाएं समय रहते पूर्ण कर ली जाएं, ताकि समारोह गरिमामय और व्यवस्थित ढंग से संपन्न हो सके।

बैठक में रहे ये वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित

बैठक में वन एवं जलवायु परिवर्तन विभाग के अपर मुख्य सचिव मनोज कुमार पिंगुआ, महिला एवं बाल विकास विभाग की प्रमुख सचिव शहला निगार, सामान्य प्रशासन विभाग के सचिव रजत कुमार, कृषि विकास एवं किसान कल्याण विभाग के सचिव सिद्धार्थ कोमल परदेशी, आवास एवं पर्यावरण विभाग के सचिव अंकित आनंद, खेल एवं युवा कल्याण विभाग के सचिव यशवंत कुमार, कलेक्टर रायपुर गौरव कुमार सिंह, गृह विभाग के वरिष्ठ अधिकारी सहित विभिन्न विभागों के आला अधिकारी मौजूद रहे।

स्कूली बच्चों की सांस्कृतिक प्रस्तुतियां बढ़ाएंगी शोभा

स्वतंत्रता दिवस समारोह में स्कूली बच्चों द्वारा देशभक्ति से ओतप्रोत रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम भी प्रस्तुत किए जाएंगे। इन कार्यक्रमों का चयन एवं संचालन स्कूल शिक्षा विभाग तथा संस्कृति विभाग द्वारा किया जाएगा। वहीं बच्चों के रिहर्सल, आवागमन और अन्य आवश्यक व्यवस्थाओं की जिम्मेदारी कलेक्टर रायपुर को दी गई है।

जिला और तहसील स्तर पर भी होंगे आयोजन

बैठक में यह भी निर्णय लिया गया कि राज्य की तरह सभी जिला एवं तहसील मुख्यालयों में भी स्वतंत्रता दिवस समारोह पूरे उत्साह और गरिमा के साथ आयोजित किए जाएंगे। इन आयोजनों के संबंध में विस्तृत दिशा-निर्देश सामान्य प्रशासन विभाग द्वारा शीघ्र जारी किए जाएंगे, ताकि पूरे प्रदेश में एक समान व्यवस्था के साथ कार्यक्रम आयोजित हो सकें।

'वंदे मातरम्' के 150 वर्ष पर विशेष आयोजन

बैठक में यह भी तय किया गया कि 'वंदे मातरम्' के 150 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में 7 अगस्त से 15 अगस्त तक आयोजित सभी शासकीय कार्यक्रमों की शुरुआत वंदे मातरम् के सामूहिक गायन से की जाएगी। इसके लिए आवश्यक दिशा-निर्देश संस्कृति विभाग द्वारा जारी किए जाएंगे। इस विशेष पहल का उद्देश्य देशभक्ति की भावना को और अधिक सशक्त करना तथा नई पीढ़ी को राष्ट्रगौरव से जोड़ना है।

रायपुर में चोरी, मारपीट और तोड़फोड़ के अलग-अलग थाना क्षेत्रों में 9 मामले दर्ज

रायपुर, 11 जुलाई। राजधानी रायपुर में अपराधों का सिलसिला जारी है। शहर के विभिन्न थाना क्षेत्रों में वाहन चोरी, मारपीट, धमकी और तोड़फोड़ की घटनाओं को लेकर पुलिस ने अलग-अलग मामलों में अपराध दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। अधिकांश मामलों में विवाद के दौरान गाली-गलौज, मारपीट और जान से मारने की धमकी देने की शिकायत सामने आई है, जबकि दो मामलों में अज्ञात चोर वाहन लेकर फरार हो गए।

मौदहापारा थाना क्षेत्र में मोटरसाइकिल की चाबी मांगने से इनकार करने पर एक युवक के साथ मारपीट और धमकी देने का मामला दर्ज हुआ। वहीं गुढ़ियारी थाना क्षेत्र में झाबक पेट्रोल पंप के सामने आपसी विवाद में एक युवक पर नुकीली वस्तु से हमला किया गया। इसी थाना क्षेत्र में आदर्श नगर से 50 हजार रुपये कीमत की बुलेट मोटरसाइकिल और रामनगर कबीर चौक से 80 हजार रुपये कीमत का पिकअप ऑटो चोरी होने के मामले भी दर्ज किए गए। इसके अलावा तुलसी नगर में टावर लगाने का काम रोककर मजदूर से मारपीट और धमकी देने की शिकायत भी पुलिस तक पहुंची।

पुरानी बस्ती थाना क्षेत्र में शराब पीने की बात को लेकर हुए विवाद में गाली-गलौज और धमकी देने का मामला दर्ज हुआ। खमतराई थाना क्षेत्र के बजरंग चौक में ई-रिक्शा के शीशे तोड़ने के बाद दोनों पक्षों ने एक-दूसरे के खिलाफ मारपीट और धमकी की शिकायत दर्ज कराई है। उरला थाना क्षेत्र में वाहन मोड़ने को लेकर हुए विवाद में युवक के साथ मारपीट कर उसकी मोटरसाइकिल में तोड़फोड़ की गई। वहीं खम्हारडीह थाना क्षेत्र में घर के पास नशा करने से मना करने पर आरोपियों ने युवक के साथ मारपीट कर उसकी स्कूटी क्षतिग्रस्त कर दी।

सभी मामलों में संबंधित थाना पुलिस ने भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की विभिन्न धाराओं के तहत अपराध दर्ज कर आरोपियों की तलाश और मामले की विवेचना शुरू कर दी है।

डॉयल-112 की तत्परता से सर्पदंश पीड़ित महिला को मिला जीवनदान

रायपुर, 11 जुलाई। गौरेला-पेंड्रा-मरवाही जिले में डॉयल-112 की सतर्क एवं त्वरित कार्रवाई ने एक बार फिर मानव जीवन की रक्षा के प्रति पुलिस की प्रतिबद्धता को प्रमाणित किया है। डॉयल-112 टीम ने सर्पदंश की शिकार एक महिला को बिना समय गंवाए अस्पताल पहुंचाकर उसकी जान बचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

जानकारी के अनुसार, रात्रि लगभग एक बजे डॉयल-112 गौरेला फाल्कन-1 को ग्राम जमुनिया टोला, धनौली से एक महिला के सर्पदंश की सूचना प्राप्त हुई। सूचना मिलते ही डॉयल-112 में तैनात आरक्षक रामदयाल आयाम एवं चालक गोपाल पुरी तत्काल आपातकालीन वाहन लेकर घटनास्थल के लिए रवाना हुए। टीम ने मौके पर पहुंचकर पाया कि ग्राम जमुनिया टोला, धनौली निवासी 55 वर्षीय मती सोनकुंवर पनिका को रात्रि में जमीन पर सोने के दौरान जहरीले सर्प ने काट लिया था। स्थिति की गंभीरता को देखते हुए डॉयल-112 टीम ने बिना किसी विलंब के पीड़िता को परिजनों के साथ ईआरवी वाहन से जिला अस्पताल पहुंचाया, जहां चिकित्सकों ने तत्काल उपचार प्रारंभ किया। समय पर चिकित्सा सुविधा मिलने से महिला की जान बच गई और वर्तमान में उनकी स्थिति सामान्य है।

यह घटना एक बार फिर साबित करती है कि राज्य सरकार द्वारा स्थापित आपातकालीन सहायता प्रणाली केवल कानून-व्यवस्था तक सीमित नहीं है, बल्कि संकट की प्रत्येक घड़ी में नागरिकों की सुरक्षा और जीवन रक्षा के लिए पूरी तत्परता से कार्य कर रही है। डॉयल-112 की प्रशिक्षित टीमों की त्वरित प्रतिक्रिया, आधुनिक संचार व्यवस्था और जिला प्रशासन के समन्वित प्रयासों से आपातकालीन परिस्थितियों में लोगों को समय पर सहायता मिल रही है। उल्लेखनीय है कि इससे पूर्व भी गौरेला-पेंड्रा-मरवाही जिले के ग्राम धनौली में सर्पदंश की शिकार एक युवती को डॉयल-112 की तत्परता से समय पर अस्पताल पहुंचाकर उसका जीवन बचाया गया था। लगातार दूसरी सफल कार्रवाई ने जिले में डॉयल-112 के प्रति आमजन का विश्वास और अधिक मजबूत किया है।

पत्रकार व समाजसेवी कुलदीप निगम को श्रद्धांजलि

रायपुर, 11 जुलाई। पत्रकारिता और समाजसेवा के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान देने वाले स्व. कुलदीप निगम की 62वीं जयंती शुक्रवार को मनाई गई, इस अवसर पर माना स्थित कुलदीप निगम वृद्धाश्रम एवं मानसिक दिव्यांग बालगृह में भावपूर्ण श्रद्धांजलि सभा आयोजित की गई। श्रद्धांजलि सभा में रायपुर प्रेस क्लब के अध्यक्ष मोहन तिवारी ने स्व. निगम की प्रतिमा एवं छायाचित्र पर माल्यार्पण कर पुष्पांजलि अर्पित की तथा उनके सेवा-संकल्प को नमन किया।

जयंती के अवसर पर वृद्धाश्रम में रह रहे बुजुर्गों तथा मानसिक दिव्यांग बालक-बालिकाओं को फल एवं अन्य खाद्य सामग्री का वितरण भी किया गया।

अपने संबोधन में प्रेस क्लब अध्यक्ष मोहन तिवारी ने कहा कि स्व. कुलदीप निगम केवल एक वरिष्ठ पत्रकार ही नहीं, बल्कि समाज के कमजोर, निराश्रित और जरूरतमंद लोगों के सच्चे हितैषी थे। उन्होंने पत्रकारिता के साथ-साथ समाजसेवा को अपना जीवन-धर्म बनाया। माना कैंप में छत्तीसगढ़ के प्रथम वृद्धाश्रम की स्थापना कर उन्होंने बुजुर्गों की सेवा का जो अभियान शुरू किया, वह पिछले 37 वर्षों से निरंतर मानवता की मिसाल बना हुआ है।

62वीं जयंती पर सेवा-संकल्प को किया नमन

उन्होंने बताया कि स्व. कुलदीप निगम छत्तीसगढ़ राज्य बाल कल्याण परिषद के संस्थापक सदस्य एवं प्रथम महासचिव रहे। उनके प्रयासों से मानसिक रूप से दिव्यांग बच्चों की सेवा और संरक्षण का कार्य संगठित रूप से प्रारंभ हुआ। साथ ही उन्होंने ऐसे बहादुर बच्चों को राज्य एवं राष्ट्रीय स्तर पर पहचान दिलाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई, जिन्होंने अपनी जान की परवाह किए बिना दूसरों का जीवन बचाकर साहस का परिचय दिया। उनके प्रयासों से अनेक बच्चों को वीरता पुरस्कार प्राप्त हुए। मोहन तिवारी ने कहा कि स्व. निगम द्वारा बोया गया सेवा का बीज आज एक विशाल वटवृक्ष का रूप ले चुका है और उनकी प्रेरणा आने वाली पीढ़ियों का मार्गदर्शन करती रहेगी।

इस अवसर पर कुलदीप निगम वृद्धाश्रम के अध्यक्ष राजेन्द्र निगम, सचिव बिमल घोषाल, प्रीति निगम, पारूल चक्रवर्ती, लीला यादव, सत्यम निगम सहित वृद्धाश्रम एवं बालगृह के कर्मचारी उपस्थित रहे। वही स्व. कुलदीप निगम के पैतृक गांव नर्रा स्थित शासकीय कुलदीप निगम उच्चतर माध्यमिक विद्यालय में भी शिक्षकों एवं विद्यार्थियों ने उनकी जयंती पर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए उनके व्यक्तित्व एवं समाजसेवा के कार्यों को स्मरण किया।

महापौर ने जोन-4 में ली पार्षदों और अधिकारियों की बैठक

रायपुर, 11 जुलाई। नगर पालिक निगम रायपुर की महापौर मीनल चौबे ने नगर निगम जोन 4 कार्यालय में पहुंचकर पार्षदों और अधिकारियों की बैठक लेकर कार्यों की समीक्षा कर आवश्यक निर्देश अधिकारियों को दिये। महापौर ने बैठक में पार्षदों से सुझाव लिये। महापौर ने अधिकारियों को वार्ड पार्षदों से समन्वय बनाकर जनसमस्याओं का त्वरित निदान करने एवं विकास कार्यों को वार्डो में गतिमान करने के निर्देश दिये।

महापौर ने कहा कि अधिकारी एवं कर्मचारीगण जोन में जनसमस्या लेकर आने वाले जनप्रतिनिधियों एवं आमजनों के साथ अच्छा व्यवहार करें। गंभीरता से शिकायतो को सुने एवं उनके यथा संभव निदान हेतु कार्य करें । कार्यालय में बैठकर नहीं बल्कि वार्डो में फील्ड में उतरकर समस्याओं का निरीक्षण कर उसका त्वरित निदान करने का कार्य करें। फील्ड पर जाकर जनता की समस्याएं सुने, जनप्रतिनिधि पार्षदों से समन्वय रखकर कार्य करें। महापौर ने जलभराव क्षेत्रो में व्यवस्थित सफाई करवाकर यह सुनिश्चित करने निर्देशित किया कि उन स्थानों पर दोबारा जलभराव ना होने पाये। महापौर ने अधिकारियों को जोन क्षेत्र के वार्डो में अवैध निर्माणों पर नियमानुसार सख्ती के साथ कार्यवाही करना सुनिश्चित करने निर्देशित किया।

बड़ा फैसला हर माह वीडियो आधारित निरीक्षण से गड्ढों, दरारों और पॉटहोल की होगी पहचान, त्वरित मरम्मत की बनेगी कार्ययोजना

छग में एआई तकनीक से होगा पीएमजीएसवाई सड़कों का निरीक्षण

रायपुर, 11 जुलाई। छत्तीसगढ़ में प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना (पीएमजीएसवाई) के तहत बनी ग्रामीण सड़कों के रखरखाव और उनकी गुणवत्ता को सुधारने के लिए राज्य सरकार अब एक क्रांतिकारी कदम उठाने जा रही है। सड़कों की मॉनिटरिंग और मरम्मत कार्य को अधिक पारदर्शी और प्रभावी बनाने के लिए अब आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) तकनीक का उपयोग किया जाएगा। उप मुख्यमंत्री एवं पंचायत तथा ग्रामीण विकास मंत्री विजय शर्मा ने पीएमजीएसवाई के कार्यों की उच्च स्तरीय समीक्षा बैठक में अधिकारियों को इस एआई आधारित सड़क निरीक्षण प्रणाली को जल्द से जल्द जमीन पर लागू करने के कड़े निर्देश दिए हैं।

हर महीने वीडियो से होगी सड़कों की जांच

समीक्षा बैठक के दौरान बताया गया कि इस नई तकनीक के तहत अब राज्य की प्रत्येक पीएमजीएसवाई सड़क का हर महीने वीडियो आधारित निरीक्षण किया जाएगा। इसके लिए विशेष एआई आधारित ऐप और डैशबोर्ड भी तैयार कर लिया गया है। एआई तकनीक सड़कों पर मौजूद गड्ढों (पॉटहोल्स), दरारों और अन्य क्षतियों की अपने आप पहचान कर उनका विश्लेषण करेगी। इससे सड़कों की श्रियल टाइमश् (वास्तविक स्थिति) की सटीक जानकारी मिलेगी और किसी भी तरह की भ्रामक जानकारी से बचा जा सकेगा।

सर्वाधिक क्षतिग्रस्त सड़कों को मिलेगी प्राथमिकता

उप मुख्यमंत्री विजय शर्मा ने कहा कि एआई तकनीक से प्राप्त आंकड़ों (डेटा) के आधार पर राज्य की सबसे ज्यादा खराब और क्षतिग्रस्त सड़कों की पहचान प्राथमिकता से की जाएगी। इसके बाद उनके संधारण (रखरखाव) की बजट कार्ययोजना तैयार कर तुरंत मरम्मत कार्य शुरू कराया जाएगा। इससे सरकारी संसाधनों का सही और बेहतर उपयोग हो सकेगा तथा ग्रामीण क्षेत्रों में आवागमन अधिक सुगम व सुरक्षित बनेगा।

कल से शुरू होगा पायलट प्रोजेक्ट

इस व्यवस्था को सुचारू रूप से लागू करने के लिए उप मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को निर्देशित किया है कि कल से ही प्रायोगिक तौर पर (पायलट प्रोजेक्ट के रूप में) प्रदेश के प्रत्येक जिले में एक-एक चयनित सड़क का एआई आधारित निरीक्षण शुरू किया जाए।

इन शुरुआती निरीक्षणों से मिलने वाले परिणामों का बारीकी से विश्लेषण करने के बाद इसे पूरे राज्य में प्रभावी ढंग से लागू किया जाएगा। आधुनिक तकनीक के इस उपयोग से सड़कों की आयु बढ़ेगी और समय पर मरम्मत होने से जनता को बेहतर सुविधाएं मिलेंगी।

इस महत्वपूर्ण समीक्षा बैठक में पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग की अपर मुख्य सचिव ऋचा शर्मा, सचिव भीम सिंह, सचिव धर्मेश साहू, प्रधानमंत्री आवास योजना के संचालक तारन प्रकाश सिन्हा तथा संचालक एनआरएलएम अश्वनी देवांगन सहित विभाग के अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।

कौशल किशोर मिश्र प्रकाशक, मुद्रक, स्वामी की ओर से तरुण छत्तीसगढ़, तरुण छत्तीसगढ़ प्रेस टॉवर, प्रेस काम्पलेक्स, रजबंधा मैदान, रायपुर (छ.ग.) से मुद्रित एवं प्रकाशित प्रधान संपादक- कौशल किशोर मिश्र, पंजी. क्रं. 45088/85 डाक पं.छ.ग./रायपुर संभाग/33/2024-26